MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 17 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-16

आमची मुंबई

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा की महाविजय

MMC Results
2869/2869 Wards

Party-Wise Alliance

BJP	1440
SS	404
CONG	318
NCPAP	164
SSUBT	156
AIMIM	97
NCPSP	36
VBA	15
MNS	14
OTH	225

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा 46 वर्ष पहले अरब सागर के तट पर मुंबई में भारतीय जनता पार्टी के पहले अधिवेशन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा की गई यह भविष्यवाणी अब महाराष्ट्र की राजनीति में पूरी होती नजर आ रही है। देश में लगातार तीसरी बार मोदी सरकार, 20 राज्यों में एनडीए की सरकार और अब महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत ने इस भविष्यवाणी को और मजबूती दी है।

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)।
इन नतीजों से यह स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि देश की राजनीति में बीजेपी का जनाधार लगातार मजबूत हुआ है। केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम में कमल खिलने के बाद अब महाराष्ट्र में भी बीजेपी ने नया राजनीतिक इतिहास रच दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक जनता का भरोसा भारतीय जनता पार्टी के साथ है, और इसी भरोसे की नई व बड़ी अभिव्यक्ति महाराष्ट्र से सामने आई है। बीजेपी गठबंधन राज्य की 29 नगर निगमों में से 25 में विजय पताका फहराता दिखाई दे रहा है। सबसे बड़ी जीत देश की सबसे अमीर नगर पालिका बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में दर्ज की गई है। दशकों तक ठाकरे परिवार का अभेद्य किला मानी जाने वाली बीएमसी में बीजेपी पहली बार सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और अब मुंबई में बीजेपी का

मेयर बनना लगभग तय माना जा रहा है।नागपुर से पुणे, नासिक से सोलापुर तक बीजेपी गठबंधन ने जीत का परचम लहराया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे रिकॉर्ड तोड़ जनादेश बताया और कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता के अटूट भरोसे की जीत है, जिसने न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश में विकास की एक नई भाषा गढ़ी है।

ठाकरे और पवार परिवारों के गढ़ ढहे
गांव से लेकर शहरों तक के स्थानीय चुनावों में बीजेपी अब महाराष्ट्र की राजनीति की केंद्रीय धुरी बन चुकी है। नगर निकाय चुनावों में यह साफ हो गया है कि महाराष्ट्र में अब बीजेपी ही लोकल में वोकल है। पार्टी ने एक साथ कई बड़े राजनीतिक घरानों के गढ़ को ढहा दिया।

सहकारी से सरकारी तक के फॉर्मूले पर राजनीति करने वाला पवार परिवार, एकजुट होने के बावजूद अपने किलों को बचाने में नाकाम रहा। वहीं मराठी मानुष और हिंदू स्वाभिमान की राजनीति करने वाला ठाकरे परिवार भी बीजेपी के सामने अपने गढ़ नहीं बचा पाया।

मुंबई और बीएमसी से जुड़ी पहचान रखने वाला ठाकरे परिवार पहली बार इस किले को बचाने में असफल रहा। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का दो दशक बाद एक साथ आना भी बीजेपी को रोक नहीं सका। ▶10पर

Mumbai
227 / 227 Wards

BJP	88
SSUBT	67
SS	28
CONG	24
MNS	6
NCPAP	3
NCPSP	1
VBA	0
OTH	10

आलोचना पर बोले रेवंत रेड्डी

हाँ, मैं मोदी से बार-बार मिलूँगा

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कितनी भी बार मिलने में संकोच नहीं करेंगे। निर्मल जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि वे कनेक्टिविटी सुधारने के लिए आदिलाबाद जिले में एक हवाई अड्डे की मंजूरी देने हेतु प्रधानमंत्री से अनुरोध करेंगे।

मुख्यमंत्री ने अपनी मुलाकातों पर उठने वाले सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''कई लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं बार-बार नरेंद्र मोदी से क्यों मिलता हूँ। वे मेरे रिश्तेदार नहीं हैं और हमारा कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है, लेकिन वे देश के प्रधानमंत्री हैं। हवाई अड्डा केवल पीएम की मंजूरी से ही बन सकता है। इससे बड़े उद्योग आएंगे और धन आवंटित किया जाएगा।'' उन्होंने आगे स्पष्ट किया, ''राज्य के विकास के लिए मैं किसी से भी मिलने में एक पल के लिए भी नहीं हिचकिचाऊंगा। मैं उनसे सिफारिशें मांगने के लिए नहीं मिलता। इसमें मेरा कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है।''

सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्र और महाराष्ट्र का सहयोग जरूरी

रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गोदावरी नदी पर तुम्मिडी हट्टी में एक सिंचाई परियोजना बनाने की भी योजना बना रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस परियोजना के लिए पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के सहयोग की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सहयोग से, ▶10पर

सब्र का 'पुल' टूटा

पुरानापुल मंदिर में तोड़फोड़ की कोशिश, पत्थरबाजी, आगजनी और तनाव

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पुराना पुल दरवाजा स्थित माता मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई कथित छेडछाड ने जहाँ साम्प्रदायिक रंग ले लिया, वहीं राजनीतिक

नेताओं को जीएचएमसी चुनाव से पहले अपनी राजनीति चमकाने का अच्छा-खासा अवसर भी दे दिया। हालांकि पुलिस ने तुरंत मार्चा संभाल कर मामले को अन्य क्षेत्रों में फैलने से तो रोका ही, घटना को अधिक तूल देने की कोशिशों को भी नाकाम कर दिया। इस घटना ने मकर संक्रांति की पूर्व संध्या

पर थोडा तनाव जरूर पैदा किया, किन्तु त्यौहार का मजा खराब करने के मंसूबे काफी हद तक विफल ही रहे। समाचार लिखे जाने तक कमाटीपुरा थाने में दो अलग-अलग केस दर्ज किये गये, जिसमें मंदिर के बरामदे में एक फ्लेक्सी और एक पीओपी (प्लास्टर आफ पैरिस) मूर्ति को मामूली क्षति पहुँचाने का आरोप है, जबकि दूसरा केस उन लोगों के खिलाफ है, जिन्होंने पुलिस पर पत्थर बरसाये और कथित रूप से छिल्ला (मजार) को नुकसान पहुँचाया। साथ ही एक वाहन को भी जलाया गया। इस बीच शुक्रवार को मंदिर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किये जाने की खबर है।

राजेन्द्रनगर के डीसीपी ने मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों ही मामलों में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जा रहा है। जो भी गुनाहगार होंगे, उन्हें बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि पत्थरबाजी में 4 पुलिसकर्मियों को भी गंभीर चोटें आई है। साथ ही पुलिस के उच्चाधिकारियों ने मैसम्मा (माता) मंदिर की घटना को बढा-चढाकर पेश करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि मंदिर के गर्भ गृह में किसी प्रकार की कोई तोडफोड नहीं हुई है, इस बाबत जो भी सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाई जा रही है, वे तथ्यों से परे है, पूरी तरह बेबुनियाद व असत्य है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य मंदिर में आरोपी नहीं जा पाया, वह स्थान पूरी तरह सुरक्षित है। ▶10पर

संघ परिवार का हाथ : औवेसी

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पुराना पुल इलाके में भड़के सांप्रदायिक तनाव को लेकर संघ परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, अगर आप संघ परिवार से जुड़ी इन ताकतों के पैटर्न को देखें, तो साफ़ पता चलता है कि हैदराबाद में सांप्रदायिक बवाल पैदा करने की साजिश रात के वक्त ही रची जा रही है और वह भी ऐसे मुद्दों

पर जिनकी कोई प्रासंगिकता ही नहीं है। वे केवल सांप्रदायिक विवाद खड़ा करना चाहते हैं। ओवैसी ने आगे कहा, कुछ लोग कहते हैं एक पोस्टर फेंका गया, कुछ और बातें बनाई जा रही हैं। मेरी चिंता यह है कि स्थानीय पुलिस वहाँ कर क्या रही है? उन्होंने बताया कि इलाके में सीसीटीवी कैमरे लगे ▶10पर

राजा-राम का मिलाप!

पुराना पुल तनाव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और गोशामहल से भाजपा विधायक टी. राजा सिंह के बीच कई महीनों से जारी तनातनी को दूर कर दिया। बुलेट पर अकेले सवार होकर आए राजा सिंह ने जैसे ही सामने खडे रामचंद्र राव को देखा, वे एक-दूसरे से समा गये। दोनों ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया और मंदिर का साथ-साथ मुआयना भी किया। संवाददाताओं को भी दोनों ने एक साथ संबोधित किया। उनके साथ खडे प्रशंसकों,/समर्थकों व पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं के चेहरे यह नजारा देख खिल उठे। गोरतलब है कि तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष के रूप में रामचंद्र राव की नियुक्ति के बाद से ही राजा सिंह ने पार्टी से दूरी बना ली थी। संक्रांति तक राजा सिंह की पार्टी में वापसी की अटकलें सही साबित हुई और राजा और रामचंद्र एक साथ आ गये।

असद की कठपुतली है पुलिस : राजा सिंह
पुराना पुल दरबार मैसम्मा मंदिर में घटी घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए गोशामहल के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने न केवल तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार को एमआईएम (मजलिस) की कठपुतली बताया, बल्कि औवेसी के इशारे पर हिन्दुओं की गिरफ्तारी पर भी गंभीर सवाल खडे किये। राजा सिंह ने आरोप लगाया कि 13 जनवरी की रात मुसलमानों की ओर से भी पुलिस वालों पर पत्थरबाजी की गई थी, लेकिन गिरफ्तारी केवल हिन्दुओं की हो रही है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

पृथक सिकंदराबाद के लिए रैली आज

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)
पूर्व मंत्री और सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने राज्य की वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार चुनावी वादों को लागू करना भूल गई है और अब गांवों व शहरों के नाम बदलने वाली 'तुगलक' सरकार की तरह व्यवहार कर रही है। शुक्रवार को वेस्ट मारेडपल्ली स्थित विधायक कैंप कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि सरकार सिकंदराबाद क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास और इसकी पहचान को मिटाने की साजिश रच रही है।

विधायक तलसानी ने घोषणा की कि सिकंदराबाद के अस्तित्व और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए 17 तारीख को एक विशाल शांति रैली आयोजित की जाएगी। यह रैली सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होकर क्लॉक टॉवर, पैटनी और पैराडाइज सर्कल से होते हुए एमजी रोड स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक निकाली जाएगी।

उन्होंने याद दिलाया कि सिकंदराबाद में उस्मानिया विश्वविद्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय, राष्ट्रपति निलयम और क्लॉक टॉवर जैसे कई ऐतिहासिक स्थल हैं। साथ ही, यहाँ के 'लश्कर बोनालु' उत्सव को दुनिया भर में पहचान मिली हुई है। तलसानी ने कहा कि 220 वर्षों से अधिक का इतिहास रखने वाले सिकंदराबाद के लोगों की राय लिए बिना नाम बदलना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया, ''जब आप कहते हैं कि सिकंदराबाद जीएचएमसी (नगर निगम) का ही हिस्सा है, तो फिर यहाँ के कुछ पुलिस सर्कल और जीएचएमसी सर्किलों को मलकाजगिरी ▶10पर

सिंगापुर में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम प्रीतम सिंह नेता प्रतिपक्ष पद से हटाए गए

सिंगापुर,16 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने वर्कर्स पार्टी के नेता प्रीतम सिंह को नेता प्रतिपक्ष (लीडर ऑफ द ऑपोजिशन) के पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने वर्कर्स पार्टी से नए सांसद के नामांकन की मांग की है, जो इस मामले से जुड़ा न हो। यह फैसला संसद द्वारा 14 जनवरी 2026 को लिए गए उस निर्णय के बाद आया, जिसमें प्रीतम सिंह को नेता प्रतिपक्ष पद के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, प्रीतम सिंह को संसद की एक समिति के समक्ष झूठी गवाही देने के मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसे उनके खिलाफ गंभीर आचरण उल्लंघन माना गया। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने 15 जनवरी को जारी अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले पर गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रीतम सिंह की आपराधिक दोषसिद्धि और संसद द्वारा उनकी अनुपयुक्तता के फैसले को देखते हुए उनका नेता प्रतिपक्ष बने रहना अब संभव नहीं है। वोंग ने कहा कि यह कदम कानून के शासन, संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की अखंडता को बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) को संसद में स्पष्ट बहुमत प्राप्त है। इसके बावजूद 2025 के आम चुनावों के बाद प्रीतम सिंह को दूसरे कार्यकाल के लिए नेता प्रतिपक्ष के रूप में बनाए रखा गया था। क्या है पूरा मामला यह घटनाक्रम संसद में लीडर ऑफ द हाउस इंद्रानी राजा द्वारा 14 जनवरी को पेश किए गए प्रस्ताव के पारित होने के बाद सामने आया। प्रस्ताव में कहा गया था कि प्रीतम सिंह का आचरण और 2021 में पूर्व वर्कर्स पार्टी सांसद रायसा खान द्वारा संसद में दिए गए झूठे बयान से जुड़े मामले में अदालत की दोषसिद्धि यह दर्शाती है कि वे नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षित उच्च नैतिक और संवैधानिक मानकों पर खरे नहीं उतरते। प्रीतम सिंह का राजनीतिक सफर प्रीतम सिंह का जन्म सिंगापुर में हुआ, जबकि उनकी पारिवारिक जड़ें भारत के पंजाब से जुड़ी हैं। उन्होंने सिंगापुर में प्रारंभिक शिक्षा पूरी की और बाद में किंग्स कॉलेज लंदन से उच्च शिक्षा प्राप्त की। पेशे से वकील रहे प्रीतम सिंह ने राजनीति में कदम रखने के बाद तेजी से पहचान बनाई।

न्यूज ब्रीफ

महिला 38 साल की उम्र में बनी नानी, मां-बेटी की तस्वीरें देख लोग हैरान

न्यूयार्क। विदेशों में कम उम्र में दादी-नानी बन जाना असामान्य नहीं है, लेकिन भारतीयों के लिए यह उम्र चौकाने वाली है। अमेरिका की रहने वाली एक महिला महज 38 साल की उम्र में नानी बन गई। ब्रिटनी नाम की इस अमेरिकी महिला ने अपनी बेटी के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जो देखते ही देखते वायरल हो गई। ब्रिटनी और उनकी बेटी की शक्ल-सूरत इतनी मिलती-जुलती है कि ज्यादातर लोग यह पहचान ही नहीं कर पा रहे कि मां कौन है और बेटी कौन। दोनों के सुनहरे बाल, चेहरे की बनावट और मुस्कान लगभग एक जैसी है। तस्वीर पर लोगों की प्रतिक्रियाएं यही सवाल कर रही हैं कि आखिर इनमें से बेटी कौन है। ब्रिटनी ने बताया कि वह सिर्फ 18 साल की थीं, जब उन्होंने अपनी बेटी को जन्म दिया था। वक्त इतनी तेजी से बीत गया कि अब उनकी बेटी 20 साल की हो चुकी है और खुद मां बन गई है। इसी वजह से ब्रिटनी 38 साल की उम्र में नानी बन गईं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउं पर मां-बेटी की कई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें दोनों की जबरदस्त समानता साफ नजर आती है। ब्रिटनी चार बच्चों की मां हैं और परिवार के साथ अपनी जिंदगी के खास पलों को खुलकर साझा करती रहती हैं। अपने एक पोस्ट में ब्रिटनी ने भावुक अंदाज में लिखा, एक पल आप 19 साल की होती हैं और अपने एक साल के बच्चे को गोद में लिए होती हैं, और अगले ही पल आप अपनी 20 साल की बेटी के साथ समय बिता रही होती हैं।' उनकी इस बात ने सोशल मीडिया यूजर्स को छू लिया। कई लोगों ने इसे जिंदगी की तेजी से बदलती तस्वीर बताया। कमेंट सेक्शन में लोगों की हैरानी साफ झलक रही है।

बलोचिस्तान में कन्या हाई स्कूल की प्रिंसिपल समेत तीन लोगों की हत्या, दो घायल

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में एक महिला शिक्षक सहित तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इन घटनाओं दो अन्य घायल हो गए। महिला शिक्षक इलाहाबाद के साबी इलाके में स्थित कन्या हाई स्कूल में प्रधानाचार्य थीं। उन्हें अज्ञात बंदूकधारियों ने स्कूल के पास गोली मारी। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, साबी पुलिस ने बताया कि महिला अपने घर से स्कूल जा रही थीं। स्कूल के मुख्य द्वार के सामने घात लगाकर बैठे अज्ञात हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। परिणामस्वरूप उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ओर, डेरा मुराद जमाली स्थित वेस्ट हाई स्कूल के पास अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पुलिस हवलदार अली गोहर मगसी की गोली मारकर हत्या कर दी। दूसरी ओर, सिंध के सजावल निवासी खामुन खसखली के पुत्र 30 वर्षीय नजर अली की बलोचिस्तान के औद्योगिक क्षेत्र में लूटपाट के प्रयास के दौरान हत्या कर दी गई। इसके अलावा, पंजगुर के हाजी गाजी सुरदो इलाके में हुई गोलीबारी में हसन हयात घायल हो गया। उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, केच जिले के बलादाह इलाके में अज्ञात सशस्त्र मोटरसाइकिल सवारों की गोलीबारी में बलूचाबाद निवासी माजिद आदम घायल हो गया।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों के बीच रजा पहलवी की चर्चा हुई तेज, राजशाही की वापसी पर छिड़ी बहस

तेहरान। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे रजा पहलवी एक बार फिर

राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। सड़कों पर पहलवी वापस आएंगे जैसे नारे सुनाई देना इस बात का संकेत माना जा रहा है, कि कुछ ईरानी नागरिक मौजूदा शासन के विकल्प के रूप में उन्हें देखने लगे हैं। हालांकि, उनकी भूमिका, विदेशी समर्थन और इजराइल से नजदीकी होने को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि विदेशी समर्थन, खासकर इजराइल से करीबी, उनकी विश्वसनीयता को कमजोर कर सकती है। आलोचकों का कहना है कि ईरान की युवा पीढ़ी ने राजशाही का दौर देखा ही नहीं है और पहलवी राजवंश का इतिहास भी विदेशी समर्थन से जुड़ा रहा है। गौरतलब है कि 1921 में रजा खान पहलवी ब्रिटिश समर्थन से सत्ता में आए थे और 1925 से 1941 तक शासन किया। बाद में उनके बेटे मोहम्मद रजा शाह ने 1941 से 1979 तक राज किया, लेकिन इस्लामी क्रांति ने राजवंश का अंत कर दिया।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन मिडिल ईस्ट रवाना

वाशिंगटन,16 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने अशांत ईरान में फिलहाल हमला न करने का संकेत जरूर दिया है पर उसने अपने सबसे शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) रवाना किया है। मध्य पूर्व क्षेत्र में सामान्यतः बहरीन, साइप्रस, मिस्र, ईरान, इराक, इजराइल, जार्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और यमन जैसे देश हैं। यह क्षेत्र तीन महाद्वीपों एशिया, अफ्रीका और यूरोप के संगम पर है। अब्राहम लिंकन अपनी परमाणु ऊर्जा और व्यापक मारक क्षमता के लिए जाना जाता है। यह बिना सेना की मदद से तबाही मचाने में सक्षम है। सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान में हालात सामान्य होने के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन कुछ ईरानियों का कहना है कि हफ्तो तक सरकार विरोधी प्रदर्शनों और क्रूर कार्रवाई के बाद वे अभी भी अमेरिका के संभावित दखल के लिए तैयार हैं। एक खाड़ी अधिकारी ने बताया कि पिछले 72 घंटों में जोरदार कूटनीतिक कोशिश के बाद कई अरब देशों ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव कम करने में मदद की। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोई भी विकल्प खत्म नहीं किया है। अगर ईरान में हत्याएं जारी रहीं तो गंभीर नतीजे होंगे। एक सूत्र के अनुसार, तनाव के बीच अमेरिकी सेना एक कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को मिडिल ईस्ट भेज रही है। अमेरिका स्थित एक मानवाधिकार समूह के अनुसार, ईरान में प्रदर्शन के दौरान कम से कम 2,400 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। सत्रों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सारे विकल्प खुले रखे हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन को आखिरी बार दक्षिण चीन सागर में देखा गया था। यह फारस की खाड़ी से लगभग 5,000 मील दूर है। विश्लेषकों का अनुमान है कि इसे खाड़ी तक पहुंचने में पांच से सात दिन लग सकते हैं। अमेरिकी नौसेना संस्थान के फ्लीट ट्रैकर के अनुसार, 100,000 टन से ज्यादा वजन और लगभग 1,100 फीट लंबा अब्राहम लिंकन 90 विमानों और हेलीकाप्टरों ले जा सकता है। इनमें एफ/ए-18 और एफ-35 फाइटर जेट शामिल हैं। अब्राहम लिंकन के साथ तीन गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रायर हैं। कैरियर के लिए हवाई और पनडुब्बी सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ, अर्ले बर्क-क्लास डिस्ट्रायर दर्जनों टामहाक क्रूज मिसाइलों से लैस हैं। यह मिसाइलें 1,000 मील दूर तक के लक्ष्य को निशाना बना सकती हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा है, राष्ट्रपति और उनकी टीम ने ईरानी सरकार को बता दिया है कि अगर हत्याएं जारी रहीं, तो इसके गंभीर नतीजे होंगे।' उन्होंने बाद में कहा कि ट्रंप अपना इरादा जाहिर नहीं करते। लीविट ने कहा, सच तो यह है कि सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप ही जानते हैं कि वह क्या करने वाले हैं और सलाहकारों की बहुत छोटी टीम को ही उनके इरादे की जानकारी है। फाक्स न्यूज की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि ट्रंप ईरान की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने सभी विकल्प खुले रखे हैं। ईरान के साथ तनाव के बीच अमेरिका ने सैन्य साजो सामान मिडिल ईस्ट भेजा है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है।

ट्रंप के ईरान अटैक प्लान से क्यों डरा हुआ है पाकिस्तान, क्या कुछ टूट जाने का खतरा है सता रहा

इस्लामाबाद। ईरान पर अमेरिका के संभावित सैन्य हमले की आशंका का सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान की चिंता में नजर आ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के अटैक प्लान की चर्चाओं के बीच पाकिस्तान को डर है कि अगर ईरान में सत्ता परिवर्तन या बड़े पैमाने पर अस्थिरता हुई तो उसके अशांत बलूचिस्तान प्रांत में विद्रोह की आग और तेज हो सकती है। यही वजह है कि इस पूरे घटनाक्रम को पाकिस्तान अपने लिए एक गंभीर रणनीतिक खतरे के तौर पर देख रहा है। यहां बताते चलें कि पाकिस्तान और ईरान के बीच करीब 900 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो सीधे पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील प्रांत बलूचिस्तान से लगती है। यह वही इलाका है जहां दशकों से अलगाववादी आंदोलन चल रहा है। ईरान का सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत भी इसी सीमा पर स्थित है, जहां रहने वाले बलूच समुदाय के पाकिस्तान के बलूचों से जातीय, भाषाई और जनजातीय संबंध हैं। ऐसे में ईरान में किसी भी तरह की उथल-पुथल का असर सीधे पाकिस्तान पर पड़ सकता है। इस मामले में पाकिस्तान के पूर्व राजदूत आसिफ दुर्रानी का कहना है कि ईरान में चाहे आंतरिक बदलाव हों या बाहरी हस्तक्षेप, उसका सीधा प्रभाव पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा पर पड़ेगा।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी ने घटक दलों के साथ 253 सीटों पर बंटवारे की घोषणा की

ढाका,16 जनवरी (एजेंसियां)। **बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 12 फरवरी को होने वाले 13वें संसदीय चुनाव के लिए 253 सीटों के लिए सीट बंटवारे की घोषणा की है। जमात 179 सीट, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) 30, मामूनुल हक के नेतृत्व वाली बांग्लादेश खिलाफत मजलिस 20, खिलाफत मजलिस 10, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी सात, एबी पार्टी तीन, निजामे इस्लामी पार्टी दो और बांग्लादेश डेवलपमेंट पार्टी दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह जानकारी जमात के नायब-ए-अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने गुरुवार देरशाम संवाददाता सम्मेलन में दी।**

रिपोर्ट के अनुसार, ताहिर ने काकरेल इलाके के इंस्टीट्यूशन आफ डिप्लोमा इंजीनियर्स में यह घोषणा की। इस दौरान गठबंधन के मुख्य घटकों में से एक इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश (आईएबी) ने संवाददाता सम्मेलन का बहिष्कार किया। ताहिर ने कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है कि गठबंधन के दो अन्य घटक बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन और जातीय गणतंत्रिक पार्टी (जागपा) को कितनी सीटें दी जाएंगी। बहिष्कार करने वाले इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के लिए 47 सीट आरक्षित की गई हैं।

इस बीच जमात-ए-इस्लामी ने आरोप लगाया कि कई इलाकों में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के बावजूद चुनाव आयोग निष्क्रिय बना हुआ है। जमात के सहायक महासचिव हामिदुर रहमान आजाद ने अगरगांव में मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन से मिलने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक पार्टी खुलेआम आचार संहिता का उल्लंघन कर रही है। आयोग उस परआंख बंद किए है। जो संहिता का उल्लंघन नहीं कर रहे, उन्हें परेशान किया जा रहा है।

याह्या सिनवार के बाद हमास को मिलेगा नया चीफ, चुनाव जल्द

गाजा। गाजा जंग के दौरान अपने कई शीर्ष नेताओं को खोने के बाद हमास अब संगठन को फिर से मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रहा है। हमास नेतृत्व में बदलाव के लिए आंतरिक चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है। संगठन से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया सूत्रों को बताया कि चुनाव की तैयारियां जारी हैं और जमीनी हालात अनुकूल होते ही इन्हें कराया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक, चुनाव कुछ ही दिनों में होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमास चीफ बनने की दौड़ में इस समय खालिद मशाल सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। खालिद मशाल पहले भी हमास के प्रमुख रह चुके हैं और संगठन के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे पहचाने जाने वाले नेताओं में से एक हैं। इजराइल ने एक बार उन्हें मारने के लिए जहर देने की कोशिश की थी, लेकिन इस घटना से जॉर्डन के साथ उसके रिश्ते बिगड़ गए थे। अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते इजराइल को मशाल की जान बचाने के लिए एंटीडोट उपलब्ध कराना पड़ा था।

आखिर क्यों चीन के यांग्सी को दुनिया जानती शापित गांव के नाम से

बीजिंग,16 जनवरी (एजेंसियां)। **चीन के शिचुआन प्रांत का एक छोटा और सुदूर गांव यांग्सी भी शामिल है, जिसे पूरी दुनिया आज सबसे शापित गांव' या बौनों का गांव' के नाम से जानती है। यह गांव अपने अनोखे भूगोल या संस्कृति के लिए नहीं, बल्कि यहां रहने वाले लोगों के असामान्य शारीरिक विकास के कारण चर्चा में है।**

यांग्सी गांव की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां की आधी से ज्यादा आबादी की लंबाई केवल 2 से 3 फीट के बीच है। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, यह रहस्यमय स्थिति साल 1951 के बाद से देखने को मिल रही है। गांव में जन्म लेने वाले बच्चे सामान्य और स्वस्थ दिखाई देते हैं, लेकिन जैसे ही वे 5 से 7 वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, उनकी लंबाई का बढ़ना अचानक रुक जाता है। इसके बाद जीवनभर उनका कद लगभग वही रह जाता है। बीते छह दशकों से यह सिलसिला बिना किसी स्पष्ट कारण के जारी है। इस अजीब घटना ने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को भी उलझन में डाल दिया है। हाल ही में एक डाक्यूमेंट्री के दौरान विशेषज्ञों की टीम ने गांव की मिट्टी, पीने के पानी, हवा और यहां उगने वाले अनाज तक की गहन जांच की। आधुनिक तकनीकों और लैब टेस्ट के बावजूद ऐसा कोई ठोस वैज्ञानिक या चिकित्सकीय कारण सामने नहीं आया, जो इस सामूहिक बौनेपन को पूरी तरह समझा सके। विशेषज्ञ इसे स्टंटेड ग्रोथ' यानी अवरुद्ध शारीरिक वृद्धि का मामला तो मानते हैं, लेकिन सवाल यह है कि यह समस्या सिर्फ इसी गांव तक सीमित क्यों है। ग्रामीणों के बीच इस रहस्य को लेकर अलग-अलग मान्यताएं प्रचलित हैं। कुछ बुजुर्ग इसे पीढ़ियों पुराना श्राप मानते हैं। लोक कथाओं के अनुसार, पूर्वजों को गलत समय या गलत नक्षत्र में दफनाने, या किसी दैवीय शक्ति के क्रोध के चलते गांव पर यह विपत्ति आई। वहीं कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह प्रभाव द्वितीय विश्व युद्ध के समय जापान द्वारा किए गए रासायनिक प्रयोगों या जहरीली गैस के कारण हो सकता है, जिसका असर लोगों के डीएनए पर पड़ा। बताया जाता है कि 1950 के दशक में इस क्षेत्र में एक रहस्यमयी बीमारी फैली थी, जिसके बाद से नई पीढ़ी के बच्चों की शारीरिक बढ़त रुकने लगी। हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने जेनेटिक म्यूटेशन की दिशा में भी जांच शुरू की है, लेकिन अब तक 60 साल पुराने इस रहस्य की परतें पूरी तरह नहीं खुल सकी हैं।

आखिरकार ट्रंप को मिल ही गया नोबेल, वेनेजुएला की नेता मारिया मचाडो ने व्हाइट हाउस में सौंपा शांति पुरस्कार का मेडल

वाशिंगटन,16 जनवरी (एजेंसियां)। **अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उस वक्त नई हलचल पैदा हो गई, जबकि वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान अपना नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल उन्हें सौंप दिया। मचाडो ने इसे एक प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह सम्मान उन्होंने वेनेजुएला की आजादी के लिए ट्रंप के विशेष योगदान के लिए दिया है।**

पत्रकारों से बातचीत में मचाडो ने दावा किया कि उन्होंने यह मेडल राष्ट्रपति ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से सौंपा, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप ने इसे औपचारिक रूप से स्वीकार किया या नहीं। इस सवाल पर उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि यह क्षण इतिहास में दर्ज किया जाएगा। वहीं, मीडिया रिपोर्ट में व्हाइट हाउस से जुड़े सूत्रों का हवाला देते हुए बताया जा रहा है, कि मचाडो मेडल को वहीं छोड़ गई हैं और फिलहाल यह मेडल ट्रंप के पास है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी पुष्टि की है कि राष्ट्रपति ने इसे अपने पास रखा हुआ है।

पुरस्कार समिति पहले ही स्थिति कर चुकी है स्पष्ट

गौरतलब है कि ट्रंप लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की इच्छा जाहिर करते रहे हैं। हालांकि, नोबेल पुरस्कार समिति पहले ही साफ कर चुकी है कि यह सम्मान न तो साझा किया जा सकता है और न ही किसी अन्य व्यक्ति को ट्रांसफर किया जा सकता है। ऐसे में मचाडो का यह कदम कानूनी से ज्यादा राजनीतिक और प्रतीकात्मक माना जा रहा है।

गौरतलब है कि मचाडो गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच व्हाइट हाउस पहुंचीं थीं। सफेद सूट में नजर आईं मचाडो और ट्रंप के बीच क्लोज-डोर लंच मीटिंग हुई, लेकिन बातचीत के एजेंडे और नतीजों पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। माना जा रहा है कि चर्चा का केंद्र वेनेजुएला का मौजूदा राजनीतिक संकट और अमेरिका की भूमिका रही।

ट्रंप को साधने की रणनीति

मचाडो ने इस कदम की तुलना इतिहास से करते हुए कहा कि जैसे फ्रांस के मार्क्विस डी लाफायेट ने जार्ज वाशिंगटन का मेडल सिमोन बोलिवार को सौंपा था, वैसे ही आज बोलिवार की जनता वाशिंगटन के उत्तराधिकारी को सम्मान दे रही है। विश्लेषकों के मुताबिक, यह कदम ट्रंप को साधने और वेनेजुएला मुद्दे पर अमेरिकी समर्थन मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति भी हो सकता है, खासकर तब, जब हाल के महीनों में दोनों नेताओं के रिश्तों में खटास की खबरें सामने आई थीं।

नगर निकाय चुनावों में भाजपा का शानदार प्रदर्शन : फडणवीस ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को दी बधाई

मुंबई, 16 (एजेंसियां)। भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के 29 में से अधिकांश नगर निगमों में बढ़त हासिल करने और शुरुआती रुझानों में बीएमसी में भाजपा-शिवसेना गठबंधन के बहुमत का आंकड़ा पार करने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीडियो कॉल के जरिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमीत साटम को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने रविंद्र चव्हाण के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, आदरणीय रविंद्र चव्हाण जी, आपको बहुत-बहुत बधाई। आपके नेतृत्व में पार्टी ने पूरे महाराष्ट्र में उल्लेखनीय जीत हासिल की है। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक और शानदार विजय है। मैं दिल से आपको बधाई देता हूं। इसके बाद उन्होंने अमीत साटम को भी बधाई देते हुए कहा, अमीत, बहुत-बहुत बधाई! आपने बेहतरीन काम किया है। अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। आपका प्रदर्शन शानदार रहा है और मुझे आप पर गर्व है। आगे भी इसी तरह अच्छे परिणाम की उम्मीद है।इस बीच, राजस्व मंत्री और 29 नगर निगम चुनावों के लिए भाजपा के प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले ने भी पार्टी की सफलता और महायुति के प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी।

बावनकुले ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, विकास का तूफान विश्वास की अजेय लहर और जनता की अटूट निष्ठा! महाराष्ट्र के हर कोने से गूंजती आवाज-देवाभाऊ का नेतृत्व ही महाराष्ट्र की नियति है। हर जगह महायुति की प्रचंड बढ़त! ये सिर्फ बढ़त नहीं, बल्कि जनता की धड़कन है- प्रगति, सुशासन और एक सशक्त, विकसित महाराष्ट्र के लिए जोरदार 'हां'।

उन्होंने आगे लिखा, शांत लेकिन अडिग इच्छाशक्ति, तेज निर्णय क्षमता और अथक परिश्रम- यही हैं हमारे देवेंद्र फडणवीस, देवाभाऊ। उनकी दूरदर्शी सोच ने महाराष्ट्र को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया है- विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, भारी एफडीआई निवेश, रोजगार के नए अवसर-सब कुछ नई ऊंचाइयों पर है। यह विजय यात्रा हर कार्यकर्ता के पसीने, संघर्ष और अटूट समर्पण से गढ़ी गई है। मतदान केंद्रों से लेकर हर मतदाता ने विश्वास जताया है। हम देवाभाऊ के साथ मजबूती से खड़े हैं। महाराष्ट्र के उन लाखों मतदाताओं को नमन, जिन्होंने लंबी कतारों में खड़े होकर अपना पवित्र मत दिया-आप ही असली नायक हैं। हम इस भरोसे को और अधिक समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लेते हैं। पूर्ण विजय अजेय महाराष्ट्र बेमिसाल विकास! जय महाराष्ट्र!

शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने भी एक्स पर तंज कसते हुए लिखा, मुंबई में अब सिर्फ दो भाई लाडला भाई और गॉड ब्रदर! इसके जरिए उन्होंने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच हुए पुनर्मिलन और उनके गठबंधन पर निशाना साधा, जो बीएमसी चुनावों में प्रभावी साबित नहीं हो सका।एक अन्य पोस्ट में देवड़ा ने कहा, बीएमसी के नतीजों ने मुंबई की राजनीति के 'सोप ओ-पेरा' पर विराम लगा दिया है। शहर ने मेलोड्रामा और मसाले की बजाय प्रगति और जवाबदेही को चुना है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना ही असली शिवसेना है, और पारिवारिक राजनीति सुर्खियां बटोरने में नाकाम रही। देश की आर्थिक और सांस्कृतिक राजधानी के लिए स्वर्णिम दौर की शुरुआत हो चुकी है।

इस बीच पुणे नगर निगम (पीएमसी) और पिंपरी-चिंचवड़ में भाजपा ने मजबूत बढ़त बना ली है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा को टक्कर देने के लिए एनसीपी के दोनों गुटों (अजित पवार और शरद पवार) ने स्थानीय स्तर पर गठबंधन किया था, लेकिन वे फिलहाल पीछे चल रहे हैं।ठाणे में, जो उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गढ़ माना जाता है, उनकी अगुवाई वाली शिवसेना बढ़त बनाए हुए है।वहीं, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी मानुस' वोटों के एकीकरण के लिए इस चुनाव में साथ आने का फैसला किया था, लेकिन वे बीएमसी चुनावों में मराठी अस्मिता और ठाकरे विरासत के नाम पर जीत दर्ज करने में सफल नहीं हो सके।

कर्नाटक का सीएम पद पार्टी हाईकमान और हमारे बीच का मामला, सार्वजनिक चर्चा न हो : डीके शिवकुमार

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को साफ किया कि मुख्यमंत्री पद का मुद्दा उनके, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और पार्टी हाईकमान के बीच का मामला है, इस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जानी चाहिए। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि लोगों को इस मामले पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। यह मामला पार्टी के हाईकमान का है। है।जो फैसला वहां से आएगा, वह हमको मंजूर होगा। इस दौरे के दौरान हाईकमान नेताओं से मिलेंगे। मैं पार्टी नेताओं से मिलने के इरादे से दिल्ली आया हूं। असम चुनावों के सिलसिले में हाई कमान नेताओं के साथ बैठक के एजेंडे के बारे में पूछे जाने पर डीके शिवकुमार ने कहा, हमारी पार्टी के प्लान बताना कैसे मुमकिन है? इन मामलों पर सिर्फ पार्टी लेवल पर बात होगी, पब्लिक में नहीं। अगर कोई जानकारी शेयर करनी होगी तो हमारे पार्टी के महासचिव करेंगे।जब उनसे पूछा गया कि क्या वह केंद्रीय मंत्रियों से मिलेंगे, तो उन्होंने कहा, सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कुछ जरूरी कानूनी मुद्दे हैं जिन पर चर्चा करने की जरूरत है। इसलिए मैं कानूनी विशेषज्ञों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलूंगा।

शिवकुमार दिल्ली में रुकेंगे और शनिवार को बेंगलुरु लौटेंगे। राज्य में नेतृत्व की खींचतान के बीच उनके इस दौरे से अटकलें लगाई जा रही हैं।

उन्हें उम्मीद है कि इस मामले पर राहुल गांधी के साथ उनकी निजी मुलाकात होगी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राहुल गांधी से मिलना उनके लिए कोई नई बात नहीं है और यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। राहुल गांधी के साथ एक मीटिंग और प्राइवेट बातचीत के बाद आए इस पोस्ट से कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे।जब उनसे पूछा गया कि क्या मैसूर एयरपोर्ट पर राहुल गांधी से मिलने के बाद उनके समर्थक और उनके खेमे के विधायक खुश हैं तो शिवकुमार ने कहा, राहुल गांधी हमारे पार्टी नेता हैं। हमारे पार्टी नेताओं और अध्यक्ष से मिलना और फोन पर बातचीत करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।

ममता बनर्जी जो दस्तावेज ले गईं, उसके बारे में जनता को जानने का हक : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)। आई-पैक ऑफिस पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड के खिलाफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने पूरे मामले को राजनीतिक रंग दिया है, जिसकी अपेक्षा किसी भी राज्य के मुखिया से नहीं की जा सकती। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि कोलकाता में ईडी की कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। इसके बावजूद ईडी पर गलत काम करने के आरोप लगाना एक ट्रेंड बन गया है। खंडेलवाल ने सवाल उठाया कि यदि कोई संवैधानिक संस्था अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है, तो क्या किसी मुख्यमंत्री को उसमें दखल देने, रुकावटें डालने या अहम दस्तावेजों को बचाने की कोशिश करने का अधिकार है? देश को यह जानने का हक है कि आखिर उन दस्तावेज में ऐसा क्या था, जिसे लेकर इतना विवाद खड़ा किया जा रहा है। यदि ममता बनर्जी सच्ची हैं, तो उन्हें सामने आकर स्पष्ट करना चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 'ऑपरेशन सिंदूर के खत्म न होने' संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रवीण खंडेलवाल ने भारतीय सेनाओं की प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि देश को अपनी सेनाओं पर गर्व है, जो शौर्य और वीरता की प्रतीक हैं। जब भी देश को आवश्यकता पड़ी है, भारतीय सेनाओं ने अदम्य साहस के साथ आगे बढ़कर चुनौतियों का सामना किया है। हमारे जवान सीमाओं की रक्षा करते हैं, तभी देशवासी अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में पूरा देश सेनाओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है।

ममता बनर्जी का चुनाव आयोग पर आरोप, बंगाल में काटे जा रहे अल्पसंख्यकों के वोट

कोलकाता,16 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भारत के चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के जरिए जानबूझकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री का दावा है कि अल्पसंख्यक बहुल मालदा में करीब 90,000 वोटरों के नाम अंतिम वोटर लिस्ट से हटाने की तैयारी की जा रही है। उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, अल्पसंख्यक समुदाय की शिकायतें बिल्कुल सही हैं। उनके वोटरों को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। मुझे जानकारी मिली है कि केवल मालदा में ही 90,000 नाम हटाए जा सकते हैं। सिर्फ अल्पसंख्यक ही नहीं, बल्कि मतुआ, राजवंशी और आदिवासी समुदाय जैसे पिछड़े वर्गों के वोटरों को भी निशाना बनाया जा रहा है। यहां तक कि अमर्त्य सेन और कवि जॉय गोस्वामी जैसे प्रसिद्ध लोगों के नाम भी नहीं छोड़े जा रहे हैं।

शुक्रवार सुबह से मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा इलाके में तनाव बना हुआ है। यह तनाव तब शुरू हुआ, जब पड़ोसी राज्य झारखंड में कथित तौर पर मारे गए एक स्थानीय प्रवासी मजदूर का शव वापस लाया गया। इस

घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से संयम और शांति बनाए रखने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम सभी जानते हैं कि बेलडांगा में लोगों को भड़काने के पीछे कौन लोग हैं। फिर भी मैं सभी से अपील करती हूं कि शांति बनाए रखें और किसी भी उकसावे में न आएं। पश्चिम बंगाल में जानबूझकर हिंसा फैलाने की कोशिश की जा रही है। इसके पीछे बीजेपी का हाथ है और इस मामले में केंद्रीय एजेंसियों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है और उनकी हत्याएं हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं ऐसे सभी मामलों पर नजर रख रही हूं। मेरी सरकार और तृणमूल कांग्रेस ऐसे प्रवासी मजदूरों के परिवारों के साथ खड़ी है।

हालांकि, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई कार्रवाई पर कोई टिप्पणी नहीं की। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर पर रोक लगा दी थी। यह एफआईआर राजनीतिक सलाहकार कंपनी आई-पैक के दफ्तर और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के कोलकाता स्थित घर पर हाल ही में हुई तलाशी से जुड़ी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केंद्रीय जांच में राज्य एजेंसियों की कथित दखलअंदाजी जैसे गंभीर सवाल उठाए गए हैं।जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और विपुल पंचोली की बेंच ने इस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार, कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया। ये नोटिस ईडी की उन याचिकाओं पर जारी किए गए हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि पिछले हफ्ते हुई तलाशी के दौरान जांच में रुकावट डाली गई थी।

श्री राधा-कृष्ण प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु कुमावत समाज को दिया गया आमंत्रण

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारत के तमिलनाडु प्रांत स्थित श्री कुमावत समाज ट्रस्ट, मुलैकड़े-चेन्नई में आयोजित होने वाले श्री राधा-कृष्ण प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में कुमावत समाज ट्रस्ट, हैदराबाद (तेलंगाना) को औपचारिक रूप से आमंत्रण प्रदान किया गया।

यह धार्मिक आयोजन 8 फरवरी 2026 को जागरण एवं 9 फरवरी 2026 को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के रूप में भव्य रूप से संपन्न होगा।

इस अवसर पर आमंत्रण दाताओं के रूप में देवाराम बाकरेचा, रतनलाल जी अलोदिया, जवानाराम मावर एवं खेताराम बाकरेचा ने विशेष रूप से हैदराबाद पहुंचकर समाज के पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों को निमंत्रण पत्र सौंपा।

आमंत्रण समाज के परामर्शदाता सुगनचंद बाकरेचा, अध्यक्ष भाकर राम लाखा, सचिव संजय कुमार बाकरेचा, सह-सचिव मिश्रीलाल अडाणिया, सह संगठन मंत्री बाबूलाल माणणिया, कोषाध्यक्ष मंगाराम माणणिया, ट्रस्टी गोकुलराम बाकरेचा, मंगलहाट डिवीजन कार्यकर्ता पप्पूराम घोड़ावड़, भींयाराम माणणिया सहित समाज के अनेक वरिष्ठ एवं सम्मानित महानुभावों को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर आमंत्रणकर्ताओं ने कुमावत समाज के सभी बंधुओं से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में चेन्नई पहुंचकर इस पावन धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

समाज में इस निमंत्रण को लेकर उत्साह का वातावरण है तथा इसे समाज की एकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक माना जा रहा है।

सीएम फडणवीस से मिले रामदास आठवले बीएमसी चुनाव रिजल्ट आने से पहले दी बधाई

मुंबई,16 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके सरकारी आवास 'वर्षा बंगला' पर मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। आठवले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके घर पर मिलकर उन्हें नगर निगम चुनावों में महायुति की शानदार जीत पर बधाई दी। सत्ता उन्हीं की होती है जिनके साथ हम होते हैं। उन्होंने पोस्ट किया, आज एक बार फिर मुंबईकरों ने तानाशाही को पूरी तरह से नकार दिया है। यह जीत सिर्फ महायुति की नहीं, बल्कि आम लोगों के भरोसे की भी है। यह कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, लीडरशिप पर जनता के भरोसे और विकास की पॉजिटिव दिशा का सफल फल है।काउंटिंग के

दौरान आईएएनएस से बातचीत करते हुए, रामदास आठवले ने दावा किया कि मुंबई में महायुति की जीत पहले से ही तय थी। उन्होंने कहा, मुंबई महायुति के हाथ में आने वाली थी, जिसके लिए हमने प्रयास किया था। उसी तरह के रुझान भी सामने आ रहे हैं। आखिर तक हमें पूर्ण बहुमत भी मिलेगा। बाकी जगहों पर भी भाजपा और शिवसेना सत्ता में आ रही है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुंबई और महाराष्ट्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। आठवले ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में मुंबई और पूरे महाराष्ट्र का विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार भी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। लोगों ने विकास को प्राथमिकता में रखकर मतदान किया है।राजनीतिक समीकरणों पर बात करते हुए रामदास आठवले ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हर किसी को सत्ता में आने के लिए अपने-अपने इंतजाम करने का अधिकार है।

सीएम योगी ने खेल को बढ़ावा देने पर दिया जोर, प्रतिभा को तराशने की अपील

गोरखपुर,16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें। सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे और तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है।सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों में देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है। 2014 के पहले खेल की गतिविधियां और खिलाड़ियों सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होती थीं। खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा होती थी। अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर न होने से खिलाड़ी खेल से पलायन करने को विवश होते थे। कुंठित, हताश और निराश रहते थे। जबकि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन देखते ही बनता है। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे अभियानों से स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र की प्रेरणा दी है। गांव-गांव तक खेल प्रतिभाओं को मंच दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा ने खेलकूद को सदैव महत्व दिया है। भारत की ऋषि परंपरा के उद्घोष 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा जीवन के जितने भी साधन हैं, उन्हें स्वस्थ शरीर से ही प्राप्त किया जा सकता है। शरीर स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद की गतिविधियों से जुड़ना होगा। नियम, संयम और अनुशासन से शरीर पर ध्यान देना होगा। स्वस्थ शरीर से ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि खेलकूद को तमाम परिवारों ने जीवन का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में बेटे-बेटी में भेदभाव नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने के कार्य युद्धस्तर पर आगे बढ़े हैं। खेल गतिविधियां अनौपचारिक न रहें, बल्कि दिनचर्या का हिस्सा बनें, इसके लिए सरकार ने 96000 से अधिक युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों को स्पोर्ट्स किट वितरित की हैं। खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए सरकार की तत्परता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि ओलंपिक में प्रदेश के प्रतिभागी खिलाड़ी को सरकार 10 लाख रुपये देती है।

जावेद अख्तर : जेब में चंद पैसे लेकर निकल पड़े थे स्टार बनने, फुटपाथ पर गुजारी कई रातें

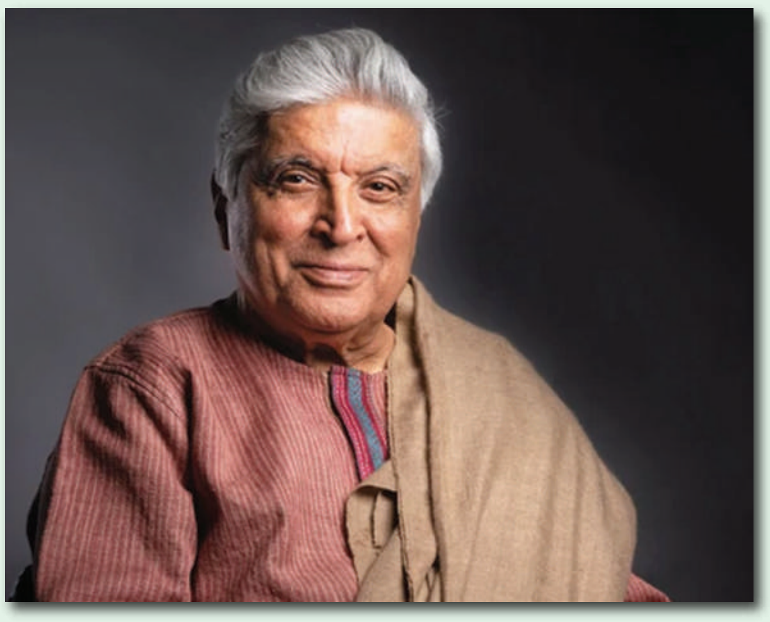

कभी जो ख्वाब था वो पा लिया है, मगर जो खो गई वो चीज क्या थी... ये सिर्फ एक लाइन नहीं, जावेद अख्तर की नजर में इंसान की हकीकत है। जावेद अख्तर को जादू नाम से भी जाना जाता है और यह जादू उनके लिए पूरी तरह सही है। बॉलीवुड के मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनका गीत और कविताएं लाखों लोगों के दिलों को छू जाती हैं। एक ऐसा दौर भी था, जब जावेद अख्तर अपने सपनों की नगरी मुंबई पहुंचे, और जेब में उनके पास सिर्फ चंद पैसे थे। किसी के लिए यह मुश्किल समय होता है, लेकिन उन्होंने इन हालात को चुनौती के तौर पर लिया। जावेद अख्तर का जन्म 17 जनवरी 1945 को ग्वालियर में हुआ था। बचपन में वह अपने आसपास की दुनिया से काफी प्रभावित होते थे। उनके दोस्त अमीर घरों के थे और उनके पास महंगी घड़ी से लेकर फाउंटेन पेन जैसी आकर्षक चीजें रहती थीं। इन सब से प्रभावित होकर एक दिन जावेद ने ठान लिया कि वह बड़े होकर अमीर बनेंगे। उनके परिवार का माहौल भी पढ़ाई और साहित्य में गहरी रुचि रखने वाला था। जावेद के पिता और दादा दोनों शायर थे, जिससे जावेद के भीतर शब्दों और शायरी का प्यार बचपन में ही पैदा हो गया।

जावेद अख्तर ने अपनी शिक्षा लखनऊ, अलीगढ़ और भोपाल में पूरी की। बचपन में ही उन्होंने साहित्य और कविता की ओर रुचि दिखाई। उनका विश्वास हमेशा से था कि जिंदगी में कठिनाइयां आएंगी, लेकिन उनको मेहनत और ईमानदारी से पार किया जा सकता है। यही सोच के साथ वह मुंबई के सफर के लिए निकल पड़े। 1964 में जावेद अख्तर मुंबई पहुंचे। इस शहर की चमक-धमक और फिल्म इंडस्ट्री का आकर्षण उनके लिए नए अवसर लेकर आया, लेकिन शुरुआत बिल्कुल भी आसान नहीं थी। उनके पास केवल 27 पैसे थे। जावेद ने अपने उस समय को याद करते हुए एक इंटरव्यू में कहा था, ''जब मेरे पास इतना कम पैसा था, तब भी मेरा हौसला और आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। मैंने ठान लिया था कि हर मुश्किल का सामना करेंगे और अपने सपनों को पूरा करेंगे।''

मुंबई में जावेद अख्तर ने कमाल अमरोही के स्टूडियो में कुछ दिन बिताए। कई रातें उन्होंने खुले आसमान के नीचे फुटपाथ पर बिताईं। शुरुआत में उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया, और कई बार हीरो के कपड़े, हीरोइन की सैंडल जैसी छोटी-छोटी जिम्मेदारियां भी निभाईं। इन अनुभवों ने उन्हें सिनेमा की दुनिया को समझने और सीखने का मौका दिया।

फिल्म इंडस्ट्री में उनके करियर की शुरुआत 'सरहदी लुटेरा' से हुई। इसके बाद उन्होंने सलीम खान के साथ मिलकर कई हिट फिल्में दीं। 'अंदाज', 'यादों की बारात', 'जंजीर', 'दीवार', 'हाथी मेरे साथी', और 'शोले' जैसी फिल्मों की पटकथा उनकी और सलीम की जोड़ी का कमाल थी। मेहनत और प्रतिभा के दम पर उन्होंने आठ फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए। 1999 में साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री और 2007 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। जावेद अख्तर का जीवन सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपनी किताबों और कविताओं में अपने बचपन की यादें, संघर्ष और जिंदगी के अनुभव साझा किए। साहिर लुधियानवी और कमाल अमरोही जैसी हस्तियों के साथ उनके रिश्ते और सीखने का अनुभव उनके व्यक्तित्व का हिस्सा हैं। उनकी कहानी यह दिखाती है कि कितनी भी मुश्किल परिस्थितियां हों, अगर हौसला और लगन हो, तो हर सपना पूरा हो सकता है।आज जावेद अख्तर बॉलीवुड के उन कलाकारों में शुमार हैं, जिनकी बातें, गीत और कविताएं पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनके जीवन का वह दौर जब जेब में सिर्फ 27 पैसे थे, अब लोगों के लिए हौसले और सपनों की मिसाल बन गया है।

संदीपा धर ने लाल ड्रेस में बढ़ाया ग्लैमर का पारा

अभिनेत्री संदीपा धर जानती हैं कि स्टाइल स्टेटमेंट कैसे बनाया जाता है, और उनकी हालिया अपीयरेंस इस बात का शानदार सबूत है। बोल्ड रेड ड्रेस में नजर आईं संदीपा ने ग्लैमर, कॉन्फिडेंस और अट्रैक्शन का ऐसा परफेक्ट मेल पेश किया कि फैशन लवर्स और फैंस दोनों ही प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। रेड एन्सेंबल का डेरिंग सिलुएट और स्ट्रैटेजिक कट-आउट्स संदीपा की टोंड फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट करते हैं। हाल्टर नेकलाइन उनके कॉलरबोन्स और शोल्डर्स को हाइलाइट करती है, जबकि फिगर-हगिंग फिट उनकी कर्व्स को एलिगेंट और सेंसुअस अंदाज़ में उभारता है। थाई-हाई स्लिट लुक में ड्रामैटिक टच जोड़ता है, जिससे यह आउटफिट सोफिस्टिकेशन और बोल्ड हॉटनेस के बीच बेहतरीन बैलेंस बनाता है। इस लुक को खास बनाती है संदीपा का इसे कैरी करने का अंदाज़। उनका कॉन्फिडेंट पॉश्चर, फ्लुइड पोज़ और सहज ग्रेस इस ड्रेस को सिर्फ फैशन चॉइस नहीं, बल्कि एक पावरफुल स्टाइल स्टेटमेंट बना देते हैं। कंधों पर गिरती सॉफ्ट वेव्स और मिनिमल मेकअप लुक को सटल रखते हुए ड्रेस पर फोकस बनाए रखते हैं, जबकि उनकी ग्लोइंग स्किन और एक्सप्रेसिव आंखें मैग्नेटिक अपील को और बढ़ा देती हैं।

विशेष रूप से अक्सर पैशन और पावर का रंग माना जानेवाला लाल रंग ऐसा लग रहा है, जैसे वो ख़ास तौर पर संदीपा धर के लिए ही बना हो। यह शेड उनके कॉम्प्लेक्शन को न सिर्फ खूबसूरती से निखार रहा है, बल्कि उनकी बोल्ड ऑन-स्क्रीन पर्सनैलिटी को और भी उभार रहा है, जिससे यह लुक एक साथ फियरी और रिफाइंड नजर आ रहा है। संदीपा धर अपने अपीयरेंस से यह भी साबित कर रही हैं कि सच्चा स्टाइल सिर्फ पहनावे में नहीं, बल्कि उसे निभाने के अंदाज़ में होता है।

इस शानदार रेड ड्रेस मोमेंट के साथ संदीपा धर एक बार फिर साबित करती हैं कि वह एलिगेंस और ऊम्फ के बीच बेहद आसानी से मूव कर सकती हैं। ऐसे में यह कहें तो बिलकुल गलत नहीं होगा कि हॉट, कॉन्फिडेंट और फैशन-फॉरवर्ड के साथ लगातार स्टाइल गोल्स सेट करती जा रही संदीपा धर इंडस्ट्री की सबसे एफर्टलेसली ग्लैमरस एक्ट्रेसेज़ में अपनी जगह और मजबूत कर रही हैं।

थोड़ा सा पीछे चलें, 2016 की अनदेखी तस्वीरें शेयर कर पुरानी यादों में खोईं नेहा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने अपने पिता की राजनीतिक विरासत को पीछे छोड़ते हुए फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए पुरानी यादों को ताजा किया। अभिनेत्री नेहा शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने 2016 की कुछ पुरानी तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए। इन तस्वीरों में नेहा के फोटोशूट, यात्रा और बहन के साथ खूबसूरत पल शामिल हैं। पोस्ट में शामिल क्लिप्स उनके शुरुआती करियर की यादें ताजा कर रही हैं। इसी के साथ ही उन्होंने लिखा, थोड़ा सा पीछे चलें। साल 2016 में कुछ खास ही था।

अभिनेत्री बिहार के भागलपुर से आती हैं। उनके पिता, अजीत शर्मा, एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक हैं, जो लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद नेहा ने राजनीति में नहीं, बल्कि मनोरंजन जगत में पहचान बनाई। उन्होंने तेलुगु सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री ने 'चिरुथा' से डेब्यू किया था। हालांकि, अभिनेत्री को खास पहचान नहीं मिली थी। इसके बाद 2009 में उन्हें 'कुर्राडू' में देखा गया था। ये फिल्म हिट थी। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड का रुख किया।

हिंदी सिनेमा में अभिनेत्री ने 2010 में इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'क्रुक' में एंट्री ली। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और एक्ट्रेस की लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों में देखा गया लेकिन इनमें से सिर्फ चुनिंदा फिल्मों ने ही बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा दिखाया।

इसके बाद उन्होंने 'क्या सुपर कूल हैं हम', 'जयंताभाई की लव स्टोरी', 'यमला पगला दीवाना 2', 'यंगिस्तान', 'तुम बिन 2', 'मुबारकां', 'जय हो', 'तान्हाजी', और 'जोगीरा सारा रा रा' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी के साथ ही नेहा ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी कई हिट फिल्में दी हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती का बर्थडे किया सेलिब्रेट, लिटिल मरमेड थीम पर रखी पार्टी

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा जोनास एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई फिल्म या अवॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी का बेहद खूबसूरत पल है। प्रियंका और उनके अमेरिकी पॉप स्टार पति निक जोनास की बेटी मालती मैरी चार साल की हो गई हैं। इस खास मौके को कपल ने पूरे प्यार और खुशी के साथ सेलिब्रेट किया, जिसकी झलक खुद प्रियंका और निक ने सोशल मीडिया पर साझा की। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मालती के जन्मदिन पार्टी की एक झलक दिखाई। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें मालती के लिए 'द लिटिल मरमेड' थीम पर बर्थडे सेलिब्रेट किया गया। पार्टी में केक खास तौर पर इस थीम को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था। केक पर डिज्नी की मशहूर किरदार एरियल और उसकी दोस्त सेबास्टियन को बनाया गया।

इस तस्वीर को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, 'वह चार साल की हो गई है।' वहीं, निक जोनास ने भी अपनी बेटी के जन्मदिन पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की, हालांकि उन्होंने मालती के चेहरे को केक इमोजी से ढक रखा था। इसके साथ उन्होंने भावुक शब्दों में लिखा, ''मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मेरी नन्ही परी अब चार साल की हो गई है।'' इस खास मौके पर प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने भी अपनी नातिन मालती के लिए एक भावुक संदेश लिखा। मधु चोपड़ा ने लिखा, ''मालती ने मुझे नानी बनाया और मेरी जिंदगी को खुशियों और जादू से भर दिया। आपको ढेर सारा प्यार और जन्मदिन की शुभकामनाएं।''

फिल्म गांधी टॉक्स में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक : अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि फिल्म में काम करने का अनुभव चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। उन्होंने फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को शानदार बताया। किशोर पांडुरंग बेलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अदिति ने कहा कि यह उनके लिए पहली बार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। हालांकि पहले भी कई प्रोजेक्ट्स में दोनों साथ आने वाले थे, लेकिन किसी न किसी कारण से वे पूरे नहीं हो पाए।अदिति ने बताया, हम कुछ फिल्मों में लगभग साथ काम करने वाले थे, लेकिन हर बार कुछ न कुछ हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। यह जिंक्स टूटना ही था। मुझे खुशी है कि ये एक बहुत अलग और खास फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ पूरा हुआ।उन्होंने इस फिल्म को अपनी जिंदगी के सबसे अनोखे प्रोजेक्ट में से एक करार दिया। फिल्म पूरी तरह साइलेंट है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं हैं। अदिति ने कहा, इस फिल्म में आप बस शांत रहते हैं, देखते हैं और महसूस करते हैं। बिना डायलॉग के भी भावनाएं जाहिर करनी होती हैं, यही इसकी खूबसूरती है। यह मेरे लिए जितना चुनौतीपूर्ण था, उतनी ही रोमांचक भी। अदिति हमेशा गहरे, सच्चे और अर्थपूर्ण किरदारों वाली कहानियां चुनती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का पांच साल का बच्चा आज भी जिंदा है, जो सपने देखता है, उन पर भरोसा करता है और उन्हें पूरा करने की कोशिश करता है। यही सकारात्मक सोच उन्हें सही स्क्रिप्ट्स और निर्देशकों का इंतजार करने की ताकत देती है।उन्होंने कहा, मुझे अच्छी स्क्रिप्ट्स अक्सर नहीं मिलतीं, लेकिन मैं उनका इंतजार करती हूं और उन निर्देशकों का भी, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं शिकायत नहीं करती, क्योंकि वो मौके आखिरकार आते ही हैं।

फिल्म में अदिति राव हैदरी के साथ विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी।

12 नहीं 13 महीनों का होगा हिंदू वर्ष 2083

अंग्रेजी कैलेंडर में नया साल जनवरी से शुरू होता है, लेकिन हिंदू परंपरा में समय की गणना विक्रम संवत के अनुसार की जाती है। हर साल की शुरुआत चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से होती है। आने वाला विक्रम संवत 2083 कई मायनों में बेहद खास होने वाला है। अधिक मास जुड़ने की वजह से ज्येष्ठ माह लगभग 58-59 दिनों तक चलेगा। यही कारण है कि इस वर्ष पंचांग में 13 महीने होंगे- जो एक दुर्लभ खगोलीय और पंचांगीय घटना है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 में हिंदू कैलेंडर का नया साल नवसंवत्सर 2083 इस बार 13 महीनों का होगा। कारण कि इस नवसंवत में अधिकमास (मलमास) आएगा। इस कारण एक महीना बढ़ जाएगा। ज्येष्ठ माह अधिकमास होगा। यह ज्येष्ठ अधिकमास 17 मई से 15 जून तक रहेगा। इससे आगे के महीनों के व्रत त्योहार 15 से 20 दिन देरी से आएंगे। 19 मार्च से विक्रम संवत लगेगा, इसी दिन से गुड़ी पड़वा, वासंती नवरात्र की शुरुआत होती है।

भगवान विष्णु ने इस अधिक महीने को अपना नाम देकर इसकी महिमा सभी महीनों से ज्यादा कर की है। जब चांद-सूरज की चाल अपनी लय बदलती है और पंचांग अचानक एक अतिरिक्त महीना जोड़ देता है, तब साल सिर्फ आगे नहीं बढ़ता तो इसके मायने भी बदल जाते हैं। हिंदू नया वर्ष 12 नहीं बल्कि पूरे 13 महीनों का होगा। यह अतिरिक्त महीना ही मलमास कहा जाता है। जिसे लोग अधिकमास या पुरुषोत्तम मास कहते हैं। लोक मान्यता है कि यह महीना भगवान विष्णु की खास कृपा बरसाने वाला समय होता है और इसी कारण इसे आध्यात्मिक रूप से सबसे पावन काल माना जाता है।

कथाओं में वर्णन मिलता है कि जब एक अतिरिक्त महीना उत्पन्न हुआ तो कोई भी देवता उसे अपनाने को तैयार नहीं था। तब भगवान विष्णु ने उसे अपने संरक्षण में लिया और उसे 'पुरुषोत्तम मास' के रूप में प्रतिष्ठित किया। यही कारण है कि यह समय देवों में भी सर्वोच्च माना जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में की गई साधना जीवन में सौभाग्य, शांति और आध्यात्मिक उत्थान लेकर आती है। पंचांग के अनुसार अधिकमास 17 मई 2026 से शुरू होकर 15 जून 2026 को समाप्त होगा। इस पूरे महीने को वरदान माना जाता है। यह तप, जप, ध्यान, भक्ति और दान का महापवित्र समय होगा। मान्यता है कि अधिक मास के पहले दिन व्रत रखने से पापों का क्षय होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। पंचांग में एक ऐसा समय माना जाता है जब सांसारिक और मांगलिक कार्यों को विराम देकर आध्यात्मिक साधना को प्राथमिकता दी जाती है। यह महीना हर तीन साल में एक बार आता है और इसका उद्देश्य पंचांग की गणितीय समायोजन को संतुलित करना होता है, पर धार्मिक रूप से इसे अत्यंत पवित्र माना गया है।

इस साल घटेगा अनोखा घटनाक्रम- 2 ज्येष्ठ महीने!

विक्रम संवत 2083 में अधिक मास पड़ रहा है और वह भी ज्येष्ठ (जेठ) माह में। इसका सीधा अर्थ है:

एक नहीं, बल्कि दो-दो ज्येष्ठ महीने रहेंगे

एक सामान्य ज्येष्ठ मास

दूसरा अधिक ज्येष्ठ (पुरुषोत्तम मास)

अधिक मास जुड़ने की वजह से ज्येष्ठ माह लगभग 58-59 दिनों तक चलेगा। यही कारण है कि इस वर्ष पंचांग में 13 महीने होंगे- जो एक दुर्लभ खगोलीय और पंचांगीय घटना है।

अधिक ज्येष्ठ मास

आरंभ: 17 मई 2026

समाप्ति: 15 जून 2026

सामान्य ज्येष्ठ मास

आरंभ: 22 मई 2026

समाप्ति: 29 जून 2026

यानी इस अवधि में दोनों महीने एक-दूसरे के साथ ओवरलैप भी करेंगे।

13वां महीना होगा अधिक मास

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि विक्रम संवत 2083 में ज्येष्ठ का अधिक मास होने से ये साल 12 नहीं बल्कि 13 महीनों का रहेगा। अधिक मास यानी इस साल ज्येष्ठ का महीना 30 नहीं बल्कि 60 दिनों का होगा। ज्येष्ठ का अधिक मास 17 मई से 15 जून 2026 तक रहेगा। अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। धर्म ग्रंथों में इसका विशेष महत्व बताया गया है। इस महीने में मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि पर रोक रहती है।

क्यों लगता है मलमास

सूर्य और चंद्र कैलेंडर के बीच का फर्क ही इस अद्भुत महीने को जन्म देता है। सौर वर्ष 365 दिन का होता है और चंद्र वर्ष 354 दिन। यह अंतर हर 32 महीने और 16 दिनों में इतना बढ़ जाता है कि पंचांग को संतुलित करने के लिए एक अतिरिक्त महीना जोड़ना पड़ता है। इसी अतिरिक्त महीने को अधिकमास, मलमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है।

मांगलिक कार्यों से परहेज

परंपराओं में कहा गया है कि मलमास के दौरान विवाह जैसे शुभ संस्कार, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, भूमि पूजन या किसी नए व्यवसाय की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किए गए शुभ कार्य अपेक्षित फल नहीं देते और ग्रह-नक्षत्र भी मांगलिक कर्मों के अनुकूल नहीं माने जाते। इसी कारण इस पूरे अवधि में बड़े संस्कारों को स्थगित करने की सलाह दी जाती है।

क्यों जरूरी है अधिक मास

हिंदू धर्म में लगभग सभी व्रत त्योहार चंद्रमा की तिथियों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। चंद्रमा लगभग 29 दिनों में पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, जिसे एक चंद्र मास कहते हैं। जब चंद्रमा पृथ्वी के 12 चक्कर लगा लेता है तो इसे एक चंद्र वर्ष कहते हैं जो लगभग 355 दिन का होता है। वहीं सौर वर्ष 365 का होता है। अगर अधिक मास की व्यवस्था न हो तो हिंदू व्रत-त्योहार हर साल 10 दिन पीछे खिसकते चले जाएंगे, जिससे दिवाली बारिश में और होली शीत ऋतु में मनाई जाने लगेगी। ऐसी स्थिति से बचने के लिए ही हमारे विद्वानों में अधिक मास की व्यवस्था की है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मौनी अमावस्या पर बना दुर्लभ अर्धोदय योग स्कंदपुराण में बताया गया है इसका बड़ा लाभ

मौनी अमावस्या 2026 बेहद शुभ योग में होने जा रहा है। दरअसल अबकी बार मौनी अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ अर्धोदय योग का भी संयोग बनने जा रहा है। माघ मास में पड़ने वाली अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस दिन स्नान, दान और पितरों का तर्पण करने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर पवित्र में जल में स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान फल प्राप्त होता है। वहीं, इस बार मौनी अमावस्या पर अर्धोदय योग का बेहद दुर्लभ संयोग बन रहा है। स्कंदपुराण अनुसार इस योग में स्नान, दान आदि कार्य करने से मेरू समान फल प्राप्त होता है यानी पर्वत समान महान दान का फल मिलता है।

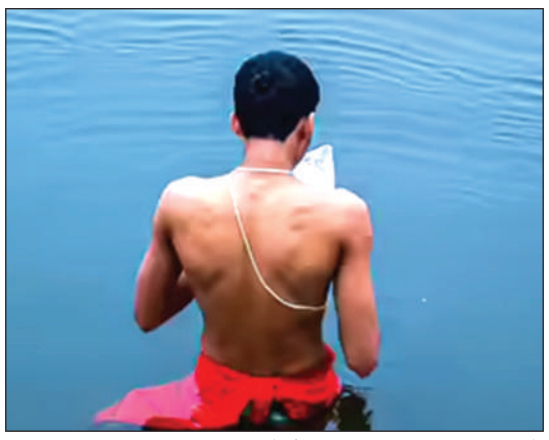

मौनी अमावस्या पर बना दुर्लभ अर्धोदय योग

मौनी अमावस्या 18 जनवरी, रविवार के दिन रहेगी। माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि इस बार रविवार के दिन पड़ने और साथ में व्यतीपात योग भी होने से दुर्लभ अर्धोदय योग बनेगा। स्कंदपुराण में इस योग को बहुत पुण्यदायी बताया गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, अर्धोदय योग में सभी स्थानों का जल गंगा के जल के समान हो जाता है और सभी ब्रह्म के समान शुद्धात्मा वाले हो जाते हैं। साथ ही, इस अर्धोदय योग में स्नान दान आदि पुण्य कार्य करने से कई गुना अधिक फल की प्राप्ति होती है।

अर्धोदय योग वाली अमावस्या का दान

स्कंदपुराण के अनुसार, अगर अमावस्या तिथि पर अर्धोदय योग बन रहा हो तो इस दिन चांदी और स्वर्ण दान करने का भी बहुत खास महत्व होता है। ऐसे में आप सामर्थ्य अनुसार, किसी जरूरतमंद को स्वर्ण या चांदी का दान कर सकते हैं। साथ ही, पृथ्वी पर अक्षतों का अष्टदल लिखकर उसपर ब्रह्मा, विष्णु और शिव स्वरूप उपर्युक्त पात्र को स्थापित करके धूप, दीप, पुष्प आदि से पूजा करें। फिर, पुरोहित को दे दें। मान्यता है कि ऐसा करने से पृथ्वी दान करने के बराबर फल की प्राप्ति होती है। पुराण के अनुसार, इस योग में गोदान, शय्यादान आदि जो भी देय द्रव्य हों वे तीन-तीन होने चाहिए। अर्धोदय योग के अवसर पर सतयुग में वसिष्ठजी ने, त्रेता में श्रीरामचंद्र जी ने, द्वापर में धर्मराज ने और कलियुग में पूर्णोदर ने कई प्रकार के दिन धर्म किए थे। ऐसे में मौनी अमावस्या पर दान करने से अत्यंत पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है।

अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। ऐसे में इस दिन पिंडदान और पितरों के लिए तर्पण अवश्य करना चाहिए। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और इनकी कृपा परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

मौनी अमावस्या पर गलती से भी न करें ये 4 काम, पितर हो सकते हैं नाराज, जानें क्या करें और क्या न करें

माघ मास में आने वाली अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस तिथि का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व है, जो स्नान, दान और पितरों के तर्पण के लिए अत्यंत शुभ मानी गई है। मान्यता है कि माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इससे पापों का नाश होता है और जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं, शास्त्रों में मौनी अमावस्या के कुछ नियम बताए गए हैं जिनका ध्यान रखना आवश्यक होता है। इस दिन अनजाने में कुछ कार्य करने से पितर नाराज हो सकते हैं। वहीं, कुछ कार्यों को करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

मौनी अमावस्या के दिन क्या करना चाहिए?

इस बार मौनी अमावस्या 18 जनवरी, रविवार के दिन पड़ रही है। मान्यता है कि इस पुण्य तिथि पर ब्रह्म मुहूर्त में सूर्योदय से पहले मौन रहकर स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है।

अमावस्या तिथि के दिन स्नान करते समय आक के पत्ते को सिर पर रखकर 'ऐरी बैरी पैर तक, बम महादेव माथ पर' इसे मंत्र के प्रकार बोलते हुए स्नान करना चाहिए।

इस दिन ब्राह्मणों को भोजन कराने का महत्व होता है। ऐसा संभव न होने पर बिना अन्न जल ग्रहण किए किसी जरूरतमंद व्यक्ति को उड़द और चावल का दान करें। इसके अलावा, आप कंबल और गर्म वस्त्र भी दान कर सकते हैं।

अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित मानी गई है। ऐसे में दक्षिण दिशा की ओर शाम को सरसों के तेल का दीपक अवश्य जलाएं। साथ ही, इस दिन मुख्य द्वार पर भी दीपक रखना चाहिए।

मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर गाय, कुत्ते, कौवे आदि जानवरों के लिए अन्न जल की व्यवस्था करनी चाहिए। इससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

अमावस्या तिथि पर पीपल के वृक्ष पर जल जरूर अर्पित करें। और साथ ही, शाम के समय पीपल के नीचे एक दीपक भी जलाएं। मौनी अमावस्या पर सत्यनारायण की कथा करवाना भी शुभ माना जाता है।

इस पुण्यतिथि पर पुण्य काल में प्रयागराज और हरिद्वार में स्नान का बहुत अधिक महत्व है। माना जाता है कि इस दिन स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है और अश्वमेध यज्ञ के समान मिलता है।

अमावस्या पर पितरों का तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य का कार्य अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से पितरों को शांति मिलती है और जीवन में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं।

मौनी अमावस्या के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

मौनी अमावस्या के दिन भूलकर भी तामसिक भोजन जैसे- मांस, मछली, लहसुन, प्याज आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे एक दिन पहले से ही ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

मौनी अमावस्या के दिन क्रोध, लोभ और नकारात्मक विचारों से बचना चाहिए। ऐसा करने से व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है और इससे पितर रुष्ट हो सकते हैं।

इस दिन सफाई का भी विशेष ख्याल रखना आवश्यक होता है। आसपास गंदगी रहने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और पितर नाराज हो सकते हैं। ऐसे में वातावरण सकारात्मक बनाए रखने के लिए साफ-सफाई का भी विशेष ख्याल रखें।

अमावस्या तिथि पर भूलकर भी कुत्ता, गाय, कौवा आदि जानवरों को परेशान नहीं करना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है और प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।

आज बन रहा कलानिधि राजयोग, इन राशियों को मिलेगा उच्च सम्मान और ऐश्वर्य

आज यानी 17 जनवरी, शनिवार को बुध और चंद्रमा की युति से शुभ कलानिधि योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इसे शुभ राजयोग माना जाता है, जो जीवन में उच्च सम्मान और ऐश्वर्य दिलाता है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को धन-संपत्ति और करियर में अपार सफलता मिलती है। बुध-चंद्रमा की युति सिंह और वृश्चिक सहित कई राशि के जातकों को लिए शुभ और मंगलकारी रहने वाली है।

मेष -मेष राशि के जातकों को शनिवार के दिन किसी संस्था द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा एवं अच्छे मित्र भी बढ़ेंगे। आज परिवार से उत्तम सहयोग प्राप्त हो सकता है। मधुर वाणी से संबंधों में मधुरता आयेगी। रात्रि का समय परिवारजनों के साथ बीतेगा।

वृष -वृषभ राशि के जातक शनिवार के दिन बहुत व्यस्त रहेंगे। ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें। पांव में चोट लगने का भय है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी। किसी काम में विनिमय करना पड़े तो दिल खोलकर करें, आगे चलकर उसका भरपूर लाभ मिलेगा। सायंकाल किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

मिथुन -मिथुन राशि के लोगों को शनिवार के दिन फिजूल के खर्चे से बचें। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रियाकलापों में व्यवधान उपस्थित होगा। कुछ अकस्मात लाभ होने से आपकी धर्म, अध्यात्म के प्रति रुचि सुदृढ़ होगी। संतान पक्ष से हर्ष वर्धक समाचार मिलेगा। सायं से लेकर रात्रि तक गाने बजाने तथा संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कर्क -कर्क राशि के जातकों के लिए शनिवार का दिन भाग्य की दृष्टि से उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम एवं विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आज अपनी शान शौकत के लिए धन खर्च करेंगे जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे। माता-पिता का आज विशेष ध्यान रखें, अकल्पित आशीर्वाद मिलने का चांस है।

सिंह -सिंह राशि के जातकों को के लिए शनिवार का दिन मिश्रित फल कारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नार-ाजगी के संकेत मिलेंगे, मधुर वाणी का प्रयोग करें, अन्यथा संबंधों में कटुता आयेगी। यदि नेत्रों से संबंधित कोई कष्ट है तो उसमें सुधार निश्चित है।

कन्या -कन्या राशि वालों के लिए शनिवार के दिन निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग यथेष्ट रूप से प्राप्त होगा। पत्नी को शारीरिक कष्ट से कुछ खिन्नता रह सकती है। व्यर्थ व्यय का योग भी है। आप मन से लोगों का भला सोचेंगे किन्तु लोग इसको आपकी मजबूरी या स्वार्थ ही समझेंगे। व्यापार में धन लाभ होगा।

तुला -शनिवार का दिन तुला राशि के जातकों के लिए शुभ कारक है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। दशम कर्म भाव में बृहस्पति कर्क राशि का होकर विराजमान है। अतः आज आप अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखें। आज नए कार्यों में इनवेस्ट करना पड़े तो शुभ रहेगा।

वृश्चिक -शनिवार के दिन वृश्चिक राशि वालों का मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सायंकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यदि कोई वाद, विवाद राज्य में लंबित है तो उसमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु -शनिवार का दिन धनु राशि जातकों की विद्या, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं पर-ोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। सायंकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त पेट के विकार होने की संभावना है। सावधान रहें तथा खानपान पर संयम बरतें।

मकर -मकर राशि के जातकों को शनिवार के दिन बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ-साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा एवं रुके कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नए कार्य में इनवेस्ट करना पड़े तो अवश्य करें, भविष्य में लाभ होगा।

कुंभ -कुंभ राशि वालों के लिए शनिवार का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने पारिवारिक जनों से विश्वासघात होने की संभावना है। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा भी हो सकती है, जो लाभकारी रहेगी।

मीन -मीन राशि के लोगों के पंचम भाव में कर्क राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से सम्बन्धित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।

संपादकीय

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

जम्मू कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8-10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना 'हाई अलर्ट' की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को 'मिट्टी-मलबा' कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह 'ब्लफ' है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी। उन्हें पाकिस्तानी फौज की अंदरूनी हलचलों के कुछ 'लीड' मिले होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान की तरफ से युद्ध जैसा दुस्साहस किया जा सकता है। बहरहाल हमारी सेनाएं मुस्तैद और सक्रिय हैं, बेशक युद्ध की कैसी भी संभावनाएं बनें। 2025 में कुल 31 आतंकी ढेर किए गए, जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी थे। कश्मीर में आज भी 'जयचंद' सक्रिय हैं, लिहाजा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ऐसे कुल 85 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया है, जिनके आतंकियों के साथ तार जुड़े थे और यह साबित भी हुआ है। देश का दुर्भाग्य और बुनियादी विडंबना रही है कि कुछ तत्त्व ऐसे सामने आते रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तान नाम की खुजली होती रही है। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राजनयिक रहे मणिशंकर अय्यर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को समाप्त करने और पाकिस्तान के साथ संवाद करने की मांग की है। मणिशंकर पुराने पाकिस्तानवादी रहे हैं। वह तो सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान मदद मांगने चले गए थे कि प्रधानमंत्री मोदी को हटाना है। वाह...! आज वह पूरी तरह अप्रासंगिक हैं और पाकिस्तान की पैरोकारी कर रहे हैं। इस जमात में डॉ. फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता भी शामिल हैं। कुछ समाजवादी नेता सवाल करते रहे हैं कि आखिर 'ऑपरेशन सिंदूर' रोक क्यों दिया गया? सेना को उसका मकसद हासिल करने से क्यों रोका गया? बड़ी संकीर्ण सोच और दृष्टि के नेता हैं। वे नहीं जानते कि हरेक युद्ध की आर्थिक और मानवीय कीमत होती है, जो बेहद महंगी पड़ती है देश को। युद्ध को लंबा नहीं खींचा जा सकता। युद्ध के लक्ष्य सेना और राजनीतिक नेतृत्व ही जानते हैं और उन्हें ही तय करने देना चाहिए। अपनी क्षुद्र राजनीति को जेब में ही रखें। सवाल है कि आखिर पाकिस्तान में बातचीत किससे की जाए और उससे भारत को हासिल क्या होगा? क्या पाकिस्तान की जन्मजात फितरत बदल सकती है? पाकिस्तान से जैश-ए-मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बयान आते रहे हैं कि उसने 1000 से अधिक आत्मघाती बॉम्बर्स तैयार कर रखे हैं। लश्कर के आतंकी दावा करते रहे हैं कि वे सेना के मुख्यालय में आते-जाते रहते हैं। ऐसे आतंकिस्तान के साथ बातचीत की जाए।

सीमा पर भारत की सेना 'हाई अलर्ट' की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को 'मिट्टी-मलबा' कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह 'ब्लफ' है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी। उन्हें पाकिस्तानी फौज की अंदरूनी हलचलों के कुछ 'लीड' मिले होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान की तरफ से युद्ध जैसा दुस्साहस किया जा सकता है।

ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों के बीच होने वाले व्यापार के भुगतान का निपटान करने हेतु ब्रिक्स मुद्रा को लाने का प्रयास भी इन देशों द्वारा किया जा रहा

अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां तीसरे विश्वयुद्ध की नींव रख रही हैं

प्रहलाद सबनानी

भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन – एवं कुछ अन्य देशों पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने एक प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर करते हुए इसे अमेरिकी संसद में पारित कराने हेतु भेज दिया है। दरअसल अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं लम्बित हैं जिनमें डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर लागू किए गए टैरिफ को चुनौती दी गई है। संभवतः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना निर्णय दिनांक 9 जनवरी 2025 को दिया जा सकता है। यदि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ट्रम्प के खिलाफ आता है तो ट्रम्प अपने पास टैरिफ को लागू करने सम्बंधी अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाए जाने सम्बंधी प्रस्ताव अमेरिकी संसद में पेश किया है। घोषित तौर पर तो ट्रम्प द्वारा भारत और चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि यह दोनों देश रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं और इस संदर्भ में ट्रम्प द्वारा दी जा रही चेतावनियों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

अब तो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने खुले तौर पर घोषणा कर दी है कि ब्रिक्स संगठन के सक्रिय सदस्य देशों – भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन – एवं कुछ अन्य देशों पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने एक प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर करते हुए इसे अमेरिकी संसद में पारित कराने हेतु भेज दिया है। दरअसल अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं लम्बित हैं जिनमें डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर लागू किए गए टैरिफ को चुनौती दी गई है। संभवतः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना निर्णय दिनांक 9 जनवरी 2025 को दिया जा सकता है। यदि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ट्रम्प के खिलाफ आता है तो ट्रम्प अपने पास टैरिफ को लागू करने सम्बंधी अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाए जाने सम्बंधी प्रस्ताव अमेरिकी संसद में पेश किया है। घोषित तौर पर तो ट्रम्प द्वारा भारत और चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि यह दोनों देश रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं और इस संदर्भ में ट्रम्प द्वारा दी जा रही चेतावनियों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। परंतु, वास्तव में ट्रम्प ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों, विशेष रूप से भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन से बहुत परेशान है, क्योंकि यह देश अमेरिकी डॉलर को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही, यह देश अपने विदेशी व्यापार के भुगतान को अमेरिकी डॉलर के स्थान पर अपनी अपनी मुद्राओं में करने को प्रोत्साहन दे रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों के बीच होने वाले व्यापार के भुगतान का निपटान करने हेतु ब्रिक्स मुद्रा को लाने का प्रयास भी इन देशों द्वारा किया जा रहा है। इससे निश्चित ही वैश्विक स्तर पर डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। इससे अमेरिका की चौधराहट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। अतः ट्रम्प उक्त चारों देशों से बहुत अधिक नाराज है एवं इन चारों देशों को सबक सिखाना चाहते है। परंतु, अब ट्रम्प को वैश्विक स्तर पर हो रहे विभिन्न घटनाक्रमों को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है। भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन आज विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में शामिल हैं। यह देश वेनेजुएला जैसे छोटे देश नहीं हैं जिन पर ट्रम्प अपना अधिकार एवं अपनी चौधराहट जता पाए। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उनकी पत्नी सहित ट्रम्प की सेना द्वारा रात्रि को सोते समय गिरफ्तार कर अमेरिका में ले जाया गया है। इसके बाद से ट्रम्प द्वारा यह बयान दिया जा रहा है कि वेनेजुएला स्थित तेल के कुओं से कच्चे तेल के भंडार को अब अमेरिकी कम्पनियों द्वारा निकाला जाएगा एवं इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा जाएगा और इस व्यवहार से होने वाले लाभ पर अमेरिका एवं वेनेजुएला का अधिकार होगा। यह तो संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र के अधिकारों का सीधा सीधा हनन है। वास्तव में अमेरिका की वेनेजुएला में कच्चे तेल एवं मूल्यवान खनिज पदार्थों के भंडार पर नजर है एवं इन्हें

वह अपने कब्जे में लेना चाहता है इसीलिए वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया है और उन पर मुकदमा चलाया जा रहा है। इसी प्रकार, अब ग्रीनलैंड नामक द्वीप जिस पर इस समय डेनमार्क का अधिकार है, को भी अमेरिका अपने कब्जे में लेना चाहता है। अमेरिका के पास पहिले से ही ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा "पिटुफिक स्पेस बेस" है। परंतु, ट्रम्प यह पूरा द्वीप ही अमेरिकी कब्जे में लाना चाहते हैं क्योंकि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस द्वीप की उन्हें जरूरत है। वेनेजुएला को हथियाने के तुरंत बाद ट्रम्प ने वेनेजुएला के पश्चिमी पड़ौसी देश कोलम्बिया जहां तेल के विशाल भंडार है तथा सोना, चांदी, पन्ना प्लेटिनम और कोयले की भारी मात्रा में खदाने हैं, को भी चेतावनी दे दी है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर इतनी सख्ती नहीं की जानी चाहिए कि प्रदर्शन करने वाले नागरिकों की मौत ही हो जाए। अन्यथा, अमेरिका को इस स्थिति से निपटने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। ईरान भी इस समय बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों का सामना कर रहा है और ट्रम्प ने ईरान को भी चेतावनी दे डाली है कि ईरान में अगर और अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हुई तो अमेरिका को कठोर जवाब देना होगा। मेक्सिको पर भी अमेरिका की टेड़ी दृष्टि पड़ रही है और अमेरिका का सोचना है कि मेक्सिको से अमरीका में ड्रग्स एवं अवैध अप्रवासियों का आना जारी है। अमेरिका का कहना है कि इसे यदि मेक्सिको प्रशासन द्वारा रोका नहीं गया तो अमेरिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2025 में अपने दूसरे कार्यकाल के पहिले दिन ही ट्रम्प ने "गल्फ आफ मेक्सिको" का नाम बदलकर "गल्फ आफ अमेरिका" करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। वर्ष 2016 में अपने पहिले कार्यकाल के दौरान भी ट्रम्प ने मेक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा पर एक दीवार बनाने का बयान दिया था। क्यूबा के वेनेजुएला के साथ घनिष्ठ सम्बंध रहे हैं। वेनेजुएला द्वारा कथित तौर पर क्यूबा को लगभग 30 प्रतिशत तेल की आपूर्ति की जाती रही है, इसके बदले में क्यूबा, वेनेजुएला को डॉक्टर एवं चिकित्साकर्मी उपलब्ध कराता रहा है। क्यूबा, फ्लोरिडा (अमेरिका) से केवल 90 मील दक्षिण स्थित द्वीप है और 1960 के दशक की शुरुआत से ही अमेरिकी प्रतिबंधों को झेल रहा है। परंतु, अब क्यूबा, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के पश्चात, तेल की आपूर्ति ठप्प होने के चलते मुश्किलों से घिर गया है और इसे अब अमेरिका पर निर्भर रहना ही होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां लम्बे समय से चली आ रही है एवं अमेरिका अभी तक के अपने इतिहास में अन्य देशों पर हस्तक्षेप जैसे सैकड़ों मामलों में शामिल रहा है। वर्ष 1776 से वर्ष 2026 के बीच अमेरिका लगभग 400 हस्तक्षेपों में शामिल रहा है। इसमें से लगभग 200 हस्तक्षेप वर्ष 1950 के बाद के खंडकाल में हुए हैं। वर्तमान समय में भी अमेरिका 5 अलग अलग युद्धों में सार्वजनिक रूप से ज्ञात सैन्य अभियानों में शामिल है। सोमालिया, सीरिया और यमन में हो रहे युद्धों में अमेरिका अपने आप को, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में शामिल होना बताता है और वेनेजुएला में मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध में शामिल होना बताता है। इसी प्रकार अमेरिका रूस यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध, इजराईल हम्मास के बीच चल रहे युद्ध एवं कम्बोडिया थाईलैंड के बीच हुए युद्ध में भी अपनी चौधराहट दिखाता रहता है। अमेरिका द्वारा अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप किया जाना सामान्य सी बात है। अभी हाल ही में नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन कराने में भी अमेरिका का हाथ बताया जाता है। अमेरिका द्वारा इन हस्तक्षेपों को जिन कारणों से उचित ठहराया जाता है, उनमें शामिल हैं – आतंकवाद विरोधी अभियान, शासन परिवर्तन, क्षेत्रीय विस्तार, अमेरिकी नागरिकों और राजनयिकों की सुरक्षा, आर्थिक अवसर, राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देना, लोकतंत्र को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय कानून को लागू करना, आदि है। अमेरिका की विदेश नीति की हस्तक्षेपवाद मुख्य विचारधारा रही है। इसी नीति के तहत अमेरिका की नजर वेनेजुएला, ग्रीनलैंड, कोलम्बिया, ईरान, क्यूबा, मेक्सिको एवं नाईजेरिया में भी हस्तक्षेप करने की नजर आती है। यूरोप के 7 देशों (फ्रान्स, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन, ब्रिटेन एवं डेनमार्क) ने अमेरिका को गम्भीर चेतावनी दी है कि यदि ग्रीनलैंड पर अमेरिका द्वारा कोई सैनिक कार्यवाही की गई तो इसके गम्भीर परिणाम अमेरिका को भुगतने होंगे और बहुत सम्भव है कि इस कार्यवाही के बाद यूरोपीय देशों एवं अमेरिका का संयुक्त नाटो संगठन ही बिखर जाए। नाटो संगठन के सदस्य देशों के बीच यह समझौता है कि इस संगठन के किसी भी एक सदस्य पर यदि सैन्य हमला होता है तो यह सैन्य हमला समस्त सदस्य देशों पर माना जाएगा और समस्त सदस्य देश मिलकर इस सैन्य हमले का जवाब देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने दिनांक 7 जनवरी 2026 को 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को अलग करने की जानकारी प्रदान की है। इसमें 35 गैर संयुक्त राष्ट्र संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं शामिल हैं।

देश दुनिया से

जौं अनुभव करू चित लाइ

जौं अनुभव करू चित लाइ, यह पंक्ति साधारण नहीं है। यह जीवन के सबसे मूलभूत, सबसे सच्चे और सबसे परिवर्तनकारी मार्ग की ओर संकेत करती है, अनुभव के मार्ग की ओर। समझ, विचार, तर्क, विश्लेषण, ये सब जीवन के बाहरी हिस्से को छूते हैं, लेकिन अनुभव जीवन के भीतर तक उतर जाता है। अनुभव मन की जड़ तक पहुंचता है, जहां निर्णय बनते हैं, जहां भावनाएं जन्म लेती हैं, जहां दिशा तय होती है और जहां जीवन का वास्तविक अर्थ धीरे-धीरे उभरता है। हमारा मन जब सोचता है, तब वह संसार के प्रभाव में होता है। लेकिन जब मन अनुभव करता है, तब वह अपने भीतर के प्रकाश को पहचानने लगता है। यही वह बिंदु है जहां चारों दिशाओं की शिक्षाएं, जीवन की सहजता, मन की आंतरिक यात्रा, दर्शन की गहराई और विज्ञान की स्पष्टता- एक साथ मिल जाती हैं। अनुभव इन सबका संगम है। अनुभव वह स्थान है जहां विचारों की भीड़ शांत होती है और मन अपने सत्य का सामना करता है। जीवन के संघर्षों और प्रश्नों को हम जितना सोचकर हल करने की कोशिश करते हैं, वे उतने ही उलझते जाते हैं। विचारों की प्रकृति ही ऐसी है, वे हमें चक्र में घुमाते रहते हैं। कोई भी समस्या तभी स्पष्ट होती है जब हम उसे भीतर से महसूस करते हैं, जब हम उसकी अनुभूति को स्वीकारते हैं। चाहे वह डर हो, चाहे दर्द हो, चाहे उलझन हो, चाहे प्रेम हो, अनुभव इन भावनाओं की परतों को धीरे-धीरे खोलता है। विचार इस यात्रा की सतह पर रहते हैं, अनुभव उसकी गहराई में उतरता है। दर्शन कहता है कि मन का संघर्ष तभी तक है जब तक हम दुनिया को केवल विचारों से समझ रहे होते हैं। विचार सीमित हैं, वे वही दोहराते हैं जो हमने पहले कहीं सुना, देखा या सीखा। लेकिन अनुभव मौलिक होता है। अनुभव हमें जीवन के सत्य से जोड़ता है, वह सत्य जो कल्पनाओं में नहीं, वास्तविकताओं में छुपा है। 'जौं अनुभव करू चित लाइ' यह कहता है कि सत्य का मार्ग विचारों से नहीं, अनुभव से शुरू होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी अनुभव की गहराई अद्भुत है। जब हम किसी परिस्थिति को गहराई से अनुभव करते हैं, बिना भागे, बिना दबाए, बिना छुपाए, तो मस्तिष्क में न्यूरोप्लास्टिसिटी की प्रक्रिया आरंभ होती है। इसका अर्थ है कि नए अनुभव मस्तिष्क की संरचना को बदल देते हैं। यह बदलाव बाहर से नहीं, भीतर से होता है। हम जितना किसी सत्य को अनुभव करते हैं, उतना ही वह न्यूरल पाथवे मजबूत होता जाता है। यही कारण है कि अनुभव से मिली समझ अधिक स्थायी होती है। अनुभव वह बिंदु है जहां मन वर्तमान में ठहरता है। वर्तमान में रहने का अर्थ यह नहीं कि हम किसी तकनीक का अभ्यास कर रहे हैं, यह वह अवस्था है जहां मन विचारों के उतार-चढ़ाव से मुक्त होकर वास्तविकता को वैसा ही देखता है जैसी वह है। जब हम अनुभव में उतरते हैं, तब मन के भीतर की धुंध साफ होती है। हम उन बातों को देख पाते हैं जिन्हें सोच देखते हुए कभी पहचान नहीं पाता। अनुभव मन को अपने केंद्र से जोड़ता है, वहीं विचार अक्सर मन को बाहर की ओर धकेल देते हैं।

समझ, विचार, तर्क, विश्लेषण, ये सब जीवन के बाहरी हिस्से को छूते हैं, लेकिन अनुभव जीवन के भीतर तक उतर जाता है। अनुभव मन की जड़ तक पहुंचता है, जहां निर्णय बनते हैं, जहां भावनाएं जन्म लेती हैं, जहां दिशा तय होती है और जहां जीवन का वास्तविक अर्थ धीरे-धीरे उभरता है। हमारा मन जब सोचता है, तब वह संसार के प्रभाव में होता है। लेकिन जब मन अनुभव करता है, तब वह अपने भीतर के प्रकाश को पहचानने लगता है। यही वह बिंदु है जहां चारों दिशाओं की शिक्षाएं, जीवन की सहजता, मन की आंतरिक यात्रा, दर्शन की गहराई और विज्ञान की स्पष्टता- एक साथ मिल जाती हैं। अनुभव इन सबका संगम है। अनुभव वह स्थान है जहां विचारों की भीड़ शांत होती है और मन अपने सत्य का सामना करता है। जीवन के संघर्षों और प्रश्नों को हम जितना सोचकर हल करने की कोशिश करते हैं, वे उतने ही उलझते जाते हैं।

अनुभव मन के लिए वही है जो पानी प्यास के लिए है। मन थकता इसलिए है क्योंकि हम उसे सोचों में उलझा देते हैं, और मन हल्का इसलिए होता है क्योंकि अनुभव उसे प्रवाह में ले आता है। मन तब बोझ उठाता है जब हम भावनाओं को रोक लेते हैं, अपनी सच्चाई से भागते हैं, या अपनी उलझनों को भीतर दबा देते हैं। लेकिन जब हम अनुभव की ओर झुकते हैं, चाहे वह दुख का अनुभव हो, चाहे मौन का, चाहे प्रेम का, चाहे सत्य का, मन धीरे-धीरे अपने बोझ को छोडने लगता है। हमारे भीतर जो भावनाएं जमा होती हैं, वे तब तक शांति नहीं पातीं जब तक वे अनुभव की धूप में नहीं आतीं। अनुभव का अर्थ है उन्हें स्थान देना, उन्हें महसूस करने की अनुमति देना। विज्ञान कहता है कि जब भावनाएं दबा दी जाती हैं, तो तनाव हार्मोन बढ़ जाता है, हृदय गति असामान्य हो जाती है, और मस्तिष्क ओवरलोड हो जाता है। लेकिन जैसे ही हम भावना को अनुभव करते हैं, लिम्बिक सिस्टम उसे शांत करने लगता है, और प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स उसे समझने लगता है। यही वह क्षण है जहां मन भीतर से हल्का होने लगता है। दर्शन इस अनुभव को मन की परिपक्वता का मार्ग मानता है। हम जितना स्वयं को अनुभव करते हैं, अपनी भावनाओं को, अपनी संवेदनाओं को, अपने विचारों को, उतना ही हम भीतर की परतों को समझते हैं। यह समझ किसी पुस्तक से नहीं आती, किसी सलाह से नहीं आती, यह अनुभव से आती है। जब हम अनुभव में उतरते हैं, तब जीवन की कठिनाइयां हमें सिखाने लगती हैं, जीवन की सरलता हमें छूने लगती है, और जीवन की मौन धारा हमें दिशा देने लगती है। अनुभव से मन की दिशा भी बदलती है और दशा भी। दिशा बदलती है क्योंकि अनुभव हमें अंदर की स्पष्टता देता है, वह स्पष्टता जिसे कोई तर्क, कोई सलाह, कोई विचार नहीं दे सकता। दशा बदलती है क्योंकि अनुभव मन को उसके तनाव, उसके बोझ, उसके छिपे हुए दर्द से मुक्त करता है। जैसे कोई कमरे में जमा धुआं दरवाजा खुलते ही बाहर निकलने लगता है, वैसे ही मन का भारीपन अनुभव की रोशनी में बाहर निकलने लगता है। अनुभव हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में जिन बातों से हम डरते रहे, वे उतनी भारी नहीं थीं जितना मन ने उन्हें बना दिया था। अनुभव परिस्थिति को उसके वास्तविक आकार में दिखाता है, जबकि विचार परिस्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर डर का रूप दे देते हैं। जब हम अनुभव करते हैं, तब भय का आकार छोटा होने लगता है और सत्य का आकार बड़ा। भय का स्वभाव असत्य पर टिकना है, और सत्य का स्वभाव अनुभव में प्रकट होना। 'जौं अनुभव करू चित लाइ' यह भी बताता है कि अनुभव ही मन को केंद्र तक वापस ले जाता है। जीवन का केंद्र वही है जहां मन स्थिर होता है, जहां विचार शांत होते हैं, जहां भावनाएं संतुलित होती हैं। यह केंद्र कहीं बाहर नहीं, हमारे भीतर है, लेकिन वहां पहुंचने का मार्ग अनुभव से होकर जाता है। जब हम अपने भीतर की भावनाओं को बिना डर, बिना निर्णय और बिना भागे महसूस करते हैं, तब हम इस केंद्र की ओर बढने लगते हैं। जीवन का सार यही है कि हम जितना अनुभव करते हैं, उतना समझते हैं।

कुछ अलग

अनुकंपा का जमाना है...

आपने वह कहानी सुनी है क्या कि राष्ट्र निर्माण पर भाषण देने वाला एक शख्स एक बेरी के वृक्ष के नीचे सो रहा था, सोया रहा। जी हां, सोना और रियायती भोजन पाने के लिए कतार लगाना। आज यही प्रिय कर्म रह गया है, क्योंकि सरकार ने कह दिया है कि 'हम आपको गारंटी देते हैं, कि इस देश में किसी को भी कभी भूख से मरने नहीं देंगे।' भई गारंटियों का जमाना है। नेता लोग अपनी सत्ता पीढ़ी दर पीढ़ी बनाए रखने के लिए गारंटियां देते हैं। 'मेरा वचन गीता की कसम'। एक दूसरे से बढ़-चढ़ कर संवाद बोलने का जमाना है, इसलिए हर कोई एक दूसरे से बढ़-चढ़ कर कसम खाने की प्रतियोगिता करता रहता है। आपके लिए धरा पर स्वर्ग ला देने का वायदा करता है, लेकिन वोट डालने की तिथि तक। तिथि गुजर गई, कौनसी कसम, और किसे जामिन रख कर खाई थी यह कसम, वह भूल जाते हैं। बन्धु कसमें तो होती ही तोडने के लिए हैं। वह वायदा ही क्या जो वफा हो गया। आजकल तो हवाओं में बेवफाई रची है। अपने संकल्प या अपनी कसम पर बलिदान हो जाने वाले तो भूतपूर्व हो गए। जमाना अतीत का नहीं, वर्तमान को लांघ कर भविष्य हो जाने का है। इस भविष्य के संवादों में क्या नहीं रखा है आपके लिए? केवल अच्छे दिन आने का सपना नहीं, वह तो फुटपाथी लोगों को इतनी बार परोस दिया गया कि अब इसकी बासी कढ़ी में भी उबाल नहीं आता। एक सुबह उठने पर अपने खाते में पंद्रह लाख की प्रविष्टि देखने का सपना भी बहुत दिन देखा था। जन-धन खाते खुल गए हैं। लाखों की प्रविष्टियां आज भी इनमें हो जाती हैं, लेकिन महज एक दिन के लिए।

आप का नज़रिया

अपने या पराये अधिकारी

प्रशासन को सुशासन तक ले जाने की जिम्मेदारी से अलग अब बहस क्षेत्रवाद के मसौदे में उलझ गई है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी ही सरकार के सचिवालय से पूछते हुए अधिकारियों के बीच 'अपने-पराये' की संज्ञा ईजाद की है। यानी अब हिमाचल के रास्ते इतने संकीर्ण हो जाएंगे कि राष्ट्रीय सेवाओं के उद्गम में भी कुछ बाहरी राज्य गिने जाएंगे। टिप्पणी से अलग एक चरागाह वो भी है, जहां राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी असहमत होने की वजह बताते हैं। अधिकारियों को ललकारना एक फैशन है, तो राजनीतिक पाजेब में थिरकना भी एक शिरकत है। इसमें दो राय नहीं कि सचिवालय की दीवारों में छेद हैं और यह भी सही है कि सियासत में नौकरीशाही गूंजती है, लेकिन यह असत्य है कि कुछ बाहरी राज्यों से आए आईएएस या आईपीएस अधिकारी ही मर्ज हैं। हमारे अपने या यूं कहें कि हिमाचल से निकले अधिकारी भी कोई छप्परफाड़ करिश्मा नहीं कर रहे। गांठें अगर हैं, तो इसके लिए प्रदेश की राजनीति और राजनेताओं का कद दोषी है। प्रदेश के चिंतन में विरासत से निकली सियासत की भूमिका कम हो रही है। यह इसलिए भी कि हिमाचल की आर्थिक खुशामद नहीं कर सकती। यहां मंत्री हक जता रहे या न्याय मांग रहे हैं। इससे पहले उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी मंडी के पटल पर अधिकारियों के प्रति रोष और अपने रुतबे के प्रति असंतोष प्रकट कर चुके हैं, तो अब जिक्र की नजर एक और गुस्सा हासिल है। यहां प्रशासनिक अधिकारियों के सामने राजनीतिक जमात का कद देखा जा रहा है, जबकि नागरिक समाज का भरोसा अब संपूर्ण व्यवस्था से कम हो रहा है। हमारे लोकतंत्र के स्तंभ अपनी स्वतंत्र हैसियत के विपरीत आपसी संबंधों के संतुलन देख रहे हैं। सुशासन की तलाश में अगर गांव के स्कूल में अध्यापक, डिस्पेंसरी में डाक्टर और जमीन पर पटवारी नहीं पहुंच रहा है, तो इस सियासत का ठीकरा हर पांच साल बाद फूटेगा। बहुत कम देखने में मिलता है कि प्रशासन को स्वतंत्र तरीके से काम करने दिया जाए। अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अवैध खनन और नशे के व्यापार को प्रश्रय कौन देता है। कानून-व्यवस्था के बीच अड़चनें आने की वजह कोई अदृश्य शक्ति नहीं, सीधे-सीधे राजनीतिक प्रभाव होता है। जब सत्ता बदलने पर विभागीय दुकानदारी बदलने का सिलसिला दिल खोलकर सौदेबाजी करता है, तो अधिकारी सिर्फ हुक्म का इक्का होता है। यह सत्ता और विपक्ष के बीच साझेदारी है। सभी को चहेते अधिकारी चाहिएं और इसीलिए वीआईपी ड्यूटी की हाजिरी में, दफ्तरों में नागरिक भटकते हैं। सियासत अब डराने की मशीन बन चुकी है। कोई मीडिया कर्मियों को डराता है, तो कोई किसी अधिकारी को सबक सिखाता है। इसलिए अब सत्ता और विपक्ष के बंटवारे में सरकारी कार्य संस्कृति भी बंट गई है। ट्रांसफर पालिसी इसलिए कारगर नहीं होती क्योंकि सुशासन की जगह अपने दरबार के आदमी चाहिएं। बदलते हैं आफिसर मगर इनकी संस्कृति बदलनी चाहिए। अधिकारी को अधिकार दीजिए और उसे स्वतंत्रता से निष्पक्ष रहने दीजिए, वरना दिहाड़ी तो लगती रहेगी, जनता के लिए या सियासत के दरबार में। अधिकारी को टास्क चाहिए। एक अधिकारी किसी शहर की यातायात व्यवस्था को सुधार सकता है, बशर्ते जमघट में सियासी कारिंदे न हों। प्रदेश के हमीरपुर शहर में एक पुलिस अधिकारी ने नागरिकों को भी ट्रैफिक का शिष्टाचार सिखा दिया, तो यह क्षमता हर किसी की हो सकती है। हिमाचल में मुद्दों और भविष्य की शर्तों को समझने को राजनीति तैयार नहीं। अब ट्रेड फेयर के खिलाफ व्यापार की राजनीति दिखाई दे रही है। धर्मशाला, कांगड़ा के बाद दाड़ी ट्रेड फेयर के विरोध में दो भाजपाई विधायक कूदे हैं, लेकिन क्या ऐसे मेले जनता के सहयोग के बिना सफल हो रहे हैं। उपभोक्ता को रूखा बाजार, पुराना बाजार व पार्किंग से महरूम बाजार नहीं चाहिए, तो यह अधिकार व्यापारियों के बजाय अधिकारियों का क्यों नहीं, जो नगर निकायों के मैदानों को कमाना सिखा रहे हैं। विडंबना है कि हिमाचल में राजनीति अपने लिए समर्थन और विरोध की शब्दावली से वक्त-वक्त पर परिवर्तन कर लेती है।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी ही सरकार के सचिवालय से पूछते हुए अधिकारियों के बीच 'अपने-पराये' की संज्ञा ईजाद की है। यानी अब हिमाचल के रास्ते इतने संकीर्ण हो जाएंगे कि राष्ट्रीय सेवाओं के उद्गम में भी कुछ बाहरी राज्य गिने जाएंगे। टिप्पणी से अलग एक चरागाह वो भी है, जहां राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी असहमत होने की वजह बताते हैं। अधिकारियों को ललकारना एक फैशन है, तो राजनीतिक पाजेब में थिरकना भी एक शिरकत है। इसमें दो राय नहीं कि सचिवालय की दीवारों में छेद हैं और यह भी सही है कि सियासत में नौकरीशाही गूंजती है, लेकिन यह असत्य है कि कुछ बाहरी राज्यों से आए आईएएस या आईपीएस अधिकारी ही मर्ज हैं। हमारे अपने या यूं कहें कि हिमाचल से निकले अधिकारी भी कोई छप्परफाड़ करिश्मा नहीं कर रहे। गांठें अगर हैं, तो इसके लिए प्रदेश की राजनीति और राजनेताओं का कद दोषी है। प्रदेश के चिंतन में विरासत से निकली सियासत की भूमिका कम हो रही है। यह इसलिए भी कि हिमाचल की आर्थिक खुशामद नहीं कर सकती। यहां मंत्री हक जता रहे या न्याय मांग रहे हैं। इससे पहले उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी मंडी के पटल पर अधिकारियों के प्रति रोष और अपने रुतबे के प्रति असंतोष प्रकट कर चुके हैं, तो अब जिक्र की नजर एक और गुस्सा हासिल है। यहां प्रशासनिक अधिकारियों के सामने राजनीतिक जमात का कद देखा जा रहा है, जबकि नागरिक समाज का भरोसा अब संपूर्ण व्यवस्था से कम हो रहा है।

दृष्टि कोण

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुज़री है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग

आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। "आज की बचत, कल का संबल" जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिलचस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा–पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक़्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 जनवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 12:06 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 08:13 तक
योग : व्याघात रात्रि 09:13 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:18 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:01 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:03 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 08:13 तक , भद्रा प्रातः 11:16 तक

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर साधा निशाना कहा

मगरमच्छों की गिनती कांग्रेस करें

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीबी जी रामजी जनजागरण अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और पं. दीनदयाल उपाध्याय की सोच को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता हैं जो हर योजना में कमी निकालने का काम करते हैं। चाहे वह सीएए हो, ईवीएम का मुद्दा हो या फिर एसआईआर–कांग्रेस हर विषय पर भ्रम फैलाने का प्रयास करती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अब कांग्रेस को जी रामजी नाम से भी आपत्ति है। हमने तो राजस्थान से 'आरए' और मध्यप्रदेश से 'एम' लिया और महत्वपूर्ण परियोजना ईआरसीपी का नाम स्वतः ही 'राम जल सेतु' हो गया। यदि कांग्रेस को राम जी से ही दिक्कत है तो इसमें हम क्या कर सकते हैं। प्रकृति का नियम है कि जो होना है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश धीरे–धीरे रामराज्य की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि

आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने देश को खोखला करने का काम किया है। वह हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है, लेकिन अब मोदी का जमाना है। अब न तो भ्रष्टाचार करने दिया जाएगा और न ही भ्रष्टाचार को दबाया जाएगा। कांग्रेस को इस बात का दर्द है कि अब वे भ्रष्टाचार नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भ्रष्टाचार हुआ भी है तो मोदी सरकार उसे बाहर निकाल कर सामने लाएगी। सीएम शर्मा ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलने में नंबर वन है, भ्रम फैलाने में नंबर वन है और तुष्टिकरण के आधार पर राजनीति करना चाहती है। इसलिए झूठ का पर्दाफाश करना आज सबसे अधिक आवश्यक है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वीबी जी रामजी जनजागरण अभियान को लेकर गांव–गांव और ढाणी–ढाणी तक पहुंचना होगा। लोगों को यह बताना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 100 नहीं बल्कि 125 दिन का रोजगार दिया है और 15 दिन में मजदूरी की गारंटी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी डबल इंजन सरकार युवाओं के रोजगार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार ने अब तक 1 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्तियां दी हैं, 1.44 लाख भर्तियां प्रक्रिया में हैं और 1 लाख पदों का भर्ती कैलेंडर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हमने पहले ही कह दिया था कि आप पेन और डायरी लेकर बैठ जाएं, हम आपको हर बात का हिसाब देंगे।

पेपर लीक के मामलों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अब तक 400 लोग जेल में हैं। अब यह तय करना कांग्रेस का काम है कि ये 400 लोग छोटी मछली हैं या बड़े मगरमच्छ। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शिता, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है और जनता के विश्वास पर पूरी तरह खरी उतरेगी।

स्थानीय उद्योगों को मजबूती देती है, राजस्थान की एक जिला एक उत्पाद नीति– 2024

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने, स्थानीय उद्योगों को मज़बूत करने और पूरे राज्य में रोज़गार के स्थाई अवसर पैदा करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक जिला एक उत्पाद नीति–2024 लागू की है। इस योजना को लागू कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की विशिष्ट पहल की है। राज्य के सभी 41 ज़िलों के उत्पादों की पहचान इस नीति के तहत कर ली गई है। यह नीति उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादकों के लिए बाज़ार तक पहुँच बढ़ाने और प्रौद्योगिकी अपनाने तथा ब्रांडिंग और बुनियादी ढाँचे के माध्यम से उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने का प्रयास करती है। इस नीति को लागू करने के लिए आधिकारिक दिशा–निर्देश गत वर्ष 19 फरवरी को जारी किए गए।

उद्योग और वाणिज्य विभाग के आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि एक जिला एक उत्पाद नीति– 2024 राज्य में स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देती है। वित्तीय सहायता के साथ ही प्रौद्योगिकी और बाज़ार तक पहुँच प्रदान कर हम ज़िला स्तर के उद्यमियों को आगे बढ़ाने और उन्हें अन्य उद्यमियों से अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने में मदद कर रहे हैं।

यह नीति ज़िला–स्तरीय उद्यमों को मज़बूत करने के लिए संरचित वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान करती है, जिसमें नए सूक्ष्म उद्यमों के लिए 15 लाख रुपये तक, 25 प्रतिशत और छोटे उद्यमों के लिए योग्य परियोजना लागत पर 20 लाख रुपये तक, 15 प्रतिशत की कैपिटल सब्सिडी दी जाती है। यह नीति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए भी उद्यमियों को सहायता प्रदान करती है। इसके तहत स्टॉल का किराया और 2 लाख रुपये तक की यात्रा सहायता दी जाती है और सामान्य सुविधा केंद्रों की स्थापना के माध्यम से क्लस्टर विकास में सहयोग दिया जाता है। यह नीति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक, 75 प्रतिशत पुनर्भरण प्रदान करती है, साथ ही ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक, 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी प्रदान करती है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए इस नीति के तहत मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक , 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का दल शनिवार को आएगा जयपुर

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल देशों की संसदो के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन के बाद आयोजित भ्रमण कार्यक्रम के तहत शनिवार को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचेगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा सभी अतिथियों का गरिमामय एवं पारंपरिक तरीके से जयपुर हवाई अड्डे पर स्वागत किया जाएगा। देवनानी ने कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव का विषय है कि विश्व के विभिन्न देशों से आए संसदीय प्रतिनिधि हमारी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और अतिथि–सत्कार की परंपरा से रूबरू होंगे। राजस्थान अतिथि देवो भवः की भावना के अनुरूप अपने अतिथियों का हृदय से स्वागत करेगा। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों को राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थलों और परंपरागत लोक कला से परिचित कराया जाएगा। इसके साथ ही राज्य की विकास यात्रा, लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मूल्यों पर भी सकारात्मक संवाद होगा। देवनानी ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से वैश्विक पहचान और सशक्त होती है तथा पर्यटन, संस्कृति व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नये अवसर मिलते हैं। देवनानी ने बताया कि राज्य सरकार एवं प्रशासन द्वारा प्रतिनिधियों के स्वागत एवं उनके प्रवास हेतु व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियाँ की गई हैं, ताकि उन्हें एक यादगार और सुखद अनुभव प्राप्त हो सके।

खेल और संस्कृतिः दंगल हमारी विरासत का अभिन्न अंग, इसे सहेजना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : जवाहर सिंह बेढ़म

डीग, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कुश्ती केवल शारीरिक प्रदर्शन का नाम नहीं, बल्कि यह अनुशासन, धैर्य और चरित्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण पद्धति है। यह विचार प्रदेश के गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बृजनगर विधानसभा क्षेत्र के गाँव खखावली में आयोजित ऐतिहासिक विशाल कुश्ती दंगल समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए मंत्री बेढ़म ने अखाड़े में पहुंचकर पहलवानों का परिचय लिया और हाथ मिलवाकर विधिवत रूप से दंगल का शुभारंभ किया।

अखाड़ों से तैयार होता है देश का भविष्य विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए गृहराज्य मंत्री ने कहा कि आधुनिकता के दौर में भी हमारे गांवों ने कुश्ती जैसी प्राचीन परंपरा को जीवित रखा है, यह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि खखावली का यह दंगल हमारी सनातन संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंतता का प्रमाण है। जब एक युवा खेल के मैदान में उतरता है, तो वह केवल खेलता नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी का मान बढ़ाता है।

बेढ़म ने मंच से युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों और राष्ट्र–निर्माण में लगाएं। उन्होंने कहा कि सच्चा खिलाड़ी वही है जो न केवल मैदान में जीते, बल्कि जीवन में भी अनुशासित और सशक्त बने। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।मंत्री महोदय ने आयोजक समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि दंगल जैसे आयोजन समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। खेल की भावना आपसी भाईचारे को बढ़ाती है। इस अवसर पर मंत्री जी ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए खेल संसाधनों के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत है, ताकि हमारे ग्रामीण युवा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

फसल बीमा योजना के जरिए किसानों के साथ हो रही सैकड़ों करोड़ की लूट : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि पीएम फसल बीमा योजना के जरिए किसानों के साथ सैकड़ों करोड़ की लूट हो रही है। कंपनियों ने 7 साल में किसानों से 648 करोड रुपए कमाए हैं। फिर भी 3 साल से किसानों का 161 करोड रुपए का मुआवजा बाकी है। इतना ही नहीं पिछले साल खरीफ सीजन के दौरान जुलाई–अगस्त में आई बाढ़ के चलते खराब हुई फसलों के क्लेम का भी किसानों को कोई पैसा नहीं दिया गया। इससे पहले रबी की फसलों में हुए खराबे का क्लेम भी पेंडिंग पड़ा हुआ है। कई–कई साल तक किसानों को यहां–वहां धक्के खिलाए जाते हैं। जबकि जब फसल बीमा योजना में सर्वे होने के 15 से 30 दिन के भीतर मुआवजा देने का प्रावधान है। इसीलिए ये योजना किसानों का भरोसा खो चुकी है। इसीलिए अब बीमा योजना सिर्फ 12% फसलों तक सीमित कर रह गई है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पंजाब केसरी प्रकरण पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पंजाब केसरी जैसे प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान को सरकारी एजेंसियों के माध्यम से डराने–धमकाने की कोशिशें बेहद चिंताजनक हैं। एक साथ छापेमारी, लाइसेंस रद्द करना, बिजली आपूर्ति बंद करना, पुलिस की घेराबंदी, यह सब कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश के तहत लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा और खतरनाक प्रहार है और स्वतंत्र मीडिया की आवाज को दबाने की कोशिश है। स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने की ऐसी सभी हरकतें लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक हैं।

हुड्डा ने कहा कि संगठित अपराध हरियाणा में लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। बदमाश बेखौफ होकर वारदातें कर रहे हैं और जनता खौफ के साये में जीने को मजबूर है।

2047 तक विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की भूमिका अहम : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा में शुक्रवार को राजधानी युवा संसद संस्था के सहयोग से दो दिवसीय 'हरियाणा युवा संवाद' का दूसरा संस्करण शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में 13 राज्यों से 65 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस अवसर राष्ट्रगान का भी वादन हुआ। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने लंबे समय तक गुलामी के कठिन दौर को झेला है, जिसके दौरान हमारी समृद्ध संस्कृति और मूल्यों को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसके बावजूद भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। यह हमारे संविधान की शक्ति और देशवासियों की एकजुटता का प्रमाण है। संविधान हमें यह सिखाता है कि भारत की असली ताकत यहां के लोग हैं। हम सभी को मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के विजन को साकार करना है। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग–अलग भाषाएं, परंपराएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन इन सबके बीच एक साझा लक्ष्य है– राष्ट्र और प्रदेश की प्रगति। देश की विभिन्न विधानसभाओं में भले ही राज्यों की भाषाएं अलग हों, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों का उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लिए प्रभावी और कल्याणकारी योजनाएं बनाना होता है। जनता की कठिनाइयां दूर करना व उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति असली ध्येय है।कल्याण ने युवाओं को कहा कि आज वे उसी विधान सभा भवन में बैठे हैं, जहां से प्रदेश के अनेक दिग्गज विधायकों और नेताओं ने कानून निर्माण से लेकर हरियाणा के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भाजपा ने मनरेगा की आत्मा खत्म की, गरीबों के अधिकारों पर सीधा प्रहार : सैलजा

अंबाला, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सिरसा से कांग्रेस सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मनरेगा जैसी ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी योजना को सुनियोजित ढंग से कमजोर किया है, जिसके चलते आज देशभर में गहरा जनआक्रोश देखने को मिल रहा है। वे आज अंबाला में पत्रकारों से बात कर रही थीं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जमीनी सच्चाई यह है कि गरीबों को न तो 100 दिन का रोजगार मिल रहा है, न समय पर मजदूरी का भुगतान हो रहा है और न ही व्यवस्था में किसी प्रकार की जवाबदेही शेष बची है। मजदूरों को काम के लिए भटकना पड़ रहा है और भुगतान के लिए महीनों इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक बदहाल हो गई है। कुमारी सैलजा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की आपत्ति केवल मनरेगा के नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि असली और गंभीर मुद्दा यह है कि भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और गरीबों के अधिकारों की मूल भावना को ही कमजोर कर दिया है। मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं थी, बल्कि यह गरीबों का कानूनी अधिकार था, जिसमें रोजगार की गारंटी के साथ–साथ बेरोजगारी भत्ता तक का प्रावधान किया गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर इस कानून की आत्मा को समाप्त करना चाहती है, ताकि गरीब, मजदूर और ग्रामीण जनता अपने अधिकारों से वंचित रह जाए।

संत महापुरुषों की शिक्षाओं से सामाजिक समरसता को मजबूत कर रही है हरियाणा सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संत महापुरूषों की शिक्षाओं व उनके जीवन से जुड़े पहलुओं की जानकारी आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उनकी जयंतियों पर सरकारी तौर पर समारोह का आयोजन करने की शुरुआत कर समाज को सामाजिक समरसता का एक संदेश दिया है। इस दिशा में सरकार द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर 31 जनवरी को कुरुक्षेत्र के उमरी में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार करेंगे। मुख्यमंत्री शुक्रवार को विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी के नेतृत्व में उनके आवास पर (संत

कबीर कुटीर) आए प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर कृष्ण लाल पंवार और कृष्ण बेदी ने मुख्यमंत्री को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के लिए आमंत्रित भी किया। नायब सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार गुरु रविदास जयंती को पूर्ण श्रद्धा, सम्मान और भव्यता के साथ मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने सभी से समन्वय और सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यक्रम को ऐतिहासिक और यादगार बनाने का आह्वान किया।

विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि यह राज्य स्तरीय समारोह 31 जनवरी को कुरुक्षेत्र के उमरी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के 14 जिलों– पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, हिसार, जींद, हांसी तथा झज्जर तथा फतेहाबाद से ब्लॉक स्तर तक के व शेष 9 जिलों से जिला स्तर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की सुविधाओं, यातायात, स्वच्छता, पेयजल और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि समारोह सुचारू एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हर जिले में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने के लिए विशेष समितियों का गठन किया जाएगा, जो निमंत्रण पत्र वितरण और समन्वय का कार्य करेंगी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कागजनगर के कपूवाड़ा में ड्रेनेज समस्या दूर करने 1.80 करोड़ से बड़ा नाला बनेगा : हरीश बाबू

कागजनगर, 16 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कोमराम भीम जिला कागजनगर के कपूवाड़ा में ड्रेनेज की समस्या को हल करने के लिए 1.80 करोड़ रुपये की लागत से बड़े नाले का निर्माण होगा, सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने घोषणा की।कागज नगर शहर के कपूवाड़ा में स्थानीय लोगों को लगातार ड्रेनेज की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। आज सुबह, सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने म्युनिसिपल कमिश्नर राजेंद्र से कपूवाड़ा में ड्रेनेज की समस्या के बारे में जानने के लिए मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 1.80 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़ा नाला बनाया जाएगा और पूरे कपूवाड़ा ड्रेनेज को मसाला मोरी में मोड़ दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि टेंडर प्रोसेस चल रहा है और जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। इसके बाद, कपूवाड़ा के लोगों के साथ निर्माणाधीन रेलवे अंडरब्रिज साइट का निरीक्षण किया गया। वार्ड के लोगों की इच्छा के अनुसार, कॉन्ट्रैक्टर को कई सुझाव दिए गए। उन्होंने बताया कि वार्ड की समस्याओं को धीरे-धीरे हल किया जाएगा। इस प्रोग्राम में बीजेपी टाउन अध्यक्ष आर्मी शिव कुमार, टाउन जनरल सेक्रेटरी कोंडा तिरुपति, एससी मोर्चा प्रेसिडेंट चिप्पाकुर्ती श्रीनिवास, पूर्व पार्षद सिंधम श्रीनिवास, देबती श्रीनिवास, पूर्व एमपीपी कोंड्रा मनोहर गौड़, शिवा गौड़, चिप्पा रमेश, अंजनेयुलु गौड़, बीजेपी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कागजनगर में जन सेना पार्टी की बैठक सम्पन्न

कागजनगर, 16 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य के आदिलाबाद संयुक्त कोऑर्डिनेशन कमेटी के इंचार्ज मंथनी संपत कुमार ने कागजनगर, कोमाराम भीम जिले में एक प्रेस मीट में भाग लिया।
म्युनिसिपल चुनाव की एक्टिविटीज़ की दिशा भी बताई। जन सेना पार्टी कागजनगर में म्युनिसिपैलिटी चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।
इसलिए, जॉइंट आदिलाबाद जिले के मुख्य नेताओं, जन सैनिकों और बहादुर महिलाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर जन सेना की ताकत को ज़ोरदार तरीके से बताया। जय जन सेना।शुक्रवार को 02:00 बजे कागजनगर जन सेना कार्यालय में जन सेना पार्टी जॉइंट आदिलाबाद कोऑर्डिनेटर मंटेना संपत कुमार, स्टेट यूथ डिपार्टमेंट आदा हक कमेटी मेंबर माया रमेश गारू और कोमाराम भीम डिस्ट्रिक्ट जन सेना लीडर्स स्टेट आदा हॉक कमेटी मेंबर अल्लूरी साई कुमार गारू, कोमाराम भीम जिला नेता पोतुला प्रवीण, विनेश रेड्डी, चेट्टी राजेश, साई किरण, कालूवाला चैतन्य, शेखर, सतीश, बाला राजू, बुर्रा राजू, गणेश, शेखर, संदीप, मनीष, अरुण, राजू (विजय) शेखर जन सेना पार्टी के कार्यकर्ता और जन सैनिक आदि शामिल हुए।

हरीश बाबू ने बेज्जूर में टीडीएसए डेंटल कैंप का किया उद्घाटन

कागजनगर, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने तेलंगाना डेंटल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के डेंटल कैंप का उद्घाटन किया। कोमराम भीम जिला बेज्जूर मंडल में सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने मंडल सेंटर के सरकारी प्राइमरी स्कूल के कैंपस में तेलंगाना डेंटल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के डेंटल कैंप का उद्घाटन किया।
इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह तारीफ के काबिल है कि टीडीएसए एक दूर-दराज के इलाके में डेंटल सर्विस देने के लिए आगे आया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्होंने पेड्डापल्ली जिले के सुल्तानाबाद में टीडीएसए एसोसिएशन लॉन्च किया था, और ऐसे सोशल सर्विस प्रोग्राम करना खुशी की बात है।
उन्होंने कहा कि लोगों को डेंटल हेल्थ को लेकर कई सावधानियां बरतनी चाहिए और इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तंबाकू और गुटखा चबाने से कई तरह के ओरल कैंसर होते हैं और लोगों को इनसे दूर रहना चाहिए।
इस कार्यक्रम में तेलंगाना डेंटल स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मणिदीप बालुसानी, बेज्जूर प्राथमिक अस्पताल के डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. श्रीनिवास, डॉ. कीर्ति, सचिव डॉ. समला रसग्ना, डॉ. हर्षिनी, डॉ. सौम्या, डॉ. सफिया, सरपंच दुर्गम सरोजा तिरुपति, कुमारी रामकृष्ण, उप सरपंच गुडा राकेश, मंडल अध्यक्ष जाडी तिरुपति, पूर्व एमपीपी कोंड्रा मनोहर गौड़, भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

ऋण चुकाने की मांग पर पेंशन लाभार्थी की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

मंचेरियाल, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुछ सप्ताह पहले एक सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थी द्वारा ऋण चुकाने की मांग करने पर उसकी कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।एसपी अखिल महाजन ने एक बयान में कहा कि इंदरवेल्ली के रहने वाले मोहम्मद फारूक और बस्सी रमेश को इमराना जबीर की हत्या में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इमराना जबीर के लापता होने की सूचना पहले दी गई थी, लेकिन बाद में 26 नवंबर को मावला मंडल केंद्र में संदिग्ध परिस्थितियों में उनका शव मिला था।पूछताछ के दौरान फारूक और रमेश ने अपराध स्वीकार कर लिया। फारूक ने कबूल किया कि उसने इमराना का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी क्योंकि इमराना ने उससे लिए गए 88 लाख रुपये और आठ तोला सोने का कर्ज चुकाने की ज़िद की थी। उसने बताया कि उसने इमराना के घर में अकेले होने पर रमेश की मदद से यह अपराध किया था।दोनों आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने कृत्य को छिपाने के लिए महिला के शव को महाराष्ट्र के जंगलों में दफना दिया और उसी रात किराए की कार में शव को ले गए। महिला के भाई-बहन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जांच अधिकारियों ने पाया कि वित्तीय लेन-देन हत्या का कारण बना, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आदिलाबाद डीएसपी एल जीवन रेड्डी और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद थे।

विशाखापट्टनम में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

विशाखापट्टनम/आसिफाबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
डी क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर दक्षिण भारत संभाग के विशाखापट्टनम में बीच रोड स्थित हवामहल परिसर में 14 से 16 जनवरी तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।शिविर का संचालन संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक नीर सिंह सिंघाना के मार्गदर्शन में किया गया। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कुल 103 शिविरार्थियों ने भाग लेकर संगठन, अनुशासन, समाजसेवा एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।शिविर के दौरान संघ की विचारधारा, कार्यपद्धति, शारीरिक प्रशिक्षण, बौद्धिक सत्र एवं नैतिक मूल्यों पर विशेष जोर दिया गया।
प्रशिक्षकों ने शिविरार्थियों को समाज के प्रति अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों का बोध कराया।समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना एवं संगठनात्मक मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर का समापन अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ किया गया।

हनी ट्रैप में फंसाकर 100 से अधिक पुरुषों को ब्लैकमेल करने वाले पति-पत्नी गिरोह का पर्दाफाश, दंपति गिरफ्तार

मंचेरियाल, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके भोले-भाले पुरुषों को फंसाने, उन्हें अश्लील वीडियो से धमकाने और लाखों रुपये वसूलने वाले पति-पत्नी के गिरोह का पर्दाफाश हो गया है। पिछले तीन सालों से इस रैकेट को चला रहे इस दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।
पुलिस के अनुसार, मंचेरियाल जिले के लक्सेट्टीपेट मंडल के वेंकटराव पेटा निवासी 31 वर्षीय व्यक्ति करीमनगर में बस गया था। वह संगमरमर के व्यापार और आंतरिक सज्जा का काम करके अपना जीवन यापन कर रहा था। उसकी शादी मंचेरियाल की 29 वर्षीय महिला से हुई थी और उनके दो बच्चे थे।

हालांकि, व्यापार में घाटे के कारण वह लिए गए ऋणों की किश्तें चुकाने में असमर्थ था। इस क्रम में आसानी से पैसा कमाने की लालसा में पति-पत्नी ने मिलकर एक अवैध रास्ता चुना। उन्होंने सोशल मीडिया पर आकर्षक पोस्ट डालकर पुरुषों को लुभाना शुरू किया।
जब व्यापारी और युवक उनके जाल में फंस जाते, तो महिला उन्हें अपने अपार्टमेंट में बुलाकर उनके साथ अंतरंग संबंध बनाती। साथ ही, पति चुपके से वीडियो और तस्वीरें बनाता रहता था। इसके बाद वे पीड़ितों को फोन करके उनके परिवार और दोस्तों को वीडियो भेजने की धमकी देते और पैसे की मांग करते। डर के मारे कई लोगों ने उनके खातों में पैसे जमा कर दिए।
पुलिस की जांच में पता चला कि तीन साल से अधिक समय में 100 से अधिक लोगों से लाखों रुपये की उगाही की गई। हाल ही में करीमनगर के एक लॉरी व्यापारी को इसी तरह ब्लैकमेल किया गया और उससे 13 लाख रुपये वसूले गए।
जब उसे दोबारा 5 लाख रुपये की धमकी दी गई, तो पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दंपति को हिरासत में ले लिया।
उनके पास से मोबाइल फोन, वीडियो और अन्य सबूत जब्त किए गए हैं और जांच जारी है। इस घटना से जिले में हलचल मच गई है। अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से मिलने वाले लोगों के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

नगर निगम चुनाव नजदीक : पार्टियां विजयी उम्मीदवारों की तलाश में जुटीं

मंचेरियाल, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगरपालिका चुनावों की प्रक्रिया फिर से शुरू होने के साथ ही राजनीतिक दलों ने उपयुक्त उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है। सर्वेक्षण कराने के अलावा नगर निगम चुनावों में भाग लेने वाले नेताओं में से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए कई अन्य तरीके भी अपनाए जाते हैं। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में दो नगर निगम और 13 नगरपालिकाएँ थीं, जहां पार्टियां विजयी उम्मीदवारों की तलाश में हैं।वहीं, चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता पार्टी नेतृत्व के हलकों से संपर्क साधकर टिकट सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, नगर निकायों में बहुमत हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्पित राजनीतिक दल वरिष्ठता की परवाह किए बिना सक्षम उम्मीदवारों की खोज में जुटे हैं। लगभग सभी पार्टियों में वरिष्ठ नेता अपनी वरिष्ठता का प्रदर्शन करके नेतृत्व पर टिकट के लिए दबाव बनाते हैं।

हालांकि, पार्टियां केवल उन्हीं उम्मीदवारों को टिकट देने पर जोर देती हैं जिनके जीतने की प्रबल संभावना हो। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चोप्पाडंडी के विधायक और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मेडिपल्ली सत्यम ने स्पष्ट किया कि टिकट केवल विजयी उम्मीदवारों को ही दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अन्य राजनीतिक दलों के नेता कांग्रेस पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं तो उन्हें भी टिकट दिया जाएगा।
परिवहन और आदिवासी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी इसी तरह के बयान दिए। कांग्रेस, बीआरएस, भाजपा और अन्य राजनीतिक दल अपने-अपने क्षेत्रों और वार्डों में जनता के बीच प्रभाव रखने वाले नेताओं की पहचान करने का प्रयास करते हैं। उम्मीदवारों की ताकत का आकलन करने के लिए, विभिन्न क्षेत्रों और वार्डों में सर्वेक्षण किए जाते हैं।
सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी को भी उम्मीदवारों के बारे में लगातार खुफिया रिपोर्टें मिल रही हैं। टीपीसीसी ने पार्टी इकाइयों को प्रत्येक मंडल से छह संभावित उम्मीदवारों के नाम भेजने का निर्देश दिया है। जैसे-जैसे पार्टियां नेताओं की ताकत पर ध्यान केंद्रित करती हैं, उम्मीदवार वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय समितियों को लुभाने की कोशिश करते हैं।
पूर्व पार्षद और वार्ड सदस्य बैठकें आयोजित करते हैं और अतीत में उनके द्वारा किए गए कार्यों को उजागर करते हैं। कुछ नगरपालिकाओं में पार्टियां उम्मीदवारों की वित्तीय स्थिति की भी जांच कर रही हैं। ऐसा पता चला है।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन हर नागरिक की जिम्मेदारी : नितिका पंत

कुमरमभीम /आसिफाबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जिले भर में अराइव अलाइव सड़क सुरक्षा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत, आईपीएस ने दी।जिला एसपी ने बताया कि लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की देखरेख में यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली बहुमूल्य जनहानि को देखते हुए प्रत्येक वाहन चालक को यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है।एसपी नितिका पंत ने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने तथा चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपाय दुर्घटना के समय जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं तेज गति से वाहन चलाने, शराब के नशे में ड्राइविंग, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। इन सभी आदतों से दूर रहकर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।जिला एसपी नितिका पंत, आईपीएस ने नागरिकों से अपील की कि वे जिम्मेदारी से वाहन चलाएं, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें, ताकि सभी लोग सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

किनवट में भाजपा की नगरपालिका चुनावी जीत पर पटाखों और लड्डू वितरण के साथ उत्सव

किनवट, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
किनवट भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अयनेनीवार के नेतृत्व में, शहर के जीजामाता चौक पर भाजपा की जीत का जश्न पटाखे फोड़कर और लड्डू बांटकर मनाया गया।
यह उत्सव विधायक भीमराव केराम और जिला अध्यक्ष अधिवक्ता किशोर देशमुख के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह देखने को मिला।
इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है और राज्य की जनता ने विकास और सुशासन के लिए जाने जाने वाले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है।

इस अवसर पर पूर्व नगराध्यक्ष व्यकटराव नेम्मानिवार, नप गुट नेता श्रीनिवास नेम्मानिवार, बालकृष्ण कदम, सुनील मच्छेवार, विश्वास कोल्हारीकर, सतीश बिराजदार, नगरसेवक संतोष मरास्कोल्हे, जयराज वर्मा, शिवा अंधाले, गौरव इटकेपेलिवार, राजेंद्र भतनसे, राहुल दरगुलवार, जगदीश तिरमनवार, शैलेश गटलेवार, प्रमोद पाहुरकर, सागर पिसारिवार, सुरेश सकपेलिवार, सुगत नागराले, संतोष कनके, पुनमताई दीक्षित, शेख खलील, मनोहर ताटे, हौसाजी काकड़े, विमर्श पाटिल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।
इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि भाजपा की जीत जनता के विश्वास का प्रमाण है और उन्होंने आने वाले समय में भी जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मंचेरियाल के लक्सेट्टीपेट के शबरीमाला तीर्थयात्री दम्पत्ति की तमिलनाडु में सड़क हादसे में मौत

मंचेरियाल, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
एक दुखद घटना में केरल के सबरीमाला तीर्थयात्रा पर गए लक्सेट्टीपेट कस्बे के एक दंपति की तमिलनाडु के कन्याकुमारी कस्बे में गुरुवार शाम को सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।
परिवार और पुलिस के अनुसार, कन्याकुमारी कस्बे के बाहरी इलाके में रात करीब 9 बजे सड़क पार करते समय किराना दुकान के मालिक कलाकुर्थी सत्यनारायण (63) और उनकी पत्नी रमादेवी (59) गंभीर रूप से घायल हो गए। वे शबरी स्थित अय्यप्पा स्वामी मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। उनके परिवार में दो बेटियां हैं।

दंपति ने अय्यप्पा भक्तों के साथ 6 जनवरी को एक निजी बस किराए पर लेकर तीर्थयात्रा शुरू की। उन्होंने प्रसिद्ध अय्यप्पा मंदिर में दर्शन किए और मंचेरियाल लौट रहे थे।

कोपा डेल रे : रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से हराकर बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

कैंटाब्रिया,16 जनवरी (एजेंसियां) ।

बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को दूसरे डिवीजन की शीर्ष टीम रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से मात दी और क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में दूसरे हाफ में फेरान टोरेस और युवा स्टार लामिन यामल के गोल ने बार्सिलोना को कड़ी चुनौती के बाद जीत दिलाई। एल सार्दिनेरो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। मैच का पहला गोल 66वें मिनट में आया, जब फेरान टोरेस ने आफसाइड ट्रैप को चकमा देते हुए बेहतरीन टाइमिंग के साथ थ्रू बाल पर दौड़ लगाई, गोलकीपर जोकिन एज़किएटा को छकाकर गेंद खाली नेट में डाल दी। स्टापेज टाइम में रेसिंग सैंटेंडर के मानेक्स लोज़ानो ने बेहद आसान मौका गंवा दिया। इसके तुरंत बाद बार्सिलोना ने तेज काउंटर अटैक से मुकाबला पूरी तरह अपने नाम कर लिया। राफिन्हा के लो क्रास पर लामिन यामल ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और टीम की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों की सूची में शामिल हो गया है, जिसमें एथलेटिक बिलबाओ, अलावेस, अल्बासेटे, एटलेटिको मैड्रिड, रियल बेटिस, रियल सोसिडाड और वेलेंसिया पहले से मौजूद हैं। स्पेनिश फुटबाल फेडरेशन क्वार्टरफाइनल ड्रा सोमवार को करेगा, जबकि मुकाबले 3 से 5 फरवरी के बीच खेले जाएंगे।

रियल मैड्रिड के लोअर लीग की टीम अल्बासेटे से हारने के बाद बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने किसी भी तरह की चूक से बचने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम मैदान में उतारी। शुरुआती दौर में बार्सिलोना ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन रेसिंग सैंटेंडर ने कड़ा मुकाबला दिया। पहले हाफ में दानी ओल्मो ने एक आसान मौका गंवाया, जबकि बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया ने कैमार सुलेमान के शाट पर शानदार प्रतिक्रिया देते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। फेरान टोरेस के गोल के बाद भी मुकाबला रोमांचक बना रहा, जब एज़किएटा ने 80वें मिनट में फर्मिन लोपेज और सब्स्टीट्यूट राबर्ट लेवांडोव्स्की के शाट्स पर लगातार दो शानदार बचाव किए। मैच के अंतिम क्षणों में रेसिंग सैंटेंडर ने दो बार गोल करने का दावा किया, लेकिन दोनों ही मौकों पर आफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिए गए। इसके बाद लोज़ानो के चूके हुए मौके का बार्सिलोना ने पूरा फायदा उठाया और यामल के गोल के साथ अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली।

न्यूज ब्रीफ

वीमेंस हंड्रेडः स्मृति मंधाना मैनचेस्टर सुपर जायंट्स से जुड़ीं, आगामी सीजन में आएंगी नजर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आगामी वीमेंस हंड्रेड

टूर्नामेंट के लिए मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने साइन कर लिया है। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इस बड़े करार की आधिकारिक घोषणा की। मंधाना के टीम से जुड़ने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। स्मृति मंधाना इससे पहले 2021 से 2024 तक हंड्रेड लीग के चार सीजन खेल चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने साउदर्न ब्रेव की ओर से 29 पारियों में 676 रन बनाए। अपनी आक्रामक लेकिन आकर्षक बल्लेबाजी के लिए पहचानी जाने वाली मंधाना लीग की सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। अब तक वीमेंस हंड्रेड में कुल छह भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले चुकी हैं। इस सूची में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर, अनुभवी आलराउंडर दीप्ति शर्मा, विस्फोटक ओपनर शेफाली वर्मा, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष और मध्यक्रम की भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स शामिल हैं। स्मृति मंधाना भी इस प्रतिष्ठित सूची का अहम हिस्सा रही हैं। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने स्मृति मंधाना के अलावा आस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को भी अपनी टीम में शामिल किया है। मेग लैनिंग इससे पहले लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हंड्रेड टूर्नामेंट में खेले गए 18 मुकाबलों में लैनिंग ने 132.08 की स्ट्राइक रेट से 457 रन बनाए हैं। इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के टीम में शामिल होने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को आगामी वीमेंस हंड्रेड सीजन में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

नेपाल ने टी-20 विश्व कप के लिए पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान हार्वी को बनाया गेंदबाजी सलाहकार

काठमांडू। नेपाल क्रिकेट संघ ने 2026 के टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिए आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज इयान हार्वी को पुरुष टीम का गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। अपनी गेंदबाजी में विविधता और गति में बदलाव के लिए मशहूर 53 वर्षीय इयान हार्वी नेपाल की कोचिंग टीम में शामिल होंगे। वह वर्तमान मुख्य कोच स्टुअर्ट ला के नेतृत्व में काम करेंगे। इयान हार्वी का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने आस्ट्रेलिया के लिए 73 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 85 विकेट लिए और 715 रन बनाए। वह 2003 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे थे। खेल से संन्यास लेने के बाद हार्वी ने कोचिंग में भी अपनी पहचान बनाई और इंग्लिश काउंटी क्लब ग्लूस्टरशायर के कोच के रूप में सेवाएं दीं। नेपाल की टीम 2026 टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 8 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

शुभमन के बचाव में उतरे गुजरात टाइटंस के सीओओ

कोलकाता। गुजरात टाइटंस के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) कर्नल अरविंदर सिंह ने टीम के

कप्तान शुभमन गिल का बचाव करते हुए कहा कि टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिलना एक छोटा सा झटका है और उन्होंने इसे स्वीकार किया है। वह अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देंगे। साथ ही कहा कि इस प्रकार के अवसर हर एक खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। शुभमन इससे सबक लेते हुए एक बेहतर खिलाड़ी बनेंगे। गौरतलब है कि टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन को पहले टी20 प्रारुप में भी उपकप्तान बनाया गया था पर विश्वकप के ठीक पहले उन्हें बाहर कर दिया गया था। सिंह ने कहा कि शुभमन अब अपने प्रदर्शन से टी20 टीम में वापसी करेंगे। सिंह ने कहा, ये छोटे झटके हैं जो किसी भी खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। उन्होंने अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं। और उन्हें जानने के बाद मैं इतना ही कह सकता हूं कि वह और भी बेहतर होकर वापसी करेंगे। गौरतब है कि शुभमन का प्रदर्शन टी20 प्रारुप में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने पिछले 15 मैच में केवल 291 रन ही बनाये है। इसी कारण चयनकर्ताओं ने शीर्ष क्रम में उनकी जगह पर संजू सैमसन को अवसर दिया है। सिंह ने कहा कि शुभमन की क्षमताओं पर किसी को कोई संदेह नहीं है। वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत खिलाड़ी हैं।

प्रो रेसलिंग लीग 2026 : ओपनिंग डे पर पंजाब रायल्स की जीत, यूपी डोमिनेटर्स को 5-4 से हराया

नोएडा,16 जनवरी (एजेंसियां) ।

प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के पांचवें सीजन की शानदार शुरुआत गुरुवार रात नोएडा इंडोर स्टेडियम में हुई। उद्घाटन मुकाबले में पंजाब रायल्स ने रोमांचक संघर्ष में यूपी डोमिनेटर्स को 5-4 से हराकर दो अहम अंक अपने नाम किए। यह प्रतिष्ठित लीग 15 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक खेली जाएगी। पहले दिन कुल नौ मुकाबले खेले गए, जिसमें पंजाब रायल्स ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। पंजाब के चंदरमोहन को शानदार शुरुआत दिलाने के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया, जबकि यूपी डोमिनेटर्स की निशा दहिया को पंजाब की कप्तान एना गोडिनेज पर 22-4 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज करने के लिए फाइटर आफ द मैच का पुरस्कार मिला।

चंदरमोहन और प्रिया मलिक ने दिलाई बढ़त

74 किग्रा पुरुष वर्ग में चंदरमोहन ने आर्मेनिया के अर्मान आंद्रेयास्यान को 12-5 से हराकर पंजाब को मजबूत शुरुआत दिलाई। 57 किग्रा महिला वर्ग में पोलैंड की राक्साना ज़ासीना ने अमेरिका की ब्रिजेट मैरी ड्यूटी को 13-6 से पराजित किया। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में चिराग छिकारा और 76 किग्रा महिला वर्ग में प्रिया मलिक ने भी जीत दर्ज कर पंजाब की स्थिति मजबूत कर दी।

यूपी डोमिनेटर्स की दमदार वापसी

यूपी डोमिनेटर्स की ओर से मिखाइलोव वासिल (86 किग्रा पुरुष), निशा दहिया (62 किग्रा महिला) और विशाल काली रमन (65 किग्रा पुरुष) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। निशा दहिया ने टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली मुकाबलों में से एक में एना गोडिनेज को तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी।

हेवीवेट में पंजाब की निर्णायक जीत

125 किग्रा वर्ग में दिनेश धनखड़ ने यूपी के जसपूरन सिंह को 3-0 से हराकर पंजाब रायल्स की कुल बढ़त पक्की कर दी और टीम को मुकाबले में निर्णायक बढ़त दिलाई। अंतिम मुकाबले में 53 किग्रा महिला वर्ग में यूपी की अंतिम पंघाल को पंजाब की हंसिका लांबा के वाकओवर के कारण जीत मिली, जिससे स्कोर 5-4 रहा।

मांजरेकर के एकदिवसीय प्रारुप को आसान कहने से सहमत नहीं हैं हरभजन

मुम्बई । पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कोई भी प्रारुप आसान नहीं होता है। हरभजन ने ये बात पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर के उस बयान को लेकर दी है। जिसमें उन्होंने कहा था कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिये था। साथ ही कहा कि एकदिवसीय प्रारुप आसान होने के कारण ही विराट उसमें खेल रहे हैं। वहीं हरभजन ने मांजरेकर के इस बयान को खारिज करते हुए कहा है कि ये उनके निजी विचार हो सकते हैं। कोई भी प्रारुप आसान नहीं होता। अगर ऐसा होता तो कोई भी एकदिवसीय में रन बना लेता। इस पूर्व स्पिनर ने कहा कि किसी भी फार्मेट में रन बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, अगर किसी प्रारुप में रन बनाना इतना ही आसान होता तब तो हर कोई रन बनाता।ये मायने नहीं रखता कि कौन किस प्रारुप में खेल रहा है। जहां तक विराट की बात है वह एक प्रारुप में खेलें या सभी में, वह एक शानदार खिलाड़ी हैं और भारत के लिए लंबे समय से मैच विजेता रहे हैं। हरभजन ने कहा कि अपने प्रदर्शन से विराट अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। मांजरेकर के सोचने का अपना तरीका हो सकता है पर मैं मानना हूं कि विराट और एकदिवसीय प्रारुप में खेल रहे खिलाड़ियों ने इस खेल को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। विराट एक अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। यहां तक कि अगर आज भी वह टेस्ट क्रिकेट खेलते तो वह हमारे मुख्य खिलाड़ी होते।वहीं इससे पहले मांजरेकर ने कहा था कि विराट अपनी कमियों, समस्याओं पर काम करने की जगह पर टेस्ट से दूर हो गये।

भारतीय फुटबालर मनीषा कल्याण पेरू की चैंपियन क्लब अलियांजा लीमा फेमेनिनो से जुड़ीं

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला फुटबाल टीम की मिडफील्डर मनीषा कल्याण ने अपने करियर में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए पेरू की चार बार की चैंपियन क्लब अलियांजा लीमा फेमेनिनो के साथ करार किया है। क्लब ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी के साइन होने की पुष्टि की।

अलियांजा लीमा फेमेनिनो ने अपने बयान में कहा, अलियांजा लीमा की महिला टीम भारतीय मिडफील्डर मनीषा कल्याण के साथ करार की घोषणा करती है। वह टीम के आक्रमण को मजबूती देंगी। मनीषा ग्रीस की क्लब पीएओके एफसी से यहां आई हैं, जहां उन्होंने यूरोपीय फुटबाल के सर्वोच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा की है।

अलियांजा लीमा फेमेनिनो मनीषा कल्याण के करियर की तीसरी विदेशी क्लब होगी। भारत में सेतु एफसी और गोकुलम केरल एफसी के लिए खेलने के बाद मनीषा ने वर्ष 2022 में साइप्रस की क्लब अपोलोन लेडीज एफसी का रुख किया था। वह यूईएफए विमेंस चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबालर बनी थीं। अपोलोन लेडीज के लिए उन्होंने 36 मैचों में 14 गोल किए।

इसके बाद 2024 में मनीषा ग्रीस की क्लब पीएओके एफसी से जुड़ीं, जहां उन्होंने 23 मुकाबलों में हिस्सा लिया और आठ गोल दागे। यूरोपीय क्लब फुटबाल में उनके निरंतर प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। अलियांजा लीमा फेमेनिनो से जुड़ने के बाद मनीषा कल्याण ने कहा, मैं यहां आकर बेहद खुश हूं। मैंने इस टीम को फालो किया है और मुझे उनका खेलने का अंदाज बहुत पसंद है। इस नई चुनौती को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। मेरा फोकस हमेशा 100 प्रतिशत देने, हर मैच जीतने और टीम को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करने पर रहेगा। मनीषा के इस करार को भारतीय महिला फुटबाल के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो देश की खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर नए अवसर खोलता है।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नजमुल से सार्वजनिक रुप से माफी मांगने कहा

ढाका। बांग्लादेश में क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक नजमुल इस्लाम के वित्तीय प्रुमख के पद से इस्तीफे के बाद भी क्रिकेटरों का गुस्सा कम नहीं हुआ है। क्रिकेटरों ने नजमुल की अपमानजनक टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उनसे सार्वजनिक रुप से माफ मांगने की मांग की है। इससे पहले बीसीबी ने नजमुल को अपनी वित्त समिति के प्रमुख पद से भी हटा दिया था। इसके बाद भी क्रिकेटरों की नाराजगी समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने साफ कहा है कि नजमुल को सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी होगी। इसके बाद ही खिलाड़ी खेलने के लिए उतरेंगे। इससे बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के मुकाबले भी रुक गये हैं। गत दिवस क्रिकेटरों के बहिष्कार के कारण दोनो मैचों को स्थगित करना पड़ा था। नजमुल को बीसीबी की वित्तीय कमिटी के चेयरमैन पद से तो हटा दिए गए हैं पर वह अभी भी बोर्ड निदेशक के पद पर अभी भी बने हुए हैं पर माना जा रहा है कि क्रिकेटरों के बहिष्कर को देखते हुए उन्हें इस पद से भी हटाया जाना तय है। वहीं क्रिकेटर्स वेल्फेयर असोसिएशन आफ बांग्लादेश ने कहा है कि नजमुल के सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के बाद ही वे खेलने लौटेंगे।

सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हुए

मुम्बई,16 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के स्पिन आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर एकदिवसीय के बाद अब टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये है। सुंदर को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। इस कारण वह दूसरे और तीसरे एकदिवसीय से भी बाहर हो गये थे। वहीं अब वह टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक पसली की चोट से नहीं उबर पाये हैं।

टी20 विश्व कप 2026 में खेलना भी संदिग्ध

वडोदरा में एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के दौरान ही उन्हें ये चोट लगी थी। अभी ये तय नहीं है कि सुंदर टी20 विश्व कप 2026 में खेल पायेंगे या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरु हो रही है। वहीं विश्वकप अगले माह 7 फरवरी से खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार सुंदर का अभी ठीक होने में समय लगेगा। अभी ये पता नहीं चला है कि वह टी20 विश्व कप से पहले पूरी तरह से ठीक हो पाएंगे या नहीं। वह शनिवार को रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में पहुंचेंगे। उसी के बाद पता चलेगा कि उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा।

सुंदर की जगह आयुष बडोनी को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। बडोनी बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। अब देखना है कि उन्हें टी20 सीरीज में भी जगह मिलती है या नहीं

सुंदर के चोटिल होने के साथ ही विश्वकप से पहले टीम को दूसरा झटका लगा है। इससे पहले तिलक वर्मा भी चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद 23 जनवरी को रायपुर में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी जबकि 28 जनवरी को चौथा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

यूपी वारियर्ज़ की पहली जीत के बाद बोलीं हरलीन देओल- मैंने सिर्फ टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया

मुम्बई,16 जनवरी (एजेंसियां) ।

यूपी वारियर्ज़ ने गुरुवार रात महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते हराया। इस मुकाबले में पहले गेंदबाज़ों के अनुशासित प्रदर्शन ने जीत की नींव रखी, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को 20 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन तक सीमित कर दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वारियर्ज़ की जीत की सबसे बड़ी नायिका हरलीन देओल रहीं। उन्होंने 39 गेंदों में 64 रनों की संयमित और प्रभावशाली पारी खेली। हरलीन ने बेहतरीन टाइमिंग और संतुलन के साथ खासकर आफ साइड में आकर्षक शाट लगाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

मैच के बाद हरलीन देओल ने कहा, पहली जीत मिलना बहुत अच्छा लग रहा है और मैं टीम के लिए खुश हूं। पिछले मैच में भी मुझे लगा था कि मैं अच्छी बल्लेबाज़ी कर रही हूं, इसलिए तैयारी में ज्यादा कुछ बदलने की जरूरत नहीं थी। कभी-कभी उसी दिन सब कुछ सही हो जाता है और कुछ गेंदें बाउंड्री के लिए चली जाती हैं। पहली पारी में विकेट थोड़ा मुश्किल था, लेकिन बाद में बल्लेबाज़ी आसान हो गई। मैंने बस यही सोचा कि टीम के लिए सबसे बेहतर तरीके से योगदान दूं।

हरलीन देओल की बल्लेबाज़ी और विकास पर बात करते हुए मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा, हरलीन के लिए हमेशा टीम पहले और खुद बाद में रहा है, और यही सोच इस टीम में भी झलकती है। मैं हमेशा उसे एक टच प्लेयर के साथ-साथ पावर हिटर के रूप में भी देखने के लिए प्रेरित करता हूं, क्योंकि हमारा उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाना है। वह इस सीजन में हरमनप्रीत कौर के बाद अर्धशतक लगाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज़ बनी हैं, और यही हम देखना चाहते थे।

ड्रेसिंग रूम के माहौल पर अभिषेक नायर ने कहा, हमारी टीम की संस्कृति जीत या हार से नहीं बदलती। कुछ मुकाबलों में हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन क्रांति गौड़ और फोएबे लिचफील्ड जैसी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनाए रखती हैं। नतीजों से इतर सकारात्मक माहौल बहुत जरूरी होता है।

नेतृत्व की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्य कोच ने आगे कहा, टी20 क्रिकेट में मजबूत नेतृत्व बेहद जरूरी होता है और मेग लैनिंग इस मामले में शानदार रही हैं। वह हर पहलू में सक्रिय रहती हैं, टीम की ताकत और कमजोरियों को बारीकी से समझती हैं। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, उनके नेतृत्व का असर और साफ दिखाई देगा। वह इस टीम की असली बास हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

टाटा मोटर्स की सिएरा को लॉन्च से पहले ही मिल रहा ग्राहकों का प्यार

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां) । स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की नई जनरेशन सिएरा को लॉन्च से पहले ही इस एसयूवी को ग्राहकों का जबरदस्त प्यार मिला। ग्राहकों की डिमांड को देखते हुए कंपनी को अपने शुरुआती प्रोडक्शन प्लान में बदलाव करना पड़ा। टाटा मोटर्स ने शुरुआत में नई सिएरा के लिए करीब 7,000 यूनिट प्रति माह का प्रोडक्शन लक्ष्य तय किया था। हालांकि, बाजार से मिले शानदार फीडबैक और रिकॉर्ड बुकिंग के बाद कंपनी ने इसे बढ़ाकर 12,000 से 15,000 यूनिट प्रति माह कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिएरा को पहले 24 घंटे में ही 70,000 से ज्यादा बुकिंग मिली थीं। इतनी बड़ी संख्या में ऑर्डर मिलने के बाद कंपनी के सामने सबसे बड़ी चुनौती डिलीवरी में देरी को रोकने की है। अगर किसी गाड़ी का वेटिंग पीरियड ज्यादा लंबा हो जाता है, तो ग्राहक दूसरे विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। इसी वजह से टाटा मोटर्स ने प्रोडक्शन बढ़ाने का फैसला लिया है। नई सिएरा को कई इंजन विकल्पों के साथ उतारा गया है, जिसमें टर्बो पेट्रोल, नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और डीजल इंजन शामिल हैं। फीचर्स की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप, जेबीएल साउंड सिस्टम, हेड-अप डिस्प्ले, लेवल-2 एडीएएस और 360 डिग्री कैमरा जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। मजबूत डिजाइन, आधुनिक तकनीक और भरोसेमंद सेफ्टी फीचर्स के चलते सिएरा ने बाजार में आते ही हलचल मचा दी है। माना जा रहा है कि सिएरा 4.2 से 4.4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में टॉप-3 गाड़ियों में अपनी जगह बना सकती है।

मकर संक्रांति के दौरान फ्लिपकार्ट मिनट्स पर फेस्टिव डिमांड में रिकॉर्डतोड़ बढ़ोतरी

गुरुग्राम । मकर संक्रांति के अवसर पर फ्लिपकार्ट मिनट्स ने फेस्टिव ज़रूरतों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की। 12 से 14 जनवरी 2026 के बीच, बड़ी संख्या में ग्राहकों ने आख़िरी समय की खरीदारी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का रुख किया। इस दौरान सबसे ज़्यादा डिलीवर किए गए प्रोडक्ट्स में चावल, चीनी, हवन सामग्री, दालें, मसाले और पतंगें शामिल रहीं, जिनमें चावल सबसे अधिक ऑर्डर किया गया आइटम रहा। पूजा से जुड़ी ज़रूरी वस्तुओं जैसे कपूर और अगरबत्ती की मांग में 35% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जो समय पर पर्व की तैयारियों पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है। त्योहार के दौरान सबसे ज़्यादा ऑर्डर किया गया कॉम्बो चावल, घी और गुड़ रहा। बेंगलुरु फ्लिपकार्ट मिनट्स पर आख़िरी समय की खरीदारी का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा। सुबह 9 बजे और शाम 7 से 8 बजे के बीच ऑर्डर की संख्या सबसे अधिक रही। प्लेटफॉर्म पर फेस्टिव ऑर्डर्स में मिठाइयों, पूजा सामग्री और गिफ्टिंग आइटम्स की खास भूमिका रही। इस दौरान सबसे अधिक सहभागिता और 25 से 34 वर्ष आयु वर्ग के युवा मिलेनियल्स की रही, जिन्होंने पारंपरिक आवश्यकताओं से लेकर मौसमी पसंदीदा वस्तुओं तक की खरीदारी के लिए फ्लिपकार्ट मिनट्स को चुना।

न्यूज ब्रीफ

नए कर्तव्य भवन में तैयार हो रहा केंद्रीय बजट, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करेंगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करेंगी, तो यह कई मायनों में

ऐतिहासिक क्षण होगा। यह किसी भी वित्त मंत्री द्वारा लगातार पेश किया जाने वाला नवां केंद्रीय बजट होगा, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसके साथ ही पहली बार बजट रविवार के दिन संसद में पेश किया जाएगा। इस बार बजट की एक और खास बात यह है कि इसे पहली बार कर्तव्य भवन में तैयार किया गया है। यह भवन नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा कॉम्प्लेक्स का हिस्सा है और अब वित्त मंत्रालय का नया घर बन चुका है। दशकों तक रायसीना हिल्स स्थित नॉर्थ ब्लॉक में बजट निर्माण की परंपरा रही, लेकिन महज 2.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कर्तव्य भवन युगांतकारी बदलाव का प्रतीक बन गया है। नॉर्थ ब्लॉक की लाल पत्थर की भव्य इमारत वर्षों तक बजट निर्माण की गवाह रही है, जहां कड़ी गोपनीयता के बीच युद्ध स्तर पर तैयारियां होती थीं। बजट से पहले गलियारों को सील कर दिया जाता था, प्रवेश सीमित रहता था और प्रिंटिंग प्रेस के इलाके में करीब एक हफ्ते का पूर्ण लॉकडाउन होता था। इस दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद रहती थीं। अधिकारियों के अनुसार, लगभग 200 लोग बेसमेंट में क्वारंटीन रहते थे। हालांकि इस साल भी परंपरागत हलवा सेरेमनी होगी और कुछ अधिकारी क्वारंटीन में रहेंगे, लेकिन सब कुछ एक नई और आधुनिक सेटिंग में होगा। कर्तव्य भवन की वास्तुकला नॉर्थ ब्लॉक के गुंबदों और स्तंभों से बिल्कुल अलग है।

भारत-ईयू एफटीए पर 27 जनवरी को बड़ा ऐलान संभव, दिल्ली शिखर सम्मेलन में तय होगी समझौते की रूपरेखा

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। यह घोषणा ईयू के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा (25-27 जनवरी) के दौरान, 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में होने की संभावना है। हालांकि अंतिम समझौते पर तत्काल हस्ताक्षर की संभावना कम है, लेकिन समझौते की रूपरेखा तय होने की उम्मीद है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सह-अध्यक्षता करेंगे। दोनों नेता इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी होंगे। पिछले तीन महीनों में वार्ता के 'अंतिम और सबसे कठिन चरण में रही। कुल 24 मुद्दों में से 20 पर सहमति बन चुकी है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी चर्चा चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, नेता बैठक से पहले प्रयास जारी हैं। अंतिम पैकेज में कृषि शामिल नहीं होगी। यूरोपीय आयोग ने स्पष्ट किया कि कृषि को समझौते से बाहर रखा गया है। ब्रसेल्स ने यूरोपीय वाइन और शराब पर 150% शुल्क कम करने पर भारत के साथ सहमति बनाई है। कठिन बिंदुओं में इस्पात आयात पर ईयू नीतियां और भारत के लिए कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म शामिल हैं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में बन रहा वैश्विवक आपूर्ति श्रृंखला केंद्र

भारत ने 2022 से 2027 के बीच निर्यातोन्मुख रणनीतियों को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां) । एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ने हाल ही में केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में धीरे-धीरे रणनीतिक अनिवार्यता की ओर बढ़ रहा है, जबकि विश्व अभी भी चीन पर निर्भर है। कंपनी के अनुसार भारत ने 2022 से 2027 के बीच निर्यातोन्मुख रणनीतियों को बढ़ावा दिया है और वैश्विक बाजार के अनुरूप उत्पादन और समन्वय बढ़ाया है। वर्ष 2022 में घरेलू चिप निर्माण के लिए सेमीकंडक्टर मिशन शुरू हुआ।

इसके अलावा 2023 में लैपटॉप और सर्वर के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आईटी हार्डवेयर प्रोत्साहन योजना 2.0 लागू की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि 2028 के बाद भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र और अधिक निर्यात-केंद्रित और आपूर्ति श्रृंखला में अपरिहार्य बन सकता है। वहीं चीन की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता अभी भी अधिक है। चीन ने 1980 के दशक में वैश्विक ब्रांडों का विनिर्माण शुरू किया, 1990 के दशक में घरेलू कंपनियों का निर्माण किया और 2000 के दशक में श्याओमी, वीवो, ओपो और हुआवेई जैसे ब्रांड वैश्विक स्तर पर उभरे। चीन की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत में शून्य आयात शुल्क, तैयार प्लग ऐंड प्ले इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम लागत वाली पूंजी और सरकारी अनुदान शामिल हैं। कंपनी का निष्कर्ष है कि भारत की रणनीति धीरे-धीरे और चरणबद्ध रही है, जबकि चीन की नीतियाँ तेज़ और आक्रामक रही हैं। भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण और निर्यात को वैश्विक स्तर पर बढ़ाकर अगले दशक में आपूर्ति श्रृंखला में एक रणनीतिक खिलाड़ी बन सकता है।

कई शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कुछ जगह बढ़े दाम

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले दो दिनों के दौरान 4 डॉलर से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर देखने को मिला। देश के कई शहरों में तेल के दाम घटे हैं, जबकि कुछ जगहों पर मामूली बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते 24 घंटों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट

आई है। ब्रेंट क्रूड 2.76 डॉलर लुढ़ककर 63.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं, अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1 डॉलर की गिरावट के साथ 59.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की इस कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर भी दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले यानी नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 94.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। डीजल की कीमत में भी 20 पैसे की गिरावट आई है और यह 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे बढ़कर 87.81 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी उपभोक्ताओं को राहत मिली है। यहां पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 17 पैसे सस्ता होकर 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। ब्रेंट क्रूड 63 डॉलर के नीचे, नोएडा और पटना में राहत, गाजियाबाद में बढ़ोतरी देश के चार प्रमुख महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये तथा कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है।

बिटकॉइन में भारी गिरावट 90,261 डॉलर पर

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां) । पिछले साल 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1,26,210.50 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ, लेकिन इसके बाद कीमत में तेज गिरावट आई। वर्तमान में यह लगभग 90,261 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस गिरावट के दौरान घबराना सही नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक निवेशक इसे अवसर के रूप में देख सकते हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशकों को अनुशासित तरीके से बिटकॉइन की अतिरिक्त यूनिट जमा करनी चाहिए।

बिटकॉइन की कीमतों पर वैश्विक आर्थिक और नीतिगत कारक डाल रहे हैं असर

उन्होंने कहा कि गिरावट का लाभ उठाकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाए रखना फायदेमंद साबित हो सकता है। बिटकॉइन की कीमतों पर वैश्विक आर्थिक और नीतिगत कारक असर डाल रहे हैं। बैंक ऑफ जापान द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और अमेरिकी फेड द्वारा भविष्य की दरों में कटौती को लेकर सतर्क संकेतों ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई। अमेरिका में लंबे समय तक कामकाज बंद रहने से निवेशकों में सतर्कता और बढ़ गई।

अक्टूबर में रैली के बाद चौथी तिमाही में संस्थागत निवेशकों ने मुनाफावसूली की। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अत्यधिक लीवरेज वाली पोज़ीशन को समाप्त किया गया। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशक फटाफट निर्णय न लें। बाजार की अस्थिरता के बावजूद दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना और अनुशासित निवेश करना लाभकारी हो सकता है।

मिडकैप सूचकांक का कमजोर प्रदर्शन, लार्जकैप ने बढ़त बनाई

नई दिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2025 में तेजी से बढ़ते मिडकैप शेयरों ने पिछले दो साल के रुझान को पलटते हुए कमजोर प्रदर्शन किया। बीएसई मिडकैप सूचकांक वर्ष 2025 में केवल 1.1 प्रतिशत बढ़ा, जबकि 2024 में यह 26.1 प्रतिशत की तेजी दर्ज कर चुका था। यह 2019 के बाद का सबसे खराब सालाना प्रदर्शन है। कुल मिलाकर सूचकांक के 140 में से 84 शेयर (लगभग 61 फीसदी) पिछले साल गिरावट के साथ बंद हुए, जिसमें 17 शेयरों की कीमतें 30 प्रतिशत से अधिक गिरीं। इस बीच बड़े शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। बीएसई सेंसेक्स 2025 में 9.1 प्रतिशत बढ़ा, जो 2024 की 8.2 प्रतिशत की बढ़त से थोड़ी बेहतर रही। इससे साफ होता है कि निवेशकों ने जोखिम कम करने के लिए मिडकैप की तुलना में लार्जकैप शेयरों को प्राथमिकता दी। मिडकैप में अलग-अलग शेयरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर रहा। एलएंडटी फाइनेंस ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जो 133 प्रतिशत चढ़ा। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक का बाजार पूंजीकरण लगभग 58 प्रतिशत घटा। कुल मिलाकर, मिडकैप सूचकांक में 18 शेयरों ने 30 प्रतिशत या उससे अधिक की तेजी दिखाई, जिनमें से 12 शेयरों में 50 प्रतिशत या उससे ज्यादा बढ़त रही।

सर्राफा बाजार में सोने की रफ्तार पर लगा ब्रेक, चांदी ने लगातार चौथे दिन बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां) । घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की तेजी पर ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी एक बार फिर मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। चांदी ने लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। सोना 370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसके विपरीत चांदी ने भी दिल्ली सर्राफा बाजार में 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है।

कीमत में आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये से लेकर 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये से लेकर 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 2,95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आमची...

इसी तरह शरद पवार और अजित पवार के एकजुट होने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ जैसे क्षेत्रों में बीजेपी गठबंधन की जीत को रोका नहीं जा सका।

कांग्रेस अलग-अलग सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ने के बावजूद अपना पिछला प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी। जिन नगर निगमों में पहले कांग्रेस की जीत थी, वहां भी पार्टी सिमटती नजर आई।

रिस्क टेकिंग की राजनीति और उसका जवाब

प्रधानमंत्री मोदी बार-बार रिस्क लेने की राजनीति की बात करते रहे हैंऐसे फैसले, जिन्हें पिछली सरकारें चुनावी नुकसान के डर से टालती रहीं। महाराष्ट्र में बीजेपी ने इसी जोखिम भरी राजनीति को जमीन पर उतारा।लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस0शरद पवार0उद्धव ठाकरे गठबंधन ने एनडीए को झटका दिया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में वापसी के बाद बीजेपी ने चुनौती स्वीकार की और नगर निकाय चुनावों में निर्णायक जवाब दिया।लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने रणनीति बदली और हाइपर-लोकल मुद्दों पर फोकस किया। 29 बिंदुओं वाला घोषणा पत्र जारी किया गया, जिसमें सफाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। वहीं ठाकरे परिवार ने मुंबई में मराठी अस्मिता को मुख्य मुद्दा बनाया, लेकिन यह रणनीति इस बार प्रभावी साबित नहीं हुई।

आगे की राजनीति पर पड़ेगा असर

महाराष्ट्र में मिली इस जीत का असर केवल राज्य तक सीमित नहीं रहेगा। मुंबई से करीब 1600 किलोमीटर दूर रांची में भी बीजेपी कार्यालय के बाहर जश्न मनाया गया। राजनीतिक हलकों में यह सवाल उठने लगा है कि क्या इसका मनोवैज्ञानिक असर पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों के आगामी चुनावों तक पहुंचेगा।

फिलहाल इतना तय माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में बीजेपी ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि उसके खिलाफ बनाए गए गठबंधन या वैचारिक प्रयोग अब आसानी से सफल नहीं होंगे। हिंदुत्व, विकास और मजबूत नेतृत्व के त्रिकोण के साथ बीजेपी ने महाराष्ट्र की शहरी राजनीति में एक नया अध्याय लिख दिया है।

हाँ, मैं...

महाराष्ट्र इस प्रस्तावित परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान कर देगा।

विपक्ष पर निशाना और भविष्य की रणनीति

विपक्षी दल बीआरएस पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने 10 साल के शासन के दौरान तेलंगाना के लिए ''कुछ नहीं किया''। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को सलाह दी कि यदि वे राज्य सरकार को रचनात्मक सलाह नहीं दे सकते, तो ''भ्रामक बयान'' देने से बचें। रेड्डी ने मतदाताओं से आगामी नगर निकाय चुनावों में ऐसे सक्षम उम्मीदवारों को चुनने की अपील की, जो सरकार के साथ मिलकर काम कर सकें। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना में कांग्रेस 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी।

सब्र का...

जनता से भ्रामक समाचारों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए पुलिस प्रशासन ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

नेताओं का लगा ताँता

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन औवैसी, भाजपा तेलंगाना के अध्यक्ष एन.रामचंद्र राव, गोशामहल के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह, जामबाग कार्पोरेटर राकेश जायसवाल, गोशामहल कार्पोरेटर लाल सिंह, जियागुडा कार्पोरेटर बी. दर्शन, गोलकोंडा जिला भाजपा अध्यक्ष टी. उमा महेंदर, मंगलहाट पार्षद शशिकला, मोंडा मार्केट पार्षद कोंतम दीपिका, अमीरपेट पार्षद केटिनेनी सरला, बीजेवाईएम नेता लड्डू यादव, बेगमबाजार युवा नेता अविनाश देवडा आदि ने घटनास्थल का दौरा किया।

संघ परिवार...

हुए हैं और हैदराबाद को चेहरा पहचानने वाली तकनीक समेत सर्वश्रेष्ठ निगरानी तंत्र होने का दावा किया जाता है।

1980-90 के दशक का दंगाई इतिहास दोहराना नहीं चाहते

ऐसी घटनाएँ बिल्कुल नहीं होनी चाहिए, खासकर उस विशेष स्थान पर। यही वह जगह है, जहाँ 1980 और 1990 के दशक में सांप्रदायिक हिंसा की दुखद घटनाएँ हुई थीं। मेरी पार्टी और मैंने व्यक्तिगत तौर पर काफी प्रयास किए हैं ताकि सांप्रदायिक दूरियाँ मिटें और स्थानीय समुदाय ने भी मेरा साथ दिया है, लेकिन एक विशेष राजनीतिक पार्टी से जुड़ी ताकतें ऐसा नहीं चाहतीं कि हैदराबाद में शांति मज़बूत हो।

पुलिस समय रहते करे कार्रवाई, शहर को तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ने दें

औवैसी ने कहा, 'स्थानीय पुलिस को अब और देर नहीं करनी चाहिए। मेरी अपील उस इलाके और पूरे हैदराबाद की जनता से है कि हमें ऐसी घटनाओं की बिल्कुल ज़रूरत नहीं है। हमें एक शांतिपूर्ण हैदराबाद चाहिए ताकि यह शहर तेज़ी से तरक्की कर सके।'

राजा-राम...

उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी इस ऐतिहासिक मंदिर को निशाना बनाने की कोशिश हुई थी। राजा सिंह ने हाल ही में सफीवगुडा स्थित कट्टा मैसम्मा मंदिर का हवाला देते हुए कहा कि वहाँ जनता ने आरोपी को पकडकर पुलिस के हवाले किया था, लेकिन पुलिस उसे पागल ठहराकर मामले पर पानी फेर रही है। उन्होंने ताजा घटना के आरोपी को लेकर भी ऐसा ही तर्क दिये जाने की आशंका जताते हुए कहा कि अब ऐसा नहीं चलेगा।

पृथक सिकंदराबाद...

के अधिकार क्षेत्र में क्यों स्थानांतरित किया गया?'' उन्होंने लोगों से अपील की कि सिकंदराबाद नगर निगम के गठन की मांग के समर्थन में हर घर से एक व्यक्ति इस रैली में शामिल हो।

अधूरे चुनावी वादे और रैली में केटीआर की उपस्थिति

सरकार की आलोचना करते हुए विधायक ने कहा कि चुनाव से पहले किए गए 'तुला भर सोना' और महिलाओं को '2500 रुपये प्रति माह' जैसे वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस शांति रैली में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। तलसानी ने व्यापारिक संगठनों, श्रमिक संघों, स्वयंसेवी संस्थाओं और मीडिया प्रतिनिधियों से गांधीवादी तरीके से सरकार पर दबाव बनाने के लिए इस रैली में भाग लेने का आग्रह किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'लश्कर जिला साधना समिति' के अध्यक्ष गुर्रम पवन कुमार गौड़ और महासचिव साडम बालराज यादव भी उपस्थित थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 17 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

समाज भूषण अलंकरण से सम्मानित हुए उद्योगपति बिजय मानधनी

समाज के लिए गर्व का विषय : रमेश बंग

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा जोधपुर, राजस्थान में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन-2026 में हैदराबाद के प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी बिजय मानधनी को समाज भूषण अलंकरण से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अलंकरण उत्कृष्ट समाज सेवा एवं सफल उद्यमिता के लिए प्रदान किया गया। महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन एवं तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के परामर्शदाता रमेश कुमार बंग ने बिजय मानधनी की इस उपलब्धि को समाज के लिए गर्व का विषय बताया। यह सम्मान राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसन राव बागड़े, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एम. आर. माहेश्वरी, पूर्व न्यायाधीश जस्टिस दिनेश माहेश्वरी तथा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप काबरा के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया।

बिजय मानधनी को समाज भूषण अलंकरण से नवाजे जाने पर हैदराबाद सहित संपूर्ण माहेश्वरी समाज में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन में भाग लेकर हैदराबाद लौटने पर बंजारा हिल्स, रोड नंबर014 स्थित मानधनी हाउस में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के परामर्शदाता रमेश कुमार बंग एवं महामंत्री अमित लड्ढा ङ्गगग्गूफ ने उद्योगपति बिजय मानधनी को समाज भूषण अलंकरण से सम्मानित होने पर बधाई दी एवं उनका अभिनंदन किया।

समाज के विभिन्न संगठनों ने किया अभिनंदन

सम्मान समारोह में तेलंगाना0आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष नवल किशोर बंग, आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़, निदेशकगण सीए अल्का हाँवर, कविता तोष-णीवाल, देवेंद्र झंवर, कैलाश मंत्री, रूपेश सोनी, दीपक कुमार बंग, पवन कुमार लोहिया, मुकुंदलाल बाहेती, विनोद कुमार बंग, मनोज लोया एवं अमित लड्ढा ने भी बिजय मानधनी का सम्मान किया।

इसके अतिरिक्त माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, कबूतरखाना (माहेश्वरी विद्यालय) की ओर से उपाध्यक्ष श्रीगोपाल बंग, अनूप कुमार चांडक, सुमेश कुमार बंग, महेश बजाज, सीए पवन भट्टड़, राज बंग, संतोष अग्रवाल, तुषार अग्रवाल एवं राजेश तोष्णीवाल सहित अन्य गणमान्यजनों ने समाज भूषण बिजय मानधनी का अभिनंदन किया।

यह सम्मान पूरे माहेश्वरी समाज का गौरव

अवसर पर रमेश कुमार बंग ने बिजय मानधनी द्वारा की जा रही समाज सेवा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बिजय मानधनी से युवाओं एवं उद्यमियों को प्रेरणा लेकर समाज सेवा के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन में समाज भूषण अलंकरण की यह उपलब्धि केवल बिजय मानधनी की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज की उपलब्धि है और समाज को इस पर गर्व है।समारोह में उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने बिजय मानधनी को उद्योग जगत में नए आयाम स्थापित करने तथा समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर अग्रसर रहने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

पहाडी श्याम मन्दिर के चेयरमैन एवं समाज सेवी अरुण डाकोतिया एवं मंजू डाकोतिया ने पहाडी श्याम मन्दिर में दर्शन लाभ प्राप्त किए। अवसर पर बधाई देते हुए प्रवीण अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल नाचारम एवं प्रवीण अग्रवाल नाचारम।

आइए, राधे-राधे ग्रुप से जुड़ें : तेजप्रकाश अग्रवाल

हैदराबा , 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को केबीआर पार्क परिसर में सेवा कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए तेजप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि हैदराबाद जैसे महानगर में राधे-राधे ग्रुप जिस समर्पण भाव से निर्धन और जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था कर रहा है, वह वास्तव में प्रशंसनीय और प्रेरणादायक है।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव, जाति, धर्म या सामाजिक स्थिति को देखे हर जरूरतमंद तक भोजन पहुंचा रहा है। यह सेवा केवल पेट भरने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता को सशक्त करने का माध्यम है।

तेजप्रकाश अग्रवाल ने शहरवासियों से इस पुण्य सेवा से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव तभी संभव है जब हम सब मिलकर ऐसे निस्वार्थ सेवा कार्यों में भागीदारी करें।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, उमाकांतजी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, रणधीर, तेजप्रकाश अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा तथा राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा में सहयोग प्रदान किया।

पंजाबी सेवा समिति, हैदराबाद की लोहड़ी सगणा दी 18 को

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 1998 में स्थापित पंजाबी सेवा समिति दो शहरों में बसे पंजाबी समुदाय को एक सूत्र में पिरोने और पंजाबी परंपराओं की समृद्ध विरासत को संरक्षित तथा उत्सवधर्मिता के साथ आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक सांस्कृतिक शक्ति बनी हुई है। समिति इन वर्षों में सांस्कृतिक गौरव, सौहार्द और सेवा का प्रतिनिधि प्रतिष्ठान बन चुकी है।

सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ समिति सामाजिक सरोकारों में भी गहराई से जुड़ी हैपरिचय सम्मेलन, निशुल्क चिकित्सा शिविर, भोजन वितरण और माता की चौकी जैसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं।

इस समय समिति की कमान अध्यक्ष दीपक कुमार जैरथ एवं उनकी टीम के हाथों में है, जिनके नेतृत्व में संगठन नव-उत्साह और दृढ़ उद्देश्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उनके मार्गदर्शन में आयोजित 27वीं लोहड़ी सगणा दी परंपरा, उत्कृष्टता और सामूहिक सरोकारों की अनूठी सांगम है।

समिति 18 जनवरी 2026 को सिकंदराबाद के टिवोली गार्डन में अपनी 27वीं लोहड़ी सगणा दी धूमधाम से मना रही है। यह उसके गौरवशाली सफर का एक और अहम

पड़ाव है। मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल, आईएएस की उपस्थिति आयोजन को असाधारण प्रतिष्ठा और गरिमा प्रदान कर रही है।इस शुभ अवसर पर पंजाबी सेवा समिति अपने सम्मानित संरक्षक रवि ओहरी जी, श्री डी. एन. गौरी जी, रमेश पस्सी जी और प्रेम कपूर जी के प्रति गह्न आभार व्यक्त करती है, जिनकी निरंतर भौतिक भागीदारी, उदार आर्थिक सहयोग और अटूट प्रोत्साहन समिति की दीर्घकालीन सफलता की नींव रहे हैं।

समिति अपने संस्थापक अध्यक्ष रमेश पस्सी जी, स्वर्गीय हीरालाल ठक्कराल जी, स्वर्गीय चिमन लाल गुलाटी जी तथा पूर्व अध्यक्षों सुरेश मेहरा जी, पाल शर्मा जी, श्री योगेश सरपाल जी, परदीप लूम्बा जी, सुनील पुरी जी, विनीत अरोड़ा जी और श्री उमेश ठक्कराल जी की दूरदर्शी नेतृत्व, अथक परिश्रम और निस्वार्थ समर्पण को सादर नमन करती है। इन सभी के प्रयासों ने समिति को वर्तमान ऊँचाई तक पहुँचाया और भविष्य की प्रगति के लिए एक मज़बूत आधार तैयार किया।

स्मार्ट किड्स स्कूल का वार्षिकोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाज़ार स्थित स्मार्ट किड्स स्कूल द्वारा आयोजित एनुअल डे सेलिब्रेशन किंग कोठी स्थित भारती विद्या भवन में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नैना जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि ऑगस्टा जायसवाल रहे। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन सुनील व्यास, डायरेक्टर शोभा व्यास एवं राधिका व्यास सहित अन्य गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, नाट्य प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अभिभावकों एवं अतिथियों ने बच्चों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता की सराहना की।

मुख्य अतिथि नैना जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संस्कारों के विकास के लिए बधाई दी।

चेयरमैन सुनील व्यास एवं डायरेक्टर शोभा व्यास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्मार्ट किड्स स्कूल बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया तथा आयोजन की सफलता पर विद्यालय परिवार को बधाइयाँ दी गईं।

शिवप्रताप मदनगोपाल बंग के निवास कबूतर खाना में संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी देखने पहुंचे जियोल डेविस (आईपीएस) ट्रैफिक पुलिस कमिश्नर, पी. उदय कुमार (आईएएस) मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरोग्यश्री, कौशिक रेड्डी विधायक के साथ रमेश कुमार बंग, श्रीगोपाल बंग, दीपक बंग, राज बंग, मनमोहन बंग, श्याम बंग, कृष्णा बंग, सुमित राठी, रवि हेड़ा, वीरेन शाह, गोपेश बंग एवं अन्य।

शिव महापुराण कथा के अंतर्गत धूमधाम से मना शिव बारात महोत्सव

वाराणसी, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन नगरी वाराणसी स्थित कैलाश मठ में आयोजित सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के चतुर्थ दिवस का आयोजन अत्यंत भक्ति, उत्साह एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोषानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने कथा श्रवण कर पुण्यलाभ प्राप्त किया।

चतुर्थ दिवस के प्रवचन में पूज्य महाराज श्री ने गुरु दीक्षा के महत्व पर चेतना जाग्रत करने वाला प्रसंग प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य गुरु दीक्षा ग्रहण नहीं करता, उसका जीवन अधूरा रह जाता है और शास्त्रों के अनुसार ऐसा जीव अधोगति की ओर अग्रसर होता है।

महाराज श्री ने स्पष्ट किया कि मनुष्य जन्म केवल भोग के लिए नहीं, बल्कि भक्ति, साधना एवं मोक्ष की प्राप्ति के लिए है। यदि इस जीवन में भक्ति नहीं की गई, तो यह अमूल्य जन्म निरर्थक चला जाता है।

प्रवचन के दौरान पूज्य महाराज श्री ने कहा कि आज भी यदि मनुष्य वैदिक जीवन पद्धतिसदाचार, संयम, भक्ति एवं गुरु मार्गदर्शनको अपना ले, तो वह परम सुख, शांति एवं संतोष को प्राप्त कर सकता है। वैदिक संस्कृति मानव जीवन को सही दिशा देने वाली अमूल्य धरोहर है।

कथा के दौरान शिव–पार्वती विवाह एवं भगवान शिव की अद्भुत और अलौकिक शिव बारात का अत्यंत रोचक, भावपूर्ण एवं भक्तिरस से परिपूर्ण वर्णन किया गया।

शिवगणों, भूत–प्रेतों, देवताओं एवं विचित्र पात्रों से सजी भगवान शिव की बारात का वर्णन सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। विवाह उत्सव भजन–कीर्तन, नृत्य एवं हर–हर महादेव के जयघोष के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, जिससे संपूर्ण कथा परिसर शिवमय हो गया।

इस पावन कथा के आयोजक– रामाअवतार राजेंद्र शर्मा जी एवं महेंद्र शर्मा जी

(आश्रित परिवार), शक्कर कोटा, चारकमान, हैदराबाद द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नित्य प्रसादी भंडारा एवं उत्तम व्यवस्थाएं की गई हैं।

सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा आगामी दिनों तक प्रतिदिन जारी रहेगी, जिसमें श्रद्धालुओं को शिव महिमा से जुड़े दिव्य, आध्यात्मिक एवं कल्याणकारी प्रसंगों का श्रवण प्राप्त होगा।

कथा का नित्य लाइव प्रसारण पूज्य महाराज श्री के आधिकारिक यूट्यूब चैनल

स्वामी अशुतोषानंद पर किया जा रहा है।

सेवा का अर्थ राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद : नीतीश अग्रवाल

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से संचालित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, निराश्रितों एवं श्रमिकों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नीतीश अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संस्था नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुणा और मानवता की जीवंत पहचान है। यहाँ सेवा बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव या प्रचार के की जाती है, यही इस संगठन की सबसे बड़ी विशेषता है।उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक भोजन और सहयोग पहुँचाना ही सच्ची सेवा है और राधे–राधे ग्रुप इसी भावना के साथ लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने गर्व व्यक्त किया कि वे इस सेवा परिवार से जुड़े हैं और आगे भी इस सेवा यात्रा में सहभागी बने रहेंगे।

आज की सेवा स्वर्गीय श्रीमती सोनम अग्रवाल जी मित्तल की पुण्य स्मृति में सोनम मित्तल वूमेन वेल्फेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकंदराबाद की ओर से समर्पित की गई। ट्रस्ट की ओर से यह अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजकों ने कहा कि सोनम अग्रवाल जी मित्तल के सेवा, करुणा और सामाजिक सरोकारों के मूल्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह सेवा की गई।इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई–जगन (चम्पापेट), गौरव गोयल, बरखा गोयल, मयारामजी अग्रवाल, गोपाल गोयल, जयप्रकाश सारडा, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगतराम गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा, नीतीश अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल एवं अनुराग अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल थे। इसके अतिरिक्त राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

आगामी एक फरवरी को हरियाणा भवन पैराडाइज पर आयोजित होने वाले मां बनभौरी वाली जी के 8वें अमृतमहोत्सव में भाग लेने के लिए पवन गुरु, पार्षद राकेश जयसवाल, पूर्व पार्षद श्रीमती रेणु सोनी, महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड, वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी को आमंत्रित करते हुए संस्था के सुशील मित्तल और रमेश मित्तल।

श्री खेमदास जी मठ में नवनिर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा 19 से

प्रतिष्ठित अतिथियों को दिया गया सादर आमंत्रण

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास जी मठ, हैदराबाद में नवनिर्मित पंडित श्री गणेश नारायण जी (बावलिया बाबा), महासर माता, अग्रसेन जी महाराज, सिद्धश्री हरिपुरुष जी महाराज, खेमदास जी महाराज एवं बालक दास जी महाराज के मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 19 से 23 जनवरी 2026 तक भव्य एवं विधिवत रूप से किया जाएगा।

इस पावन अवसर पर अतिथि रूप में– श्री गिरीश संघी (भूतपूर्व राज्यसभा सदस्य), श्री तलसानी श्रीनिवास यादव (पूर्व मंत्री एवं विधायक, सनतनगर), श्री जी. राजगोपाल (प्रिंसिपल जिला एवं सेशंस जज, खम्मम तथा अध्यक्ष, तेलंगाना जज संगठन) एवं श्रीमती स्वाति लाकरा (आईपीएस) (एडिशनल डीजीपी, ऑर्गेनाइजेशन एंड होम गाड्र्स, तेलंगाना) को सादर निमंत्रण दिया गया।

आमंत्रण देने हेतु रामनिवास बंसल, विजय कुमार अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल तथा श्री गणेश फाउंडेशन, हैदराबाद के सदस्य शिशिर केडिया, विकास मोदी, वेणुगोपाल भालोठिया, आशीष निमाणी, कृष्ण कुमार केडिया, आशीष केडिया एवं मनीष शर्मा उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठान एवं भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

पेड्डा थुंबलम जैन महातीर्थ में पूजा–अर्चना सम्पन्न

पेड्डा थुंबलम (आदोनी), 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री पार्श्वमणि पार्श्वनाथ जैन महातीर्थ, पेड्डा थुंबलम, आदोनी में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर रितेश जैन, जैनरत्न रमेश पी. तातेड के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सपरिवार भावपूर्ण दर्शन, पूजा–अर्चना एवं अष्टप्रकारी पूजा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई।इस पावन अवसर पर मूलनायक भगवान के पक्षाल एवं केसर पूजा का लाभ सुशीलभाई संचेती एवं रूमेलीभाई गुलेचा (जीता हैदराबाद, पूर्व अध्यक्ष व सचिव) ने प्राप्त किया, साथ ही तातेड परिवार को भी पुण्यलाभ प्रदान हुआ।कार्यक्रम के दौरान मूलनायक भगवान की आरती का चढ़ावा श्रीमती पुष्पाबेन जैन, जैनरत्न रमेश–गुणवंतीबेन पुखराजजी तातेड, निवासी सिकंदराबाद (सिरोही) को प्राप्त हुआ।पूजा–अर्चना में रितेश–पूनम तातेड, तपन–रीना तातेड तथा हिया, जिनय, एतांश एवं हरित सहित परिवारजन उपस्थित रहे। संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण रहा।

निरंजनी सम्प्रदाय आचार्य एवं श्रीमद् द्वाराचार्य सांवरदेवाचार्य महाराज का नगर गमन पर भव्य स्वागत

श्री खेमदास जी मठ, भाग्यनगर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर विशेष आगमन

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास जी मठ, हैदराबाद में आयोजित मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पावन अवसर पर निरंजनी सम्प्रदाय के आचार्य एवं श्रीमद् द्वाराचार्य सांवरदेवाचार्य महाराज का मठ में शुभ पदार्पण हुआ। उनके नगर गमन पर मठ परिसर में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में भव्य स्वागत किया गया।सांवरदेवाचार्य महाराज इस अवसर पर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, श्री महासर माता जी, वचन सिद्ध हरिपुरुष जी महाराज, श्री खेमदास जी महाराज, बालकदास जी महाराज, परमहंस संत पंडित गणेश नारायण जी महाराज (बावलिया बाबा) तथा अग्रसेन जी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के महा समारोह में भाग लेने हेतु पधारे हैं।आचार्य सांवरदेवाचार्य महाराज के आगमन पर मठ परिसर में भक्तों द्वारा पुष्पवर्षा, जयघोष एवं पारंपरिक स्वागत किया गया। इस पावन अवसर पर श्री खेमदास जी मठ के महंत डॉ. मनु दास की गरिमामयी उपस्थिति

रही।समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिकों में शशीकांत जी अग्रवाल, राजकुमार जी अग्रवाल, विकास मोदी, गोपाल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, नवरतन अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, मनीष जी अग्रवाल, मनोज सिंह सहित अनेक प्रमुख व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पुजारी धर्मदास स्वामी, राजेश शर्मा सहित विद्वान पंडितों द्वारा मंगलाचरण एवं गुरु पूजा का विधिवत आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार से संपूर्ण मठ परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त इस अवसर के साक्षी बने।

समारोह के अंत में चेतन, स्वामी एवं अक्षय स्वामी ने उपस्थित सभी संत–महात्माओं, अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत आगामी दिनों में भी विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनने का आग्रह किया गया।

हैदराबाद में जनजातीय चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा दो दिवसीय जनजातीय चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 16 एवं 17 जनवरी 2026 को कान्हा शांति वनम, हैदराबाद में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा में जनजातीय चिकित्सकों का एकीकरण रहा।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में सीसीआरएएस–राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान विरासत संस्थान, हैदराबाद ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष आयुष प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह प्रदर्शनी राज्य औषधीय पादप बोर्ड तेलंगाना, राष्ट्रीय आयुष मिशन तेलंगाना, आयुष निदेशालय, तेलंगाना तथा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई।

प्रदर्शनी के माध्यम से निम्नलिखित विषयों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं: स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं एवं जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में सीसीआरएएस का योगदान विषय पर विशेष प्रदर्शनी।

आयुष सेवाएं: आयुष आरोग्य मंदिर (अअच्) में उपलब्ध विभिन्न आयुष सेवाओं की जानकारी।

औषधीय पौधे: आयुष मंत्रालय द्वारा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित औषधीय पौधों का प्रदर्शन।संवाद एवं सहभागिता: जनजातीय चिकित्सकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद तथा फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से उनके जीवन अनुभवों को साझा किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की गरिमा कई प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति से और बढ़ गई। इनमें प्रमुख रूप से– जुएल ओराम, माननीय केंद्रीय मंत्री,

दुर्गादास उइके, माननीय राज्य मंत्री, जनजातीय कार्य मंत्रालय, बलराम नायक, सांसद, महबूबाबाद, अदलूरी लक्ष्मण कुमार, माननीय जनजातीय कल्याण मंत्री, तेलंगाना सरकार तथा श्रीमती रंजना चोपड़ा (सचिव), मनीष ठाकुर (अतिरिक्त सचिव), वर्णाली डेका (निदेशक) और श्री गणेश नागराजन (उप सचिव) शामिल रहे।प्रदर्शनी और जनजातीय चिकित्सकों के साथ संवाद का आयोजन डॉ. जी.पी. प्रसाद (प्रभारी सहायक निदेशक) के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के सफल निष्पादन में डॉ. साकेत राम त्रिगुल्ला (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद) एवं के. श्रीनिवास राव (एलआईए) की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने प्रतिनिधियों और जनजातीय चिकित्सकों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया। यह कार्यक्रम जनजातीय चिकित्सकों को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

गोशमहल के विधायक टी. राजा सिंह मकर संक्रांति के पावन अवसर पर चूड़ी बाजार में पतंगेबाज़ी करते हुए। साथ में हैं मुकेश कुमार सोनी, पारस यादव, सोमराज, अविनाश देवड़ा एवं अन्य ।

दादपल्ली में डीपी लीजेंड्स ने जीता डीपीएल क्रिकेट का खिताब

दादपल्ली, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के मांचाल मंडल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत दादपल्ली एक ऐतिहासिक खेल क्षण की गवाह बनी, जब यहाँ सफलतापूर्वक आयोजित डीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में डीपी लीजेंड्स की टीम चैंपियन बनकर उभरी। स्पोर्ट्स विलेज हैदराबाद और सनाया ग्रुप द्वारा समर्थित इस दो दिवसीय, 10–ओवर के टूर्नामेंट में आठ टीमों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह दादपल्ली गाँव में आयोजित अब तक का पहला संगठित क्रिकेट टूर्नामेंट था, जिसने क्षेत्र में जमीनी स्तर के खेल विकास के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है।

स्पोर्ट्स विलेज हैदराबाद और सनाया ग्रुप, हैदराबाद ने इस टूर्नामेंट के आयोजन और समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, युवाओं की भागीदारी और ग्रामीण प्रतिभा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उन्होंने फिर से दोहराया है। उनके सहयोग ने मैचों के पेशेवर संचालन, सामुदायिक भागीदारी और गाँव व मंडल स्तर पर युवा क्रिकेटरों के प्रोत्साहन को सुनिश्चित किया। यह पहल खेल को अनुशासन, फिटनेस, एकता और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के एक उपकरण के रूप में उपयोग करने के उनके दृष्टिकोण को दर्शाती है, विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं के बीच।

डीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का यह आयोजन तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण और हाल ही में शुरू की गई तेलंगाना क्रीड़ा नीति 2025 के अनुरूप है। इस नीति का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत करना और पूरे राज्य में, विशेष रूप से जिला और ग्रामीण स्तर पर युवा प्रतिभाओं को निखारना है। राज्य सरकार की इस नीति के तहत छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन और सीएसआर भागीदारी के माध्यम से महिला एथलीटों, पैरा–स्पोर्ट्स और पारंपरिक खेलों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पहाडी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में ङ्गप्रेमी पहाड़ी श्याम केफके तत्वावधान में आयोजित ङ्गश्री श्याम आराधनाफभजन कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए भजन गायक ङ्गपंकज ओझाफ। अवसर पर भजन गायक, विशिष्ट अतिथियों एवं प्रेमी पहाड़ी श्याम के सदस्यों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी पंकज सिंगला, राहुल अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, सुरेश अग्रवाल साथ में प्रेमी पहाड़ी श्याम के सदस्य विकास, करण, रमेश जैन, उदयराम, यश, निखिल, कृष्णकांत, अभिनव, सौरव, मनीष, चिराग जैन, नीरज जैन, अमित भण्डारी, सुभाष अग्रवाल ।

मुंबई में आयोजित आदित्य बिरला ग्रुप के समारोह में आदित्य विक्रम बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम् बिरला द्वारा बिरला वाइट सीमेंट में लगातार छठी बार ङ्गऑल इंडिया नं.1 स्टाकिस्टफ का अवार्ड प्राप्त करते हुए नगरद्वय के कोठारी एजंसीज के मालिक सुरेश कोठारी ।

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने आई.जी. पुलिस ए. नरसिम्हा, जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, पवन जैन, पारसमल रांका, उत्तमचंद अलीजार, महावीर अलीजार, अशोक बोहरा, सम्राट बोहरा, प्रणय जैन, हरीभाई मायछ आदि को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, मनसुख पटेल, वसंत पटेल, अशोक पटेल, रिद्धीश जागीरदार, भरत पटेल एवं अन्य ।

श्री खेमदास मठ, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार में नवनिर्मित मंदिर में19 जनवरी से 23 जनवरी तक आयोजित होने वाले मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा के अध्यक्ष सतनारायण फोगला, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना के अध्यक्ष योगेश जैन, अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, तेलंगाना सरकार के पूर्व मुख्य सचिव सोमेश कुमार, सनराइज वैली शाखा के मंत्री ललित अग्रवाल, नरसिंह गुप्ता, गौसामहल विधायक टी. राजा सिंह सहित अन्य अनेक गणमान्य व्यक्तियों को श्री गणेश फाउंडेशन की ओर से विकास कुमार केडिया, शिशिर केडिया, आशीष केडिया, अमित कुमार मोदी, पत्रकार पवन कुमार भारती एवं कृष्ण कुमार केडिया द्वारा सहर्ष निमंत्रण प्रदान किया गया।

IN THE COURT OF THE HONORABLE SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS At Hyderabad
S.OP. No: 144 of 2025

BETWEEN:

1. Mrs. Meena Batta w/o Late. Rajender Kumar Batta, aged about 70 years, Occ: House wife, R/o of H.No: 3-4-842, Flat no. 102, Rajrishi Apartments, Barkatpura, Hyderabad, Telangana.

2. Mr. Rahul Batta s/o Late. Rajender Kumar Batta, aged about 41 years, Occ: Private Service, R/o of H.No: 3-4-842, Flat no. 102, Rajrishi Apartments, Barkatpura, Hyderabad, Telangana.

3. Mrs. Ritu Wadhwa, w/o Shri Jitendra Singh Wadhwa, d/o Late. Rajender Kumar Batta, aged about 39 years, Occ: House wife, R/o of K-703, Laburnum Park, Magarpatta City, Hadapsar, Pune, Maharashtra - 411028 presently residing at Hyderabad .... PETITIONERS

AND

1. Welspun Corp. Ltd., Welspun city, village: Versamedi, Kurch Dist. Anjar, Gujarat- 370110
2. Radico Khaitan Ltd. Registered office at Bareilly road, Rampur, Uttar Pradesh - 244901
3. ALL CONCERNED .... RESPONDENTS

To,
All concerned Please take notice that the above S. OP. has been filed by the petitioners for grant of succession certificate in respect of shares kept with Secretary/ Authorised Signatory, Welspun Corp. Ltd. and Radico Khaitan Ltd., and the same is posted on 30-1-2026. If any person(s) having any objection/claims kindly appear either in person or through an advocate in the above said court at 10.30 AM on the above said date. As otherwise the matter will be decided accordingly

//BY ORDER OF THE COURT//

SD/ G JWALASREE, ADVOCATE
Flat no.402, Vamshi Residency, Sriram Nagar colony, Puppalaguda, Hyderabad - 89.
Ph.No: 8520913027

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 15817746A Hav Sandeep of Aoc Records, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from HANSKAUR to HASKOR

CHANGE OF NAME
I, No. 6948288K NK Rakesh Kumar Ranvir of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my son name is changed from MANYANK YADAV to MAYANK YADAV

CHANGE OF NAME
I, No. 15815176W Nk Selvamani S of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from K PUSHPA to PUSHPA SHANMUGAM

CHANGE OF NAME
I, No. 6948155N Nk MD Musha of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my daughter name is changed from KUMARI MOSSAMAT MEGHA to MOSSAMAT MEGHA

CHANGE OF NAME
I, No. 6943120N Hav SHAIK MOHAMMAD RAFI of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my son name is changed from SHAIKH ADNAN SAHIL to SHAIK ADNAN SAHIL

CHANGE OF NAME
I, No. 15815298A L/NK Ujeesh VK of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from RAMACHANERAN to V RAMACHANDRAN KATTAMBALLI and also my name is changed from UTHRACHANDRAN to VK UTHARA

CHANGE OF NAME
I, No. 6948125W Nk Suresh Kumar Regeti of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from DHANALAXMI to REGETI DHANALAXMI

CHANGE OF NAME
I, No. 15821558W Sep Maniruddin Ahamed of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my daughter name is changed from AFREEN to AFREEN AHAMED and also my other daughter name is changed from MEHJABEEN to MEHJABEEN AHAMED

CHANGE OF NAME
I, PRAVEEN KUMARI is legally wedded spouse of Army No.6948288K Nk Rakesh Kumar Ranvir R/o.Vill:Rasulpur, Post:Badi Pachri, Teh:Buhana, Dist:Jhun Jhunu, Rajasthan, 333515 have changed my name from PRAVEEN KUMARI to PRAVIN vide affidavit dt:16/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. JC 732594A Sub Manphool Singh of 21 MTN DOU, Guwahati, Assam that my father name is changed from MANGE LAL to MANGI LAL and also my mother is changed from VIMALA DEVI to BIMLA DEVI

CHANGE OF NAME
I, No. JC-732436L Sub Maj Subhendu Banerjee of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father name is changed from MIRTUNJOY BANERJEE to MRITUNJOY BANERJEE and also my mother name is changed from ANITA RANI BANERJEE to ANITA BANERJEE

CHANGE OF NAME
I, BHAVARY Spouse of Army No.JC 727676Y Ex.Sub BHINWA RAM JAT, R/o.Vill and Post:Ganeri, Teh:Laxmangarh, Dist:Sikar, Rajasthan-332029 have changed my name from BHAVARY to BHANWARI DEVI vide affidavit dt:16-1-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.15322345M Hav GURUSAMY S, Resident of H.No.1/197, Bank Street, Sevalkulam Post, Sankarankoil, Tirunelveli, Tamil Nadu-627754 hereby declare that my father name & DOB is changed from SHANMUGAIAH, DOB:01-07-1955 to SHUNMUGAIAH G, DOB:13-07-1952 and mother name & DOB is changed from S KARUPPAI, DOB:01-07-1958 to KARUPPAYI, DOB:07-10-1953 vide affidavit dt:16-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MUNI DEVI Mother of No. 16118767M L/Nk ASHOK KUMAR, Resident of Ward No.4, Vill and PO:Raisarana, Dist:Alwar, Rajasthan-301708 have changed my name and DOB from MUNNI DEVI, DOB:01-04-1973 to MUNI DEVI, DOB:01-01-1970 vide affidavit dt:16-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, HARISINGH Father of No. 16118767M L/Nk ASHOK KUMAR, Resident of Ward No.4, Vill and PO:Raisarana, Dist:Alwar, Rajasthan-301708 have changed my name and DOB from HARI SINGH, DOB:04-03-1969 to HARISINGH, DOB:01-01-1967 vide affidavit dt:16-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 13994294L Ex Hav SANKAR C, Residing at H.No.9-79, B.T.R.Colony, Mangalam, Tirupathi, Chittoor Dist, Andhra Pradesh - 517507 that my father name is to be changed from VENKATA SWAMY NAIDU to S. VENKATASWAMY NAIDU, Mother name is to be changed from AMARAVATHI to S.AMARAVATHI and daughter name is to be changed from C.NEHA to CHIMMILI NEHA vide affidavit dt:16-01-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

मैं निकला गड्डी लेके...

पुरानापुल दरवाजा स्थित दरबार मैसम्मा मंदिर को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश के बाद क्षेत्र में व्याप्त भारी तनाव के बीच बुलेट पर घटनास्थल का दौरा करने पहुँचे हिंदू हृदय सम्राट गोशामहल भाजपा विधायक टी. राजा सिंह।

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता पर दो सप्ताह में रिपोर्ट देने का अंतिम अवसर दिया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए बीआरएस विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर दो सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यह अंतिम अवसर होगा।

न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ का आदेश

यह आदेश न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने पारित किया। पीठ ने कहा कि अयोग्यता मामलों में अब तक की गई कार्रवाई के बारे में अदालत को सूचित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को दिया गया यह अंतिम मौका है।

अयोग्यता याचिकाओं की वर्तमान स्थिति

सुनवाई के दौरान अध्यक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि सात अयोग्यता मामलों में पहले ही निर्णय लिया जा चुका है, जबकि एक याचिका अभी लंबित है। उन्होंने देरी का कारण बताते हुए कहा कि अध्यक्ष की आंखों की सर्जरी हुई थी, जिसके चलते कार्यवाही पूरी करने के लिए आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा गया था।

लंबी समयसीमा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आठ सप्ताह की समयसीमा के अनुरोध को खारिज कर दिया और इसे घटाकर दो सप्ताह कर दिया। साथ ही निर्देश दिया कि अगली सुनवाई की तारीख से पहले एक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से दाखिल की जाए।

बीआरएस विधायकों की ओर से कड़ा विरोध

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों की ओर से पेश वकीलों ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष न्यायालय के पूर्व निर्देशों का पालन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए पहले ही तीन महीने का समय दिया गया था, जो काफी पहले समाप्त हो चुका है।

गंभीर परिणामों की चेतावनी

सभी दलीलों पर विचार करते हुए पीठ ने चेतावनी दी कि यदि विधानसभा अध्यक्ष दो सप्ताह की समयसीमा का पालन करने में असफल रहते हैं, तो उन्हें गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि स्थिति रिपोर्ट को बिना किसी और देरी के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

तेलंगाना की राजनीति पर असर

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश पर राजनीतिक हलकों की करीबी नजर बनी हुई है।

माना जा रहा है कि इस फैसले के तेलंगाना की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं, विशेषकर दलबदल, विधायी जवाबदेही और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़ी बहस के बीच।

सीजेए का पतंग उत्सव एवं स्नेहमिलन धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बी.एच.ई.एल. चंदानगर स्थित पी.जे.आर. स्टेडियम में साइबराबाद गुजराती एसोसिएशन (उगअ) द्वारा समाजबंधुओं के लिए पतंग उत्सव एवं स्नेहमिलन का आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम से किया गया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गुजराती समाज के लोगों ने भाग लेकर उत्सव का आनंद लिया।

आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में साइबराबाद गुजराती एसोसिएशन के मानद मंत्री मुकेश सवलिया ने बताया कि एसोसिएशन द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव एवं स्नेहमिलन का आयोजन किया गया, जिसमें समाजबंधुओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमतभाई पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, डोंगरेजी महाराज गौशाला से मनसुख पटेल, वसंत पटेल, भरत पटेल, अशोक पटेल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने विशेष रूप से सहभागिता की।कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधुओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए सायबराबाद गुजराती एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश महेता ने कहा कि सी.जे.ए. एक रजिस्टर्ड नॉन-प्रॉफिट संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी। उन्होंने बताया कि साइबराबाद क्षेत्र के मदीनागुडा, मियापुर, चंदानगर, कोंडापुर, गच्चीबावली, नलगंडला, लिंगमपल्ली, माधापुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना के बाहर से आकर बसे गुजराती समाज के लोग इस संस्था से जुड़े हुए हैं, जो सॉफ्टवेयर कंपनियों एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

उन्होंने गर्व के साथ बताया कि सी.जे.ए. से वर्तमान में 4000 से अधिक सक्रिय सदस्य जुड़े हुए हैं। मानद मंत्री मुकेश सवलिया ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से सी.जे.ए. द्वारा नवरात्रि, उगादी, होली, दिवाली, साथ ही कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए टैलेंट शो जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था पूरे वर्ष विभिन्न त्योहारों और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को एक मंच प्रदान कर पारंपरिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

इस अवसर पर सायबराबाद गुजराती समाज के अध्यक्ष राजेश महेता, उपाध्यक्ष भाविक शाह, मानद मंत्री मुकेश सवलिया, वित्त सचिव अंकित कोठारी, कार्यकारिणी सदस्य विपुल पटेल, हार्दिक सोढा, हिरेन गोहेल, रेनीश शाह सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

घांसी बाजार में संक्रांति के अवसर पर आयोजित पतंगबाजी कार्यक्रम में भाग लेते हुए पंकज कुमार अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल एवं अन्य।

मुख्यमंत्री का वादा: अधिक नौकरियाँ पारदर्शी भर्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार शाम घोषणा की कि राज्य सरकार जल्द ही और अधिक सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि 2023 में सत्ता में आने के बाद से अब तक लगभग 70,000 पदों को भरा जा चुका है। यहाँ 23 विभागों के 1,370 उम्मीदवारों को ग्रुप-3 नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बेरोजगार युवाओं से अपील की कि वे विपक्ष के दुष्प्रचार में न आएं।

पिछली सरकार पर निशाना और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता

मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने सार्वजनिक कल्याण के बजाय परिवार और पार्टी के हितों को प्राथमिकता दी और रोजगार के अवसर प्रदान करने में विफल रहे। उन्होंने कहा, युवाओं ने बीआरएस सरकार के खिलाफ विद्रोह किया जिसने रोजगार सृजन की उपेक्षा की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रजा सरकारफ पारदर्शिता और योग्यता आधारित भर्ती के लिए प्रतिबद्ध है। रेवंत रेड्डी ने पुनर्गठित तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग और कानूनी चुनौतियों के बावजूद ग्रुप 1, 2 और 3 पदों को सफलतापूर्वक भरने की बात कही। उन्होंने बताया कि ग्रुप-1 और ग्रुप-2 पदों के लिए 5 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था।

माता-पिता के सम्मान के लिए अनूठी पहल और शिक्षा पर जोर

रेवंत रेड्डी ने एक अनूठी माता-पिता सहायता पहल की भी घोषणा की, जिसके तहत यदि सरकारी कर्मचारी अपने माता-पिता की उपेक्षा करते हैं, तो उनके वेतन का 10-15% हिस्सा सीधे माता-पिता के खातों में जमा किया जाएगा। शिक्षा और कौशल पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्यमंत्री ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन और कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने चिंता जताई कि निजी स्कूलों के 33 लाख छात्रों की तुलना में सरकारी स्कूलों में केवल 16 लाख छात्र नामांकित हैं। उन्होंने राज्य के पुनर्निर्माण में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका और गरीबों की सेवा को अनिवार्य बताया।मुख्यमंत्री ने 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने राज्य की कृषि उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यहाँ 28.5 मिलियन मीट्रिक टन चावल का उत्पादन हुआ है। कार्यक्रम के दौरान ओस्मानिया और काकतीय विश्वविद्यालयों के उन छात्रों और उनके माता-पिता को श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने तेलंगाना राज्य प्राप्ति के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मकर संक्रांति पर उत्तर भारतीय नागरिक संघ द्वारा कंबल वितरण और गौ सेवा

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर, जब सूर्य भगवान उत्तरायण हो रहे हैं, वनस्थलीपुरम में विशेष सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उत्तर भारतीय नागरिक संघ के चेयरमैन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह के नेतृत्व में समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए कदम उठाए गए।

प्रशांत नगर, वनस्थलीपुरम स्थित साईं बाबा मंदिर के पास आयोजित इस कार्यक्रम में कड़ाके की ठंड को देखते हुए जरूरतमंद लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। त्योहार की परंपरा को निभाते हुए लोगों को तिल के लड्डू और चूड़ा भी बांटा गया। एन.के. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि दान और सेवा ही इस पावन पर्व का असली संदेश है।

सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए, रेणुका एल्लम्मा गौशाला, वनस्थलीपुरम में गौ सेवा का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान उत्तर भारतीय नागरिक संघ के सदस्यों ने गायों को चारा खिलाया और उनकी सेवा की। इस पूरे सेवा कार्य में अमरजीत सिंह, पी. सुरेश, प्रशांत, निखिल, लक्षजीत सिंह, देवांशी सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति व युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नेकलेस रोड पर जयपाल रेड्डी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विधायक पद्मावती रेड्डी, प्रेमलता अग्रवाल व अन्य।

3.90 करोड़ रुपये के धरणी-भू-भारती घोटाले में 15 गिरफ्तार, नकदी और दस्तावेज जब्त

जनगाँव, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जनगाँव पुलिस ने जनगाँव और यदाद्रि जिलों में धरणी और भू-भारती पंजीकरण से जुड़े कथित 3.90 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल एक गिरोह के 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले के कारण सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुँचा है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में नौ अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

वारंगल पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुख्य आरोपी पसुनुरी बसवा राजू और जेल्ला पांडु यदागिरीगुट्टा में एक ऑनलाइन सेवा केंद्र चलाते थे। इन्होंने बिचौलियों की मदद से धरणी/भू-भारती वेबसाइट पर इन्स्पेक्ट एडिट एप्लिकेशनफीचर का उपयोग करके चालान शुल्क में हेरफेर की। इस तकनीक के माध्यम से संशोधित रसीदें और फर्जी चालान तैयार किए गए, जिन्हें बाद में एमआरओ (चठज) और पंजीकरण कार्यालयों में जमा कर दिया गया।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ......
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date ...... Drawn ......
Name of the Executive ......
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। – प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.